किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो0: 9891706853

दैनिक समाज जागरण

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित

वर्षः 4 अंकः 132 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) शुक्रवार 20 फरवरी 2026 http://samajjagran.in पृष्ठ - 12 मूल्य 05 रुपया

उत्तराखंड हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

नैनीताल/एजेंसी। उत्तराखंड हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। इस संबंध में कुमाऊं के आईजी Riddhim Agarwal ने बताया कि हाईकोर्ट के साथ-साथ विभिन्न जिला अदालतों को भी धमकी भरे ईमेल प्राप्त हुए हैं।

आईजी रिद्धिम अग्रवाल ने कहा कि मामले को गंभीरता से लेते हुए सभी आवश्यक सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) धमकी भेजने वालों के आईपी एड्रेस ट्रेस करने में जुटी है। साथ ही केंद्रीय एजेंसियों से लगातार संपर्क बनाए रखा गया है और उनका सहयोग लिया जा रहा है।

गगनयान मिशन को बड़ी सफलता, ड्रोग पैराशूट टेस्ट हुआ सफल

समाज जागरण

नई दिल्लीः भारत के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' की तैयारियों को मजबूती मिली है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने गगनयान कार्यक्रम के लिए ड्रोग पैराशूट का सफल क्वालिफिकेशन लेवल लोड टेस्ट पूरा कर लिया है। यह परीक्षण टर्मिनल बैलिस्टिक्स रिसर्च लेबोरेटरी की रेल ट्रैक रॉकेट स्लेज सुविधा में किया गया।

ड्रोग पैराशूट अंतरिक्ष कैप्सूल की सुरक्षित वापसी में अहम भूमिका निभाता है। यह पहले खुलकर कैप्सूल की गति कम करता है और उसे स्थिर करता है, ताकि मुख्य पैराशूट सुरक्षित तरीके से खुल सके। इस बार परीक्षण में पैराशूट को वास्तविक उड़ान में आने वाले अधिकतम भार से भी अधिक दबाव में परखा गया, जिससे इसकी अतिरिक्त सुरक्षा क्षमता सिद्ध हुई।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वैज्ञानिकों और संबंधित संस्थानों को बधाई दी और इसे आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत ने भी सफलता पर टीम को शुभकामनाएं दी।

परीक्षण में ISRO के विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर, एरियल डिलीवरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट, और टीबीआरएल की विशेषज्ञ टीमों ने संयुक्त रूप से भाग लिया। विशेषज्ञों के अनुसार, यह उपलब्धि गगनयान मिशन की तैयारियों को और मजबूत बनाती है और भारत की मानव अंतरिक्ष उड़ान योजना के लिए महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

सेंसेक्स 1,236 पॉइंट गिरा, बेंचमार्क इंडेक्स ने दो हफ्ते की सबसे बड़ी डुबकी दर्ज की

बढ़ते जियोपॉलिटिकल तनाव और कच्चे तेल की कीमतों के दबाव में निवेशकों ने बड़े शेयरों में प्रॉफिट बुक किया; सभी 30 सेंसेक्स स्टॉक्स नुकसान में बंद

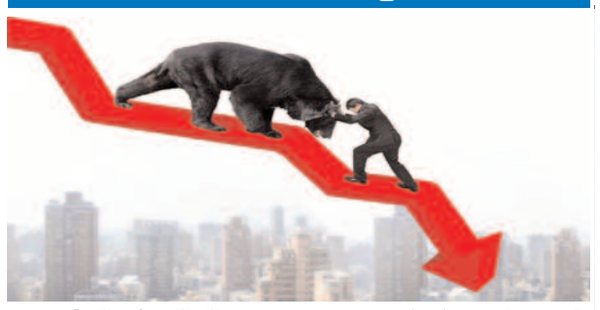

समाज जागरण

नई दिल्लीः गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार में भारी बिकवाली का दबाव देखा गया। सेंसेक्स 1,236.11 पॉइंट (1.48%) गिरकर 82,498.14 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 365 पॉइंट (1.41%) गिरकर 25, 454.35 पर बंद हुआ। यह इस साल 1 फरवरी के बाद से बेंचमार्क इंडेक्स का सबसे खराब एक दिन रहा।

विशेषज्ञों का कहना है कि तकनीकी रूप से इंडेक्स ने 25,645-25,660 के शॉर्ट-टर्म सपोर्ट बैंड को तोड़ दिया, जिससे बिकवाली का दबाव और बढ़ गया। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ाई।

मार्केट में बैंकिंग और FMCG सेक्टर के बड़े शेयरों में प्रॉफिट बुकिंग ने गिरावट को तेज किया। सेंसेक्स के सभी 30 शेयर नुकसान में बंद हुए, जिनमें इंडिगो, M&M, अल्ट्राटेक सीमेंट, ट्रेंट और BEL शामिल हैं। सेक्टर स्तर पर निफ्टी रियल्टी, मीडिया और ऑटो सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले रहे। विदेशी पोर्टफोलियो इन्वेस्टर्स (FPIs) ने भारतीय इक्विटी में अपना एक्सपोजर घटाना जारी रखा। फरवरी के पहले आधे हिस्से में FPIs ने IT स्टॉक्स में 10,956 करोड़ की बिकवाली की, जबकि कुल इनफ्लो 29,709 करोड़ रहा। उच्च अंतरराष्ट्रीय तनाव और सेफ-हेवन की मांग के कारण सोने में तेजी देखी गई।

होली पर यात्रियों को राहत, रेलवे चलाएगा 30 अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनें

मुंबई से सुल्तानपुर, वाराणसी, रक्सौल, सहरसा और धनबाद के लिए विशेष सेवाएं; बुकिंग शुरू

नई दिल्लीः होली के त्योहार के मद्देनजर भारतीय रेलवे ने यात्रियों

की सुविधा और भीड़ कम करने के लिए 30 अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। इनमें 8 ट्रेनें मुंबईझ्रसुल्तानपुर/वाराणसी के लिए और 22 ट्रेनें रक्सौल, सहरसा और धनबाद के लिए संचालित होंगी। लोकमान्य तिलक टर्मिनस से सुल्तानपुर और वाराणसी के लिए स्पेशल ट्रेनें 27 फरवरी से 3 मार्च तक चलेंगी, जबकि रक्सौल, सहरसा और धनबाद के लिए सेवाएं 6 मार्च से 2 अप्रैल तक बढ़ाई गई हैं। प्रत्येक ट्रेन में 16 एसी थ्री-टियर इकोनॉमी कोच और 2 जनरेटर वैन लगाए गए हैं।

रेलवे ने यात्रियों से समय पर टिकट बुक करने और इन स्पेशल ट्रेनों का लाभ लेने की अपील की है। बुकिंग 20 फरवरी से शुरू हो चुकी है, जबकि एसी स्पेशल ट्रेनों के लिए आरक्षण 22 फरवरी से खुलेंगे।

कानपुर में बनेगा भारत-फ्रांस एयरोनॉटिक्स स्किलिंग सेंटर, पीएम मोदी ने किया ऐलान

फ्रांस के सहयोग से स्थापित होगा राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र; उन्नत प्रशिक्षण से भारत के एविएशन कौशल को मिलेगा नया आयाम

समाज जागरण

कानपुरः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कानपुर के नेशनल स्किल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (एनएसटीआई) में एयरोनॉटिक्स और डिफेंस सेक्टर के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की घोषणा की। यह केंद्र कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय की पीएम-सेतु योजना के तहत फ्रांस सरकार के सहयोग से बनाया जाएगा।

यह केंद्र एयरोनॉटिक्स, मेंटेनेंस, रिपेयर एंड ओवरहाल, एयरपोर्ट संचालन, रक्षा विनिर्माण और संबंधित क्षेत्रों में उन्नत प्रशिक्षण प्रदान करेगा। कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री जयंत

चौधरी के अनुसार, यह भारत के एविएशन स्किलिंग इकोसिस्टम को मजबूती देगा और वैश्विक स्तर के कुशल पेशेवर तैयार करेगा।

भारत-फ्रांस सहयोग के तहत संयुक्त पाठ्यक्रम निर्माण, प्रशिक्षक प्रशिक्षण, आदान-प्रदान कार्यक्रम और भाषा प्रशिक्षण भी लागू किए जाएंगे। दोनों देश एयरोनॉटिक्स और अंतरिक्ष क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमत हुए हैं।

न साउथ अफ्रीका न न्यूजीलैंड, सेमीफाइनल का टिकट कटाएंगी ये चार टीमें

सुपर-8 के घमासान से पहले भविष्यवाणी

समाज जागरण

नई दिल्ली. भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2026 का कारवां सुपर-8 की तरफ बढ़ चला है. भारत, जिम्बाब्वे, वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका ने अजेय रहते हुए अपना-अपना ग्रुप टॉप किया और अगले राउंड में जगह बनाई. इनके अलावा सुपर-8 की अन्य चार टीमें न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान हैं. सुपर-8 की टीमें फाइनल होते ही टॉप-4 को लेकर भविष्यवाणियां शुरू हो चुकी हैं. कई पूर्व क्रिकेटर्स टूनामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने की दावेदार टीमों को लेकर अपनी-अपनी

राय दे रहे हैं. इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर मोंटी पनेसर ने भी टॉप-4 टीमों को लेकर प्रेडिक्शन की है. हालांकि, उन्होंने जो टॉप-4 टीमें चुनी हैं, उनमें साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड शामिल नहीं है. इस पूर्व स्पिनर ने सेमीफाइनल में पहुंचने वाली चार टीमों में दोनों मेजबानों को रखा है. पनेसर ने बिना किसी देरी के सबसे पहले भारत का नाम लिया कि टीम इंडिया तो सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी. हालांकि, उन्होंने एक चिंता जाहिर करते हुए बताया कि इंडिया के सामने स्पिन खेलें की बड़ी चुनौती है. पनेसर ने कहा कि भारतीय बल्लेबाज अभी स्पिनर्स के खिलाफ जूझते नजर आ रहे हैं, जो आगामी टूनार्मेंट में डिफेंडिंग चैंपियंस के लिए दिक्कतें खड़ी कर सकता है. पनेसर ने अगला नाम इंग्लैंड का लिया. इंग्लैंड को लेकर पनेसर का मानना है कि उनके पास स्ट्रॉन्ग पावर हाउस है, जो टीम को टॉप-4 में जगह बनाने में अहम भूमिका निभाएगा. पनेसर ने तीसरी टीम श्रीलंका को चुना. उन्होंने कहा कि श्रीलंका होस्ट है और उसने सही समय पर शानदार खेल दिखाया है. खासकर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनका जबरदस्त रन चेज, जिससे टीम सेमीफाइनल में जाने के लिए पूरी तरह से तैयार है. उनके मुताबिक चौथी टीम जिम्बाब्वे है. इसके साथ ही पनेसर ने कहा कि अब सब कहेंगे कि जिम्बाब्वे कैसे? इसके पीछे की बड़ी वजह बताते हुए इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि उनके पास जो हाई आर्म बॉलर हैं वो एक्स फैक्टर हैं. लंबे होने की वजह से उन गेंदबाजों को ज्यादा उछाल मिल रहा है. इसके अलावा उन्होंने जिस तरह से ऑस्ट्रेलिया को हराया, उससे टीम को आत्मविश्वास मिलेगा.

ट्रंप के अमेरिकी ट्रेड घाटे के दावे पर विवाद, आंकड़े बताते हैं अलग कहानी

टैरिफ नीति के बावजूद दिसंबर 2025 में ट्रेड घाटा 70.3 अरब डॉलर; पूरे साल का घाटा 901.5 अरब डॉलर रहा, विशेषज्ञों ने उठाए गंभीर सवाल

नई दिल्लीः अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में दावा किया कि उनकी टैरिफ नीति की वजह से अमेरिका का ट्रेड घाटा 78 प्रतिशत तक घट गया है और यह जल्द ही दशकों में पहली बार पॉजिटिव क्षेत्र में पहुंच सकता है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि विदेशी कंपनियों और देशों पर लगाए गए टैरिफ ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था को फायदा पहुंचाया और घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा दिया।

लेकिन ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट और अमेरिकी वाणिज्य विभाग के आंकड़े ट्रंप के दावे के बिल्कुल विपरीत हैं। रिपोर्ट के अनुसार, दिसंबर 2025 में अमेरिका का ट्रेड घाटा बढ़कर 70.3 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले महीने से अधिक है। पूरे साल 2025 का ट्रेड घाटा 901.5 अरब डॉलर रहा, जो 1960 के बाद के सबसे बड़े घाटों में से एक माना जा रहा है।

विशेषज्ञों के अनुसार, दिसंबर में अमेरिका के इंपोर्ट में 3.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जबकि एक्सपोर्ट में 1.7 प्रतिशत की

गिरावट दर्ज की गई। इसका मतलब है कि अमेरिकी कंपनियों और उपभोक्ताओं की विदेशी वस्तुओं पर निर्भरता कम नहीं हुई, बल्कि कई सेक्टर में बढ़ गई। वैश्विक निवेशकों और अर्थशास्त्रियों ने ट्रंप के दावों और वास्तविक आंकड़ों के बीच अंतर को लेकर तीखी बहस शुरू कर दी है। कुछ विश्लेषक मानते हैं कि टैरिफ से मैन्युफैक्चरिंग को अस्थायी लाभ जरूर मिला हो सकता है, लेकिन व्यापक आर्थिक प्रभाव के लिहाज से ट्रेड घाटा कम होने की स्थिति अभी दूर है। अर्थशास्त्री यह भी चेतावनी दे रहे हैं कि ट्रंप के दावे अमेरिकी आर्थिक नीति पर वैश्विक भरोसे को प्रभावित कर सकते हैं और निवेश निर्णयों में भ्रम पैदा कर सकते हैं।

नोएडा में 38वें वसंत उत्सव फ्लावर शो का भव्य शुभारंभ

सांसद डॉ. महेश शर्मा ने किया उद्घाटन, नागरिकों से सहभागिता की अपील

नोएडा/समाज जागरण ब्यूरो। आज दिनांक 19 फरवरी 2026 को गौतम बुद्ध नगर के सांसद डॉ. महेश शर्मा ने नोएडा प्राधिकरण द्वारा आयोजित 38वें वसंत उत्सव फ्लावर शो का विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी और नागरिक उपस्थित रहे।

इस अवसर पर नोएडा प्राधिकरण की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीमती वंदना त्रिपाठी तथा उद्यान विभाग के सभी अधिकारी मौजूद रहे। उद्घाटन के दौरान सांसद ने फूलों की आकर्षक प्रदर्शनी का अवलोकन किया और आयोजकों के प्रयासों

की सराहना की।

प्राधिकरण के अनुसार, यह चार दिवसीय वसंत उत्सव फ्लावर शो शहरवासियों के लिए प्रकृति, उद्यानिकी और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण आयोजन है। कार्यक्रम में विभिन्न प्रजातियों के फूलों की प्रदर्शनी, उद्यान प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक गतिविधियां और जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि फ्लावर शो का उद्देश्य नोएडा को हरित एवं सुंदर शहर के रूप में विकसित करना और नागरिकों को बागवानी के प्रति प्रेरित करना है। साथ ही स्कूलों, संस्थानों और उद्यान प्रेमियों की भागीदारी से कार्यक्रम को जनोत्सव का स्वरूप दिया जा रहा है।

नोएडा प्राधिकरण ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे परिवार सहित कार्यक्रम में शामिल होकर 38वें वसंत उत्सव को सफल बनाएं और पर्यावरण संरक्षण के संदेश को आगे बढ़ाएं।

डीएमके प्रवक्ता का बड़ा दावा—'तमिलनाडु देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बन रहा'

समाज जागरण

चेन्नई/एजेंसी। तमिलनाडु की राजनीति में डीएमके-डीएमके गठबंधन को लेकर द्रविड़ मुनेत्र कषगम के प्रवक्ता सलेम धरनीधरन ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में तमिलनाडु देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनकर उभर रहा है और उनकी सरकार संघीय ढांचे तथा धर्मनिरपेक्षता के विचार की मजबूत पक्षधर है।

प्रवक्ता ने कहा, "हमारे मुख्यमंत्री संघीय ढांचे, सेक्युलरिज्म और भारत की मूल भावना के चैंपियन हैं। यही कारण है कि एनडीए के कई सहयोगी दल उसे छोड़कर हमारे गठबंधन से जुड़ रहे हैं।"

उन्होंने आगे दावा किया कि वर्ष 2018 से डीएमके का गठबंधन मजबूत और स्थिर बना हुआ है तथा समय के साथ इसमें और दल शामिल हुए हैं। डीएमके प्रवक्ता के मुताबिक, राज्य में सरकार की नीतियों और विकास कार्यों के कारण गठबंधन को लगातार राजनीतिक समर्थन मिल रहा है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आगामी चुनावी समीकरणों को देखते हुए तमिलनाडु में गठबंधनों की राजनीति फिर तेज हो सकती है। फिलहाल डीएमके की ओर से किया गया यह दावा राज्य की सियासत में नई चर्चा का विषय बन गया है।

रेजीडेंसी कोठी में अनियमितताओं पर टेंडर निरस्त, अतिरिक्त कलेक्टर का बयान

इंदौर/एजेंसी। मध्य प्रदेश के इंदौर में रेजीडेंसी कोठी से जुड़े टेंडर को अनियमितताओं के आरोपों के बाद निरस्त कर दिया गया है। इस मामले में अतिरिक्त कलेक्टर Roshan फ्रंने कार्रवाई की पुष्टि की है। अतिरिक्त कलेक्टर रोशन राय ने बताया कि उन्हें इस संबंध में शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसके आधार पर संबंधित पक्ष के व्यवहार और गतिविधियों की जांच की गई।

फ्रीबीज पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी को लेकर माकपा सांसद अमरा राम का बयान

समाज जागरण

नई दिल्ली/एजेंसी। चुनाव से पहले राजनीतिक मुफ्त योजनाओं की बढ़ती संस्कृति पर सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणियों के बीच माकपा सांसद अमरा राम ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

माकपा नेता और सांसद अमरा राम ने कहा कि इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट "मानो आंखों पर पट्टी बांधे हुए" नजर आया। उन्होंने आरोप लगाया कि जब चुनावी बॉन्ड योजना लाई गई थी, तब माकपा ने इसका विरोध किया था और किसी भी कॉरपोरेट से एक पैसा भी स्वीकार नहीं किया।

अमरा राम ने आगे कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला तब आया, जब राजनीतिक दल पहले ही चुनावी बॉन्ड के जरिए कॉरपोरेट से बड़ी रकम ले चुके थे। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार में चुनाव से ठीक दो दिन पहले लोगों के खातों में 10,000 जमा होने की घटना सबने देखी।

माकपा नेता के इस बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में मुफ्त योजनाओं और चुनावी फंडिंग को लेकर बहस तेज होने की संभावना है। विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच इस मुद्दे पर पहले से ही तीखी नोकझोंक जारी है।

– समाज जागरण

हरियाणा बजट सत्र 20 फरवरी से, 18 मार्च तक चलेगा: कृष्ण कुमार बेदी

चंडीगढ़/एजेंसी। हरियाणा में बजट सत्र को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक के बाद हरियाणा के मंत्री Krishan Kumar Bedi ने सत्र की रूपरेखा साझा की। मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने बताया कि बजट सत्र शुक्रवार 20 फरवरी को सुबह 11 बजे राज्यपाल के अभिभाषण के साथ शुरू होगा और 18 मार्च 2026 तक चलेगा। उन्होंने कहा कि 2 मार्च को मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री हरियाणा का बजट पेश करेंगे। उन्होंने आगे बताया कि सभी कार्य दिवसों में सदन की कार्यवाही सुबह 11 बजे से शाम 5:30 बजे तक चलेगी।

वहीं, राज्यसभा चुनाव वाले दिन सत्र दोपहर 2 बजे से शुरू होगा और उस दिन लगभग सभी विधायक सदन में उपस्थित रहेंगे।

रमजान मुबारक :रोजा रखकर तो देखो

मुझे चौदह साल की उम्र तक हिंदू-मुसलमान में फर्क पता नहीं था, क्योंकि मेरे घर के आसपास कोई मुसलमान नहीं रहता था. मेरे ममाने में भी कोई मुसलमान नहीं था. मामा के गांव जाते वक्त रास्ते में एक गांव पडता था नाम था शहजादपुरा. जाहिर है किसी शहजादे के नाम पर बसा होगा, लेकिन हमने वहां भी कोई शाहजादा नहीं देखा. इस्लाम और मुसलमान से मेरा परिचय बहुत देर में हुआ.

उन दिनों मै कक्षा 8 का छात्र था, साथ में एक इशाक मोहम्मद या खान भी पढते थे. उनके घर आना जाना शुरू हुआ. उनके अब्बा मदरसा चलाते थे. उन्होंने ही मुझे बताया कि इस्लाम एक मजहब है और मुसलमान एक कौम. दोनों के खानपान और पूजा पद्धति अलग-अलग हैं. उसी समय मैने रमजान, रोजा, इबादत, जकात, जहन्नुम, जन्नत के बारे में जाना.

इशाक के अब्बा बताते थे कि बेटा !रमजान को रहमत, मगफिरत और जहन्नम से निजात का महीना कहा जाता है। इसी महीने में कुरआन शरीफ नाज़िल हुआ था।वे कहते थे कि रोजा रखने का मकसद सिर्फ भूखा-प्यासा रहना नहीं, बल्कि खुद को बुराइयों से बचाना और आत्मा को पाक करना है।क्योंकि रोजा इंसान को सब्र सिखाता है। दिन भर भूखे-प्यासे रहने से गरीबों की तकलीफ का एहसास होता है और इंसान के अंदर शुक्रगुजारी पैदा होती है। रमजान में की गई हर नेक इबादत का सवाब कई गुना बढ़ा दिया जाता है। इशाक के अब्बा दोहरे जिस्म वाले थे.

उन्हे रोजा रखते मैने सवाल किया था आखिर इससे क्या होता है? मुझे याद है कि उन्होने कहा था कि जो नवदुर्गा में उपवास रखने से होता है वही. उन्होंने ही बताया था कि रमजान में दुआ की खास अहमियत होती है। माना जाता है कि रोजेदार की दुआ इफ्तार के वक्त खास तौर पर कबूल होती है। इसलिए रोजा खोलते समय अल्लाह का शुक्र अदा करना और अपने लिए, परिवार के लिए और पूरी उम्मत के लिए दुआ करना बेहतर होता है।

उस जमाने में हमारे गांव में रोजेदार की बडी इज्जत होती थी.हर मोहल्ले में रोजा इफ्तार होता था. सेहरी की आवाज सुनकर हम भी पढने के लिए जाग जाते थे, क्योंकि उन दिनों परीक्षा सिर पर होती थी. मैने ग्वालियर में पूर्व मंत्री रमाशंकर सिंह के आवास पर इफ्तार दावत देखी थी.मैने भी दो-चार बार घर पर ऐसे आयोजन किए, लेकिन पिछले एक दशक से किसी गैर मुसलमान के घर इफ्तार होते देखने को मैं तरस गया.

बहरहाल इस्लामिक कैलेंडर के नौवें महीने रमजान में रोजा रखना फर्ज माना जाता है। रोजे रखकर और नमाज अदा करके लोग अल्लाह की इबादत कर उनकी रहमत हासिल करने की कोशिश करते हैं। इस कारण रोजा रखने और खोलने से पहले दुआ या नियत (इरादा) करना आवश्यक माना जाता है। यह एक प्रकार का संकल्प है, जो लोग रोजा रखने से पहले लेते हैं। । साल 2026 में अगर 18 -19 फरवरी को चांद दिखते ही रमजान का महीना शुरू हो गया। रोजा रखने का मुख्य उद्देश्य अल्लाह की इबादत करना और उनकी रहमत प्राप्त करना माना जाता है। रोजा सिर्फ भूखे-प्यासे रहना ही नहीं, बल्कि रूह को शुद्ध करने और नेकी के रास्ते पर चलने की एक कोशिश है.

रमजान महीने में सुबह फज्र की नमाज से पहले सहरी के बाद रोजा रखा जाता है। इसके बाद पूरे दिन भूखे-प्यासे रहकर अल्लाह की इबादत और अपने कर्म को करते हुए शाम को मगरिब की नमाज के बाद इफ्तार किया जाता है। मतलब सुबह सूर्योदय के बाद और शाम को सूर्यास्त के पहले तक रोजा रखा जाता है। ऐसे में रोजा को रखने और खोलने से पहले दुआ पढ़ना आवश्यक माना गया है।

रोजा रखने से पहले सहरी के समय नीयत करना जरूरी होता है, क्योंकि यह पैगंबर मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) की सुन्नत है। सेहरी के वक्त दुआ के जरिए रोजे की नीयत करना अनिवार्य है। जब सूरज डूब जाता है और मगरिब की अजान होती है, तब रोजा खोला जाता है। इफ्तार के वक्त दुआ पढ़ना सुन्नत माना गया है और इस समय दुआ कबूल होने की उम्मीद भी ज्यादा होती है।रोजा का सही मतलब तब पता चलता है जब खुद रोजा रखकर देखो.

एक जमाना था जब देश में प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति आवास पर भी रोजा इफ्तार होता था. लेकिन जबसे सरकारों पर देश को हिंदू राष्ट्र बनाने की धुन सवार हुई है तबसे इफ्तार की दावतें बंद हो गई हैं. जो लोग पहले दावतें देते भी थे वे भी अब डरने लगे हैं. लेकिन आज भी मौका है कि इस परंपरा को पुन्रजीवित किया जा सकता है. लेकिन सवाल है कि करे कौन? हमारे यहाँ कोई तारिक रहमान तो है नहीं जो अपने मंत्रिमंडल में किसी हिन्दू या बौद्ध को मंत्री बनाने को समरसता के लिए जरूरी समझता हो.खैर छोडिए देश में रहने वाले असंख्य रोजेदारों और मुस्लिम भाई -बहनों को रमजान मुबारक. यकीन रखिये -'अच्छे दिन जरूर आएंगे'.

@ राकेश अचल

रोबोडॉग विवाद : तकनीक, पारदर्शिता और प्रतिष्ठा का टकराव

तकनीकी उपलब्धियों के इस युग में जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता को भविष्य की दिशा तय करने वाली शक्ति माना जा रहा है, तब सार्वजनिक मंचों पर प्रस्तुत किए जाने वाले दावों की विश्वसनीयता और पारदर्शिता पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में सामने आया रोबोडॉग विवाद इसी तथ्य को रेखांकित करता है कि तकनीक केवल प्रदर्शन की वस्तु नहीं है, बल्कि यह भरोसे, प्रतिष्ठा और जिम्मेदारी से भी जुड़ी होती है। इस घटना ने कुछ ही दिनों में अकादमिक जगत, सोशल मीडिया और राजनीतिक विमर्श में ऐसी हलचल पैदा कर दी जिसने स्वदेशी नवाचार, संस्थागत नैतिकता और वैज्ञानिक संचार की प्रकृति पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए।

समिट का उद्देश्य देश की उभरती कृत्रिम बुद्धिमत्ता क्षमता को प्रदर्शित करना और शोध संस्थानों, उद्योगों तथा नीति-निमार्ताओं को एक साझा मंच देना था। इसी मंच पर एक निजी विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत रोबोटिक डॉग को आरंभ में तकनीकी उपलब्धि के रूप में प्रचारित किया गया। प्रदर्शन के दौरान रोबोट की गतिशीलता, संतुलन, निगरानी क्षमता और मनोरंजक क्रियाएँ दर्शकों को आकर्षित कर रही थीं। एक साक्षात्कार में इसे संस्थान की एआई पहलों से जोड़कर प्रस्तुत किया गया, जिससे आम दर्शकों के बीच यह धारणा बनी कि यह स्वदेशी प्रयास का परिणाम है। लेकिन डिजिटल युग में सूचना की जांच-पड़ताल बहुत तेजी से होती है। वीडियो और तस्वीरें सामने आने के बाद तकनीकी समुदाय के कुछ लोगों ने इसकी पहचान एक विदेशी व्यावसायिक मॉडल के रूप में कर ली, जिसके बाद आलोचना का सिलसिला शुरू हुआ।

सोशल मीडिया ने इस विवाद को असाधारण गति प्रदान की। कुछ ही घंटों में यह विषय मीम्स, टिप्पणियों और राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का केंद्र बन गया। इस प्रतिक्रिया में तकनीकी जागरूकता और भावनात्मक राष्ट्रवाद दोनों का मिश्रण दिखाई दिया। कई लोगों ने इसे स्वदेशी तकनीक के नाम पर भ्रम फैलाने का उदाहरण बताया, जबकि कुछ ने इसे महज संचार की त्रुटि या अतिशयोक्ति मानकर संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की अपील की। डिजिटल प्लेटफॉर्म की यही विशेषता है कि वह किसी घटना को तथ्यात्मक चर्चा से अधिक प्रतीकात्मक अर्थ दे देता है। रोबोडॉग का मामला भी केवल एक उपकरण का प्रश्न नहीं रह गया, बल्कि यह देश की तकनीकी छवि और आत्मनिर्भरता की अवधारणा से जुड़ गया।

विवाद बढ़ने पर आयोजकों और संबंधित मंत्रालय की प्रतिक्रिया भी सामने आई। आधिकारिक संकेतों में स्पष्ट किया गया कि सार्वजनिक मंचों पर प्रदर्शित जानकारी का सत्यापन आवश्यक है और गलतफहमी पैदा करने वाली प्रस्तुति स्वीकार्य नहीं है। इसके बाद संस्थान को अपना स्टॉल हटाने का निर्देश दिया गया, जिसने इस प्रकरण को और गंभीर बना दिया। यह कार्रवाई एक प्रकार से संदेश थी कि तकनीकी प्रदर्शन केवल प्रचार का साधन नहीं हो सकता; उसमें प्रमाणिकता का मानक अनिवार्य है। हालांकि प्रशासनिक हस्तक्षेप को कुछ लोगों ने कठोर माना, परन्तु इसे समिट की विश्वसनीयता बनाए रखने के कदम के रूप में भी देखा गया।

संस्थान की ओर से बाद में सफाई दी गई कि उपकरण उनके द्वारा विकसित नहीं किया गया था, बल्कि छात्रों को वैश्विक तकनीक से परिचित कराने और प्रोग्रामिंग कौशल सिखाने के उद्देश्य से खरीदा गया था। उन्होंने यह भी कहा कि निर्माण का दावा नहीं किया गया था और कुछ बयानों की व्याख्या गलत ढंग से हो गई। साथ ही भ्रम के लिए खेद व्यक्त किया गया। यह पक्ष हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि आधुनिक विज्ञान संचार में शब्दों का चयन कितना महत्वपूर्ण होता है। एक सार्वजनिक प्रस्तुति में अस्पष्ट भाषा या उत्साह में किया गया बयान व्यापक गलतफहमी को जन्म दे सकता है, जिस्का परिणाम प्रतिष्ठा पर दीर्घकालिक प्रभाव के रूप में सामने आता है।

इस घटना का तकनीकी पहलू भी ध्यान देने योग्य है। विदेशी निर्मित रोबोटिक प्लेटफॉर्म का प्रयोग अनुसंधान या प्रशिक्षण के लिए असामान्य नहीं है। विश्व भर में विश्वविद्यालय और प्रयोगशालाएँ ऐसे उपकरण खरीदकर उन पर प्रयोग करते हैं, कोड विकसित करते हैं और नई क्षमताओं का परीक्षण करते हैं। ज्ञान का आदान-प्रदान विज्ञान की मूल प्रकृति है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब प्रस्तुति और वास्तविकता के बीच दूरी बन जाती है। यही दूरी आलोचना का कारण बनी। इस विवाद ने यह भी स्पष्ट किया कि आयातित तकनीक पर काम करना और उसे स्वयं विकसित बताना दो भिन्न बातें हैं, जिनके बीच पारदर्शिता आवश्यक है।

रोबोडॉग विवाद ने एक और महत्वपूर्ण बहस को जन्म दिया आत्मनिर्भरता की अवधारणा को लेकर। स्वदेशी नवाचार का लक्ष्य केवल उत्पाद निर्माण तक सीमित नहीं होता; उसमें शोध क्षमता, कौशल विकास और वैश्विक तकनीक की समझ भी शामिल होती है। यदि छात्र विदेशी उपकरण पर काम कर रहे हैं, तो यह भी सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा है। किंतु जब इसे सार्वजनिक मंच पर प्रस्तुत किया जाता है, तो अपेक्षा की जाती है कि उसका संदर्भ स्पष्ट हो। इस घटना ने यह दिखाया कि राष्ट्र निर्माण के बड़े लक्ष्यों के साथ छोटे संचार दोष भी प्रतीकात्मक रूप से बड़े विवाद का रूप ले सकते हैं।

सामाजिक स्तर पर यह प्रकरण डिजिटल युग के नैतिक आयामों को भी सामने लाता है। आलोचना लोकतांत्रिक समाज का हिस्सा है, परन्तु त्वरित ट्रोलिंग और उपहास कभी-कभी तथ्यात्मक विमर्श को पीछे छोड़ देते हैं। रोबोडॉग के संदर्भ में भी कुछ प्रतिक्रियाएँ व्यंग्य और उपहास से भरी थीं, जबकि कुछ ने इसे सुधार और सीखने का अवसर बताया। यह अंतर दशार्ता है कि तकनीकी विषयों पर सार्वजनिक संवाद अभी भी संतुलन तलाश रहा है। हमें यह समझने की आवश्यकता है कि आलोचना और अपमान के बीच एक महीन रेखा होती है, जिसे पार करने पर संवाद की गुणवत्ता घट जाती है।

इस घटना का एक सकारात्मक पक्ष भी सामने आया। इसने संस्थानों को यह याद दिलाया कि तकनीकी प्रदर्शन में सत्यापन, दस्तावेजीकरण और स्पष्टता आवश्यक है। साथ ही छात्रों और शोधकताओं के लिए यह उदाहरण बना कि विज्ञान केवल प्रयोगशाला तक सीमित नहीं है; उसका सामाजिक उत्तरदायित्व भी होता है। सार्वजनिक मंच पर प्रस्तुत हर उपलब्धि समाज के विश्वास से जुड़ती है, और वही विश्वास भविष्य की नीतियों, निवेश और सहयोग को प्रभावित करता है।

अंततः रोबोडॉग विवाद को केवल एक नकारात्मक घटना के रूप में देखना अधूरा दृष्टिकोण होगा। इसे एक ऐसे क्षण के रूप में देखा जा सकता है जिसने देश में तकनीकी विमर्श को अधिक गंभीर और आत्मविश्लेषी बनाया। इसने यह याद दिलाया कि प्रगति का मार्ग केवल उपलब्धियों से नहीं, बल्कि उनसे उत्पन्न विवादों और उनसे सीखे गए पाठों से भी बनता है। पारदर्शिता, संवाद और जिम्मेदारी यदि वैज्ञानिक संस्कृति का हिस्सा बनें, तो ऐसी घटनाएँ भविष्य में बेहतर मानकों की स्थापना का कारण बन सकती हैं। यही इस पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण संदेश है तकनीक का विकास केवल मशीनों का विकास नहीं, बल्कि विश्वास और उत्तरदायित्व का विकास भी है।

महेन्द्र तिवारी

"नीतीश कुमार का मरीन ड्राइव" – विकास, विमर्श और बदलते बिहार की कथा

वरिष्ठ पत्रकार अमलेश राजू की पुस्तक ह्लनीतीश कुमार का मरीन ड्राइवह्व बिहार के समकालीन राजनीतिक और विकासात्मक इतिहास को एक प्रतीकात्मक परियोजना के माध्यम से समझने का प्रयास है। यह कृति परंपरागत जीवनी नहीं है, बल्कि शासन, नीतियों और सार्वजनिक प्रभावों का एक विश्लेषणात्मक दस्तावेज है, जिसमें पटना के जेपी गंगापथ–लोकप्रिय नाम ह्लमरीन ड्राइवह्व–को केंद्र में रखकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दो दशकों के शासनकाल की दिशा और दशा को परखा गया है।

लेखक स्वयं लंबे समय से सक्रिय पत्रकार रहे हैं और बिहार की राजनीति तथा प्रशासनिक संरचना को करीब से देखने का अनुभव रखते हैं। यही कारण है कि पुस्तक में घटनाओं और निर्णयों का उल्लेख मात्र नहीं, बल्कि उनके सामाजिक-आर्थिक प्रभावों का विश्लेषण भी मिलता है। पुस्तक की प्रेरणा उस सार्वजनिक विमर्श से जुड़ी है जिसमें बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान विकास का प्रश्न केंद्रीय विषय बनकर उभरा। लेखक के मन में यह प्रश्न उठा कि यदि विकास को किसी ठोस उदाहरण से समझाया जाए तो वह क्या होगा? इसी प्रश्न का उत्तर उन्हें गंगा तट पर निर्मित मरीन ड्राइव के रूप में दिखाई देता है।

जेपी गंगापथ को पुस्तक में केवल एक सड़क परियोजना नहीं, बल्कि मानसिकता के परिवर्तन का प्रतीक बताया गया है। लेखक का तर्क है कि जिस राज्य को कभी ह्लबीमारूह्व कहा जाता था, जहाँ शाम ढलते ही सन्नाटा और असुरक्षा का भाव व्याप्त हो जाता था, वहाँ आज गंगा किनारे देर रात तक परिवारों, युवाओं और पर्यटकों की चहल-पहल दिखाई देती है। यह परिवर्तन केवल भौतिक ढांचे का नहीं, बल्कि सामाजिक आत्मविश्वास का भी संकेतक है। पुस्तक में विस्तार से बताया गया है कि किस प्रकार दीघा से गांधी मैदान और आगे गायघाट तक विस्तारित इस मार्ग ने राजधानी के यातायात तंत्र को नया आयाम दिया है।

लेखक विशेष रूप से इस तथ्य को रेखांकित करते हैं कि मरीन ड्राइव ने स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच को आसान बनाया है। पहले जाम में फँसी एंबुलेंसों की समस्या आम थी, लेकिन अब प्रमुख अस्पतालों तक पहुँचने में समय की बचत हो रही है। इसी प्रकार पर्यटन और धार्मिक स्थलों की कनेक्टिविटी में भी सुधार का उल्लेख मिलता है। पटना साहिब, गोलघर, गांधी मैदान और अन्य ऐतिहासिक स्थलों तक पहुँच सुगम होने से स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी गति मिली है। पुस्तक यह स्थापित करने का प्रयास करती है कि आधारभूत संरचना में निवेश दीर्घकालिक सामाजिक परिवर्तन का आधार बन सकता है।

राजनीतिक दृष्टि से पुस्तक नीतीश कुमार के उतार-चढ़ाव भरे सफर को भी समेटती है। तीन दशकों से अधिक समय तक बिहार की राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाने वाले नेता के रूप में उनका चित्रण किया गया है। समता पार्टी के गठन से लेकर एनडीए और महागठबंधन के बीच बदलते समीकरणों तक की यात्रा को लेखक ने तथ्यात्मक रूप में प्रस्तुत किया है। यह भी उल्लेखनीय है कि पुस्तक में व्यक्तिगत जीवन के बजाय सार्वजनिक कार्यों पर अधिक बल दिया गया है। लेखक स्वयं स्वीकार करते हैं कि उन्होंने जीवनीपरक विवरणों की बजाय नीतिगत निर्णयों और प्रशासनिक दृष्टिकोण को केंद्र में रखा है।

पुस्तक का एक महत्वपूर्ण पक्ष महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित वर्णन है। गंगा किनारे छोटे व्यवसाय चलाती महिलाओं, सुरक्षित वातावरण में सैर करती युवतियों और परिवारों की उपस्थिति को लेखक सामाजिक परिवर्तन के संकेतक के रूप में देखते हैं। उनके अनुसार विकास तभी सार्थक है जब वह समाज के वंचित वर्गों को अवसर और सुरक्षा का भाव प्रदान करे। मरीन ड्राइव के संदर्भ में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को इसी दृष्टि से प्रस्तुत किया गया है।

आर्थिक प्रभावों का उल्लेख करते हुए पुस्तक बताती है कि परियोजना के आसपास की भूमि और संपत्तियों के मूल्य में वृद्धि हुई है। व्यापारिक गतिविधियों को नया विस्तार मिला है और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़े हैं। हालांकि इस पक्ष पर लेखक सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हैं, परंतु भूमि मूल्य वृद्धि के सामाजिक प्रभावों–जैसे विस्थापन या असमानता–पर अपेक्षाकृत कम चर्चा मिलती है। यह वह बिंदु है जहाँ पाठक अधिक गहन विश्लेषण की अपेक्षा कर सकते हैं।

लेखन शैली पत्रकारिता की सादगी और स्पष्टता लिए हुए है। घटनाओं का वर्णन सीधा और प्रवाहपूर्ण है, जिससे पुस्तक सामान्य पाठकों के लिए भी सहज पठनीय बन जाती है। साथ ही, राजनीतिक संदर्भों का समावेश इसे शोधार्थियों और विश्लेषकों के लिए भी उपयोगी बनाता है। लेखक ने विभिन्न बुद्धिजीवियों और समकालीनों के विचारों को भी शामिल किया है, जिससे विमर्श का दायरा व्यापक होता है।

फिर भी आलोचनात्मक दृष्टि से देखा जाए तो पुस्तक में विपक्षी दृष्टिकोण या विकास की सीमाओं पर अपेक्षाकृत कम स्थान दिया गया है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में विकास परियोजनाओं का मूल्यांकन बहुआयामी होना चाहिए–आर्थिक, सामाजिक, पर्यावरणीय और राजनीतिक सभी पहलुओं से। मरीन ड्राइव की पर्यावरणीय चुनौतियों या संभावित नीतिगत विवादों पर यदि अधिक विश्लेषण होता तो पुस्तक और संतुलित प्रतीत होती।

इसके बावजूद, यह कृति बिहार के हालिया इतिहास का एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। यह बताती है कि किस प्रकार एक प्रतीकात्मक परियोजना व्यापक राजनीतिक विमर्श का आधार बन सकती है। नीतीश कुमार की राजनीतिक स्थिरता, बार-बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने की उपलब्धि और प्रशासनिक निरंतरता को लेखक विकास की निरंतरता से जोड़ते हैं। यह तर्क दिया गया है कि दीर्घकालिक नेतृत्व से योजनाओं को पूर्णता तक पहुँचाने में सहूलियत मिलती है।

डायमंड पॉकेट बुक्स द्वारा प्रकाशित पुस्तक ह्लनीतीश कुमार का मरीन ड्राइवह्व विकास, राजनीति और सामाजिक परिवर्तन के अंतसंबंधों को समझने का प्रयास है। यह पुस्तक बिहार के बदलते परिदृश्य को एक सड़क परियोजना के प्रतीक के माध्यम से रेखांकित करती है और यह संदेश देती है कि बुनियादी ढांचे में सुधार केवल यातायात सुगमता तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह सामाजिक आत्मविश्वास और आर्थिक संभावनाओं को भी प्रभावित करता है।

यह पुस्तक न तो अंध-प्रशंसा है और न ही तीखी आलोचना, बल्कि एक दृष्टिकोण है–जिससे सहमति या असहमति दोनों संभव हैं। बिहार के विकास मॉडल पर जारी बहस के बीच यह कृति एक प्रासंगिक संदर्भ प्रदान करती है और यह प्रश्न छोड़ती है कि क्या एक मरीन ड्राइव किसी राज्य की समग्र प्रगति का पर्याप्त मानदंड हो सकता है, या यह केवल उस व्यापक परिवर्तन की झलक है जिसकी प्रक्रिया अभी जारी है।

अमलेश राजू

आर्थिक विकास आकलन...!

भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी हैं अर्थव्यवस्था,
घरेलू खपत, सुधारों व तेज आर्थिक वृद्धि अवस्था।
भविष्य में देश 'तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था' का दर्जा,
यह मुकाम हासिल होगा इसमें नहीं कोई भी हर्जा।

आर्थिक विकास के आंकड़ों से जुड़े हुए आकलन,
पैमाने में 'महंगाई' को स्थिर करें पहलू के संकलन।
एक तरफ विकास की चमकती हुई तस्वीर हैं पेश,
दूसरी तरफ महंगाई की स्थिति बयां नया परिवेश।

इस वर्ष के शुरूआत में ही महंगाई में हुई बढ़ोतरी,
खाद्य सामग्री एवं जरूरी वस्तुओं के दाम चढ़ोतरी।
महंगाई का सबसे ज्यादा असर गरीब व मध्य वर्ग,
भोजन, ईंधन व स्वास्थ्य का सरकार समझ लें दर्द।
(संदर्भ-आर्थिक विकास के दावे तेज।)

संजय एम तराणेकर

महान लक्ष्य कठोर परिश्रम ,संकल्प और संयम से प्राप्त होते हैं

भाग्य सदैव साहसी पुरुषों का साथ देता है

जहां सफलता की संभावना एकदम कम तथा न्यून हो और सफलता मिल जाए तो भाग्य को श्रेय दिया जाता है' वास्तव में जो सफलता के चरम पर होता है, वह खुद ही जानता है कि भाग्य जैसी कोई चीज नहीं होती है' पर सफल व्यक्ति से जुड़े हुए लोग उसके साहस और श्रम को श्रेय देने के बजाय व्यक्ति के भाग्य पर जोर देने लगते हैं' इस दुनिया में दो तरह के लोग होते हैं, जो सफलता को कुछ निश्चित गुणों पर आधारित मानते हैं।असफल व्यक्ति ही भाग्य पर ज्यादा भरोसा करते हैं, असफल होने पर अपने भाग्य को कोसते हैं' वस्तुतः भाग्य नाम की कोई चिड़िया होती ही नहीं है। भाग्य साहस और मेहनत की परिणति है। जिसके भीतर साहस और श्रम करने की प्रवृत्ति होती है, वही व्यक्ति सफल होता है। भाग्य उसका सदैव साथ देता है। साहसी व्यक्ति मेहनत से नहीं डरता,चुनौतियां स्वीकार करता है,और निडर होकर हर चुनौती का डटकर मुकाबला करता है। साहसी व्यक्ति कांटों से भरे पथ पर चलने के लिए तत्पर रहता है, डर नामक चीज से वह परिचित नहीं होता है। और अपनी मेहनत और साहस के बल पर बड़ी से बड़ी सफलता प्राप्त करता है, वही व्यक्ति भाग्यवान कहलाता है। मशहूर मुक्केबाज मोहम्मद अली उर्फ कैशियस क्ले ने एक महत्वपूर्ण मुक्केबाजी की स्पर्धा जीतकर कहा था," जो व्यक्ति जीवन में ज्यादा खतरे नहीं उठाता वह एक साधारण जिंदगी जीने से ज्यादा कुछ नहीं कर सकता" मोहम्मद अली के इस कथन में कई सफलता के तत्व छुपे हुए हैं, यदि आपने अपनी जिंदगी में साहस नहीं दिखाया तो निश्चित तौर पर आप कुछ भी उल्लेखनीय नहीं कर सकते हैं, साहस एक ऐसा माननीय गुण है जो व्यक्ति की सफलता को दुगना कर देता है। साहस और श्रम ही जीवन का पर्याय है, और ऐसे व्यक्ति भीड़ में अलग दिखाई देते हैं। उन्हें ही समाज सफल व्यक्ति एवं भाग्यवान होने की श्रेणी में रखता है। साहसी व्यक्ति के मन में हिचक नहीं होती वह किसी भी निर्णय लेने में कभी किंकर्तव्यविमूढ़ नहीं होता, अनेक कठिनाइयों का सामना करते हुए वह अपने साहस और श्रम पर विश्वास रख आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहता है। नेपोलियन बोनापार्ट के अनुसार भाग्य केवल सक्रिय मस्तिष्क का साथ देता है, इसीलिए मनुष्य को अपना मस्तिक सदैव क्रियाशील व सक्रिय रखना चाहिए, वास्तव में हम जैसे विचार रखते हैं, हम जैसा सोचते हैं, हम वैसे ही बन जाते हैं, जिसने विचारों की ऊर्जा को पहचाना, उसका जीवन सकारात्मक तथा सफलता के कदम चूमता है। अपने लक्ष्य के बारे में सदैव विचार करते रहें एवं उपलब्ध संसाधनों का रोना रोने के बजाय यह सोचना आवश्यक होगा कि हम अपना सर्वोत्तम कैसे दे सकते हैं। ऐसे विचारों और साहस के बहुत बड़े उदाहरण मीराबाई चानू,बजरंग पूनिया और गोल्डन ब्वॉय नीरज चोपड़ा हैं, जो देश के लिए बहुत बड़े उदाहरण हैं। इसके अलावा अन्य भी जिन्होंने ओलंपिक 2020 जापान में देश के लिए खेल में चार और मेडल प्राप्त किया और देश का गौरव बढ़ाया। इन सब को बधाइयों के साथ शुभकामनाएं भी हैं, इनकी मेहनत लगन और साहस को देश के 135 करोड़ आवाम का अभिनंदन तथा वंदन है। थॉमस कूलर के अनुसार बुद्धिमान व्यक्ति अवसर को एक अच्छे भाग्य में बदल देता है। और वही व्यक्ति जो अवसर की तलाश में रहता है, उसे परिवर्तित कर अच्छे परिणाम देकर,अपने परिवार, समाज देश का नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज करवाता है। स्वयं को मिले अवसरों को सफलता में बदल डालिए, आपका हर पल बहुत कीमती है, उसे नष्ट ना करें, सफलता को अपनी आदत में शुमार कर लीजिए फिर देखिए दुनिया आपकी, संसार आपका, सफलता आपके द्वार पर होगी। क्या आपने कभी विचार किया की ओलंपिक में गोल्ड मेडलिस्ट अभिनव बिंद्रा और नीरज चोपड़ा की सफलता का राज क्या है, निसंदेह उनके मन में केवल मेहनत परिश्रम और साहस था, उनके दिमाग में डर नाम की कोई चीज नहीं थी। यही उनकी सफलता का बड़ा फलसफा है।

प्राचीन यूनानी कवि वर्जिन में युवाओं को संबोधित करते लिखा था कि "भाग्य सदैव साहसी लोगों का साथ देता है",ऐसे लोगों का साथ न दीजिए, उनसे मित्रता न कीजिए जो हमेशा अपनी उपलब्ध सुविधा के नाम पर रोना रहता रोते हैं, और अपनी परिस्थितियों से लगातार शिकायत करते हैं, ऐसे लोग सदैव खोजते रहते हैं कि मैं किसी बड़े धनवान व्यक्ति के घर में क्यों पैदा नहीं हुआ, जहां अपार सुख सुविधाएं उपलब्ध है और मैं भी सुख पूर्वक जीवन व्यतीत करता, पर वह यह नहीं जानता कि बड़े व्यक्ति के बड़े होने के पीछे कितनी मेहनत साहस और ऊर्जा अंतर्निहित है। हमारे शास्त्रों में भी लिखा गया है की लक्ष्मी निष्क्रिय और निठल्ले लोगों का साथ नहीं देती, एवं निष्क्रिय लोगों के पास नहीं जाती है।

अब्राहम लिंकन ने भी कहा कि डर कमजोर दिमाग के निशानी है।, मनुष्य को डर अपने दिमाग से निकाल देना चाहिए, डर के परिणाम स्वरुप ही शंका पैदा होती है, और शंका व्यक्ति के मन में कमजोरी लाती है। डरा हुआ व्यक्ति हमेशा नकारात्मक विचारों वाला होता है और यही नकारात्मक विचार असफलता को जन्म देते हैं, गीता का भी ज्ञान है कि कर्म किए जा फल की इच्छा मत रख ए इंसान, आप स्वयं एक दिन कह उठेंगे भाग्य साहसी व्यक्ति का साथ देता है।

संजीव ठाकु

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

जेवर में इंडिया चिप प्रा.लि. शिलान्यास कार्यक्रम की तैयारियों का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

समाज जागरण

गौतमबुद्धनगरः यमुना विकास प्राधिकरण क्षेत्र के सेक्टर-28, जेवर में प्रस्तावित एचसीएल एवं फॉक्सकॉन के संयुक्त उद्यम इंडिया चिप प्रा.लि. (सेमीकंडक्टर पार्क) के शिलान्यास कार्यक्रम की तैयारियों का जिलाधिकारी ने स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मंच व्यवस्था, अतिथि और मीडिया दीर्घा, सुरक्षा प्रबंध, पार्किंग, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, साफ-सफाई और यातायात प्रबंधन का विस्तृत जायजा लिया। साथ ही हैलीपेड स्थल पर सुरक्षा मानक, बैरिकेडिंग, फायर ब्रिगेड, एम्बुलेंस और वैकल्पिक मार्गों की समीक्षा भी की गई।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाएं समय पर पूरी की जाएं, विशेष रूप से सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने, यातायात संचालन को सुचारू रखने और आगंतुकों की सुविधा सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

इस अवसर पर मा. विधायक जेवर धीरेंद्र सिंह, मुख्य कार्यपालक अधिकारी यमुना विकास प्राधिकरण राकेश कुमार सिंह, डीसीपी साद मियां खान, अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे, उप जिलाधिकारी जेवर दुर्गेश सिंह, जिला अभिहित अधिकारी सर्वेश मिश्रा, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण कंचन, एसीपी जेवर सार्थक सेंगर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। सौजन्यः सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर

उत्तर प्रदेश सरकार ने गेटवे पोर्ट तक माल भाड़े पर निर्यातकों को अनुदान में वृद्धि की घोषणा

समाज जागरण

गौतमबुद्धनगरः प्रदेश सरकार ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (MSMEs) के लिए गेटवे पोर्ट तक माल भाड़े पर अनुदान की दरों में महत्वपूर्ण वृद्धि की घोषणा की है, ताकि प्रदेश के निर्यातकों की अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ सके।

प्रदेश सरकार ने 20 फीट कंटेनर के लिए अनुदान की राशि 10,000 प्रति टीईयू से बढ़ाकर 20,000 और 40 फीट कंटेनर के लिए 20,000 से बढ़ाकर 40,000 प्रति टीईयू कर दी है। साथ ही, किसी भी निर्यातक इकाई को एक वित्तीय वर्ष में अधिकतम धनराशि 20 लाख से बढ़ाकर 30 लाख की आर्थिक सहायता अनुमन्य की गई है। यह अनुदान योजना इनलैंड कंटेनर डिपो/कंटेनर फ्रेट स्टेशन के माध्यम से पोर्ट तक माल पहुँचाने पर दी जाएगी, जिसमें समुद्री बंदरगाहों के अतिरिक्त शुष्क बंदरगाह (Dry Port) भी शामिल हैं।

वित्तीय वर्ष 2023-24 में इस योजना के तहत 2470 निर्यातक इकाइयों को 1736.13 लाख और 2024-25 में 2871 निर्यातक इकाइयों को 2133.72 लाख वितरित किए गए। चालू वित्तीय वर्ष में ऑनलाइन आवेदित दावों की स्वीकृति प्रक्रियाधीन है, जबकि जनपदों से प्राप्त दावों का भुगतान पहले ही किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने औद्योगिक विकास के लिए उत्तर प्रदेश औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति-2022 को सुदृढ़ कर निर्यातकों के लिए अनुदान और अन्य वित्तीय प्रोत्साहनों को और प्रभावी बनाया है। नीति के तहत प्रदेश में उद्योग स्थापना, रोजगार सृजन, और वैश्विक स्तर पर विपणन विकास हेतु निरंतर सहयोग एवं समर्थन प्रदान किया जा रहा है।

नोएडाः बिजली के तार चोरी करने वाले 3 अभियुक्त गिरफ्तार

संदीप गर्ग / नोएडा, 19 फरवरी 2026ः थाना सेक्टर-142 पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस की सहायता से बिजली के तार चोरी करने वाले तीन

अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई मेट्रो स्टेशन, सेक्टर-137 नोएडा के पास की गई। गिरफ्तार अभियुक्तों में शामिल हैंः आशीष कुमार, पुत्र कप्तान सिंह, उम्र 22 वर्ष, निवासी नगला केहरी, थाना बेवर, जिला मैनपुरी, वर्तमान पता ग्राम याकूबपुर, थाना फेस-2।

आलोक, पुत्र महाराज सिंह, उम्र 23 वर्ष, निवासी जलालपुर छिनकौरा, थाना बेवर, जिला मैनपुरी, वर्तमान पता ग्राम याकूबपुर, थाना फेस-2।

राजन, पुत्र महाराज सिंह, उम्र 19 वर्ष, निवासी जलालपुर छिनकौरा, थाना बेवर, जिला मैनपुरी, वर्तमान पता ग्राम याकूबपुर, थाना फेस-2। पुलिस ने बताया कि अभियुक्तों के कब्जे से चोरी के 15 बंडल बिजली के तार और घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है। थाना सेक्टर-142 के अधिकारियों ने बताया कि अभियुक्तों के खिलाफ धारा 316(2) भादवि के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी गई है। पुलिस ने अभियुक्तों और बरामद सामग्री को अपने कब्जे में ले लिया है। इस गिरफ्तारी के बाद इलाके में बिजली चोरी की घटनाओं पर नियंत्रण पाने की कोशिश की जा रही है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत जानकारी दें, ताकि ऐसे अपराधों को रोका जा सके।

कासना आंगनवाड़ी केंद्र पर मेगा कैम्प, महिलाओं को घरेलू हिंसा से सुरक्षा की विधिक जानकारी दी गई

समाज जागरण

गौतमबुद्धनगरः घरेलू हिंसा से संबंधित विधिक जानकारी और सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से कासना आंगनवाड़ी केंद्र पर आज मेगा कैम्प का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं को घरेलू हिंसा के विभिन्न स्वरूपों और उनके कानूनी अधिकारों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में बताया गया कि घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 के तहत पीड़ित महिला को शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न से सुरक्षा, साझा घर में रहने, आर्थिक सहायता, बच्चों की अभिरक्षा और न्यायालय से त्वरित सहायता प्राप्त करने का अधिकार है। शिविर में यह भी जानकारी दी गई कि पीड़ित महिला अपनी शिकायत निकटतम पुलिस थाने, संरक्षण अधिकारी, महिला हेल्पलाइन या सीधे न्यायालय में दर्ज करा सकती है। सहायता हेतु महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, राष्ट्रीय महिला आयोग, राज्य महिला आयोग और जिला प्रशासन से भी संपर्क किया जा सकता है। आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर 1091 और 181 भी साझा किए गए।

डीसीपीएम यूनिसेफ आशीष सक्सेना, सीडीपीओ संध्या सोनी, मुख्य सेविका माधुरी, एएनएम, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका और क्षेत्र की कई महिलाएं एवं आमजन कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं में सशक्तिकरण और जागरूकता बढ़ाना रहा। सौजन्यः सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर

दैनिक समाज जागरण नेशनल अखबार में विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।

होली पर्व से पहले खाद्य सुरक्षा अभियान, 4 नमूने संग्रहित

समाज जागरण

गौतम बुद्ध नगरः आगामी होली पर्व के दृष्टिगत जिलाधिकारी के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने जिले में छापेमारी कर खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रहित किए हैं, ताकि वासियों को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध हो सकें।

सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय सर्वेश मिश्रा के अनुसार, आज अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारी मुकेश कुमार, रविंद्र नाथ वर्मा और विजय बहादुर पटेल की टीम ने ऐच्छर मार्केट, ग्रेटर नोएडा स्थित श्याम ट्रेडर्स से हरि दर्शन ब्रांड रिफाइंड रायसब्रान कुकिंग ऑयल के 21 रीयूज्ड टीन (लगभग 315 किग्रा) में से 1 नमूना लिया और छलेरा सेक्टर-44, चौधरी फूड प्लाजा से रसगुल्ला का 1 नमूना लिया गया। लगभग 10 किग्रा प्रदूषित रसगुल्ला नष्ट कर दिया गया। कुल 4 नमूनों को आगे की जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है।

सहायक आयुक्त ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशन में अभियान जारी रहेगा और जिले में खाद्य प्रतिष्ठानों से नियमित जांच कर मानकों के अनुरूप शुद्ध खाद्य और पेय पदार्थ उपलब्ध कराने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बाकी 313 किग्रा तेल सीज कर दिया। इसी दुकान पर गोपी ब्रांड रिफाइंड रायसब्रान ऑयल की 84 बोतलों में से 1 नमूना लेकर बाकी 80 लीटर तेल सीज किया गया। साथ ही, आयेथम गैलेरिया अल्फा 2, ग्रेटर नोएडा स्थित अल्बर्ट पिंटू रेस्टोरेंट से पनीर का 1 नमूना और

सौजन्यः सूचना विभाग, गौतम बुद्ध नगर

उच्च न्यायालय के निर्देश पर बाल गृहों का निरीक्षण, खामियों पर दिए गए दिशा-निर्देश

समाज जागरण

गौतम बुद्ध नगरः माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद के निर्देश एवं जनपद न्यायाधीश अतुल श्रीवास्तव के दिशा-निर्देशन में आज राजकीय बाल संप्रेषण गृह किशोर, किशोरी और बालिका गृह का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण की अध्यक्षता सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, शिवानी त्यागी ने की। मौके पर प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर नया बोर्ड अभिषेक कुमार, सदस्य महेंद्र सिंह और सदस्य अरुण कुमार गुप्ता उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान बच्चों के मुकदमों, कौशल विकास कार्यक्रमों और अभिलेखों की समीक्षा की गई। निरीक्षण में पाई गई खामियों के संबंध में बाल गृहों के प्रभारी सहायक अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, ताकि व्यवस्थाओं में सुधार सुनिश्चित किया जा सके।

राजकीय बाल संप्रेषण गृह किशोर में विभिन्न जनपदों के 101 किशोर निवासरत थे, बालिका संप्रेषण गृह में 13 किशोरियां और बाल गृह बालिका में 199 किशोरियां तथा 13 शिशु रह रहे थे।

सौजन्यः सूचना विभाग, गौतम बुद्ध नगर

रहम फाउंडेशन ने टीबी मरीजों को वितरित की पोषण पोटली, समयबद्ध उपचार का दिया संदेश

समाज जागरण

गौतमबुद्धनगरः मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ नरेंद्र कुमार के निदेर्शानुसार आज रहम फाउंडेशन, गाजियाबाद ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बिसरख, नोएडा में टीबी मरीजों के लिए पोषण पोटली वितरण समारोह का आयोजन किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ धीरज भार्गव (रहम फाउंडेशन) उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ आर पी सिंह, चिकित्सा अधीक्षक डॉ सचीन्द्र मिश्रा, अम्बुज पांडेय, रविन्द्र राठी, शिल्पा अरोड़ा, सत्यार्थ राय और देवेन्द्र सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे। इस अवसर पर लगभग 50 टीबी मरीजों को पोषण पोटली वितरित की गई। जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ आर पी सिंह ने मरीजों को समय पर दवा लेने और पूरा उपचार पूरा करने का महत्व समझाया, जिससे रोग का पूर्णतः उपचार संभव हो सके।

सौजन्यः सूचना विभाग, गौतम बुद्ध नगर

38वां ओपन कल्चरल फेस्टिवल 2026 गौतमबुद्धनगर में भव्य रूप से आयोजित, सांस्कृतिक विविधताओं का रहा उत्सव

समाज जागरण

गौतमबुद्धनगर, 19 फरवरी 2026। जिले में 38वां ओपन कल्चरल फेस्टिवल 2026 का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें सांस्कृतिक, पारंपरिक और आधुनिक कला प्रस्तुतियों का शानदार मंचन किया गया। इस महोत्सव का आयोजन फुल फ्लोरिकल्चर सोसाइटी और स्थानीय प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से हुआ, जिसमें आईटी कंपनियों, उद्योगपतियों और स्थानीय कला संस्थाओं का सहयोग भी शामिल रहा।

फेस्टिवल का उद्घाटन दिनांक 19 फरवरी 2026 को लैंड मार्क सेक्टर-33, नोएडा में हुआ। उद्घाटन समारोह में जिले के प्रशासनिक अधिकारी, IT और उद्योग जगत के प्रतिनिधि, कलाकार और आम नागरिक उपस्थित रहे। उद्घाटन अवसर पर महोत्सव में Murals और Sculptures की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जो इस वर्ष के आयोजन का विशेष आकर्षण रही। उद्घाटन के दौरान महोत्सव के आयोजन और विभिन्न प्रतियोगिताओं की रूपरेखा के बारे में जानकारी दी गई।

इस वर्ष महोत्सव में कुल 19 श्रेणियों में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें फूलों की सजावट, स्थानीय कला प्रदर्शन, संगीत, गायन, कविताएं, शैक्षिक गतिविधियां, सांस्कृतिक और लोक कला, शिल्पकला और नृत्य जैसी गतिविधियां शामिल थीं। फूलों की सजावट प्रतियोगिता 30 और 40 फीट मॉकप्लेस पर आयोजित हुई। शैक्षिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए 6 फीट स्टेज तैयार किया गया, जबकि लोक कला और शिल्प प्रदर्शन के लिए 6 से 8 फीट स्टेज का प्रबंध किया गया।

नृत्य प्रतियोगिताओं के अंतर्गत Classic, Semi-Classical AüSX Folk Dance प्रस्तुतियाँ आयोजित की गईं। इसके अलावा, युवा और बच्चों की कला और संस्कृतिक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने हेतु विशेष सत्र भी आयोजित किए गए। आयोजकों ने बताया कि लगभग 90 प्रतिभागियों ने विभिन्न श्रेणियों में भाग लिया और उनका मूल्यांकन अनुभवी जजिंग पैनल द्वारा किया गया। चयनित प्रतिभागियों को उनके प्रदर्शन के अनुसार अंक प्रदान किए गए और विजेताओं का सम्मान समारोह में घोषित किया जाएगा।

महत्वपूर्ण बात यह रही कि इस महोत्सव में केवल प्रतियोगिता ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक कार्यशालाएं और लाइव डेमोंस्ट्रेशन भी आयोजित किए गए, जिससे दर्शकों और प्रतिभागियों को कला और संस्कृति का समृद्ध अनुभव प्राप्त हुआ। आयोजकों ने यह सुनिश्चित किया कि सभी गतिविधियां सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हों।

महोत्सव के दौरान कला, संगीत, नृत्य, कविताएं और शिल्पकलाओं की विविध प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। प्रतियोगिताओं का उद्देश्य न केवल प्रतिभागियों को पहचान देना था, बल्कि जिले के युवाओं को सांस्कृतिक और कलात्मक मंच प्रदान करना भी था। आयोजकों ने कहा कि इस तरह के आयोजन स्थानीय कला और सांस्कृतिक परंपराओं को जीवित रखने में सहायक होते हैं और युवा प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी कला प्रदर्शित करने के अवसर प्रदान करते हैं।

तीन दिवसीय कार्यक्रम इस प्रकार आयोजित किया गयाः

20 फरवरी 2026 – युवा कलाकारों और छात्रों की प्रस्तुतियां, विशेष सांस्कृतिक सत्र।

21 फरवरी 2026 - जिलेभर के बैंड परफॉर्मेंस, लाइव म्यूजिक और सामूहिक प्रस्तुतियां।

22 फरवरी 2026 - पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह, जिसमें प्रतिभागियों और विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा।

38वें ओपन कल्चरल फेस्टिवल ने जिले के सांस्कृतिक परिदृश्य में उत्साह और रंग भर दिया। आयोजकों ने बताया कि फेस्टिवल में प्रतिभागियों और दर्शकों को उनकी कला और प्रदर्शन के अनुसार उचित मंच और समय दिया गया। महोत्सव ने कला प्रेमियों के लिए शिक्षा, मनोरंजन और सांस्कृतिक समृद्धि का आदर्श मिश्रण प्रस्तुत किया।

इस प्रकार, 38वां ओपन कल्चरल फेस्टिवल 2026 जिले की सांस्कृतिक विविधताओं और युवा प्रतिभाओं के लिए एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक मंच साबित हुआ। इस महोत्सव ने न केवल स्थानीय कलाकारों को प्रोत्साहित किया बल्कि जिले की सांस्कृतिक पहचान को और सुदृढ़ किया। सौजन्यः सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर

नोएडाः आम्रपाली लेजर पार्क मारपीट कांड में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

समाज जागरण

गौतमबुद्धनगर, 19 फरवरी 2026ः थाना बिसरख पुलिस ने आम्रपाली लेजर पार्क सोसाइटी के पास हुई मारपीट और तोड़फोड़ की घटना में वांछित एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक बेसबॉल बैट भी बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, 14 फरवरी 2026 की रात्रि में कुछ अभियुक्तों ने थाना बिसरख क्षेत्र अंतर्गत आम्रपाली लेजर पार्क सोसाइटी के पास दो लड़कों और दो लड़कियों के साथ मारपीट की थी। इतना ही नहीं, आरोपियों ने पीड़ितों की कार को भी क्षतिग्रस्त कर दिया था।

पीड़ित की लिखित तहरीर के आधार पर थाना बिसरख में मु0अ0सं0 110/2026 के तहत धारा 110, 115(2), 352, 351(3), 324(4) बीएनएस में मुकदमा दर्ज किया गया था। दिनांक 19 फरवरी 2026 को थाना बिसरख पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस की सहायता से कार्रवाई करते हुए वांछित अभियुक्त फिरोज पुत्र इमामुद्दीन को चारमूर्ति के पास नर्सरी कट तिराहे

से गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान अभियुक्त के कब्जे से घटना में प्रयुक्त बेसबॉल बैट बरामद हुआ। पुलिस ने बताया कि इस मामले में पूर्व में प्रकाश में आए दो अन्य अभियुक्त –

शाहरूख पुत्र इमामुद्दीन

अजीम पुत्र मोहम्मद मोमीन

– को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

अभियुक्त का विवरण

गिरफ्तार अभियुक्त फिरोज (उम्र लगभग 35 वर्ष) मूल रूप से अब्दुल्ला गार्डन, मयूर विहार कॉलोनी, डासना, थाना मसूरी, जिला गाजियाबाद का निवासी है और वर्तमान में आम्रपाली लेजर पार्क सोसाइटी, थाना बिसरख, गौतमबुद्धनगर में रह रहा था।

थाना बिसरख पुलिस ने अभियुक्त के विरुद्ध संबंधित धाराओं में वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह के असामाजिक तत्वों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर

टीएमयू हॉस्पिटल की जटिल सर्जरी में बड़ी कामयाबी, 5.4 किग्रा की निकाली रसौली

समाज जागरण

डॉक्टर को यूं ही भगवान का दर्जा नहीं मिला है। संभल के सरायतरीन की पूनम देवी और उनके परिजनों से पूछें तो वे बेहिचक स्वीकारेंगे, हां सचमुच डॉक्टर ईश्वर की मानिंद होता है। टीएमयू हॉस्पिटल में ऐसा ही दुर्लभतम केस आया और महिला रोग विभाग के अनुभवी डॉक्टरों की टीम ने इसमें बड़ी कामयाबी हासिल की। डॉक्टरों की इस टीम ने न केवल पहली बार संतान पाने के सुख का सपना संजोए इस महिला की सेफ डिलीवरी कराई, बल्कि 05 किलो 390 ग्राम की रसौली को भी ऑपरेट करके जच्चा की झोली खुशियों से भर दी है। टीएमयू हॉस्पिटल के गायनेकोलॉजी डिपार्टमेंट ने एक बार फिर अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया है। दरअसल स्त्री रोग विशेषज्ञों की टीम के सामने इस केस में बच्चेदानी और अंडेदानी को सुरक्षित बचाना भी बडी चुनौती रहा। डॉक्टर्स ने पेशेंट के पेट में बच्चे संग तेजी से बढ़ रही रसौली को डिलीवरी के बाद ऑपरेट करने का अहम फैसला लिया। इसी बीच डिलीवरी का भी समय हो गया। ऑपरेशन के जरिए पेशेंट पूनम ने 2.3 किलो के मेल बेबी को जन्म तो दिया, लेकिन डॉक्टरों की टीम जच्चा-बच्चा और रसौली पर नजर रही।

लेकिन यह देखकर डॉक्टरों की टीम चिंतित हो

गई कि पूनम की बच्चादानी सिकुड रही है। रसौली अब शरीर के दूसरे अंगों से पोषित हो रही थी। इसे भी डॉक्टर्स ने खतरे की घंटी माना। रसौली को बाहर नहीं निकाला गया तो पेशेंट के शरीर में इन्फेक्शन बढ़ने से जान भी जा सकती है। इस टीम ने रसौली को ऑपरेट करने का फैसला लिया। ऐसे में डॉक्टर्स ने करीब तीन घंटे चले ऑपरेशन के बाद 5.4 किलो की रसौली को सुरक्षित बाहर निकाला। अब पेशेंट पूरी तरह स्वस्थ है। संभल के सरायतरीन निवासी 29 वर्षीय गर्भवती श्रीमती पूनम देवी के सात माह बाद पेट में दर्द रहने लगा और पेट का साइज भी असामान्य हो गया। जब दर्द अधिक बड़ा तो परिवार वाले पूनम को टीएमयू हॉस्पिटल में लेकर आए। टीएमयू में जब डॉक्टर्स ने पूनम का अल्ट्रासाउंड किया तो पता चला पूनम के पेट में बच्चे के संग-संग करीब 25 सेमी30 सेमी की रसौली भी पल रही थी। रसौली के कारण ही पेशेंट के पेट में दर्द और साइज बढ़ रहा था। बच्चे को भी पूरा पोषण नहीं मिल रहा था। ऐसे में डॉक्टर्स ने परिवारवालों को सलाह दी कि आप समय-समय पर पेशेंट का चेकअप कराते रहें। डॉक्टर्स ने तय किया कि पहले बच्चे को जन्म देंगे। इसके बाद रसौली का ऑपरेशन किया जाएगा। ऑपरेशन करने वाली टीम में महिला रोग विभाग की (प्रो.) डॉ. आस्था लालवानी, डॉ. गरिमा वाजपेयी, डॉ. नेहा शरद, जनरल सर्जन डॉ. आर के कौल, एनस्थिसिया विभाग की डॉ. नदीम पल्ली नव्या एंड टीम, रेडियोलॉजी विभाग से (प्रो.) डॉ. श्रुति चंदक एंड टीम, ओटी टेक्निशियन फय्यूम अली, योगेन्द्र कुमार आदि शामिल रहे। उल्लेखनीय है, यह ऑपरेशन कैंप के तहत निशुल्क किया गया है। महिला रोग विभाग की एचओडी प्रो. मनप्रीत कौर ने ऑपरेशन करने वाली टीम को हार्दिक बधाई देते हुए कहा, टीएमयू हॉस्पिटल के महिला रोग विभाग की यह अद्वितीय उपलब्धि है।

सेक्टर 15ए नोएडा में प्रस्तावित मंदिर स्थल को लेकर विवाद, प्राधिकरण से जांच की मांग

समाज जागरण

नोएडा! सेक्टर 15ए के निकट प्रस्तावित मंदिर स्थल को लेकर बुधवार को विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई। जानकारी के अनुसार, नोएडा प्राधिकरण द्वारा विधिवत सीमांकित सार्वजनिक भूमि पर कुछ व्यक्तियों के प्रवेश करने और स्थापित सीमांकन को क्षतिग्रस्त करने का आरोप लगाया गया है। मौके पर मौजूद एक स्थानीय निवासी ने कथित गतिविधियों पर आपत्ति जताते हुए सार्वजनिक स्थान से पूरे घटनाक्रम का वीडियो रिकॉर्ड किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, इसी दौरान मौखिक कहासुनी की स्थिति बनी, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस दल मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित किया। मामले में विधिवत कार्रवाई और तथ्यों के स्पष्टीकरण की मांग करते हुए संबंधित अधिकारियों को एक औपचारिक शिकायत भी सौंप दी गई है। मंदिर समिति का कहना है कि प्रस्तावित स्थल स्वीकृत मास्टर प्लान के अनुरूप है तथा सभी गतिविधियां नियमानुसार संचालित होंगी।

समिति ने स्पष्ट किया है कि मंदिर परिसर में लाउडस्पीकर या उच्च ध्वनि वाले साउंड सिस्टम की अनुमति नहीं होगी। इसके अतिरिक्त भंडारा, सामूहिक भोजन वितरण अथवा अनियंत्रित सभाओं की भी अनुमति नहीं दी जाएगी। किसी प्रकार के विक्रेता, स्टॉल या व्यावसायिक गतिविधियां भी प्रतिबंधित रहेंगी। समिति के अनुसार, पार्क, हरियाली, फव्वारा तथा बच्चों के खेल क्षेत्र पर किसी प्रकार का प्रभाव नहीं पड़ेगा और यह स्थल आवासीय मकानों से सटा हुआ नहीं है। मंदिर का संचालन स्थानीय निवासियों द्वारा पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था के अंतर्गत किया जाएगा।

प्रवेश व्यवस्था नियंत्रित होगी तथा पर्याप्त सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित किए जाएंगे। स्थानीय निवासियों का कहना है कि गलत सूचनाएं अनावश्यक चिंता उत्पन्न करती हैं, जबकि तथ्य स्थिति को स्पष्ट करते हैं। घटना की जानकारी संबंधित अधिकारियों को दे दी गई है और प्रशासन द्वारा मामले की जांच किए जाने की अपेक्षा की जा रही है।

नोएडा में सफाई व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए नई व्यवस्था लागू

जन स्वास्थ्य विभाग को 10 सर्किलों से जोड़ा गया, स्वच्छता अभियान को मिलेगा बल

समाज जागरण

नोएडा/समाज जागरण ब्यूरो। नोएडा क्षेत्र की सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से प्राधिकरण ने महत्वपूर्ण प्रशासनिक बदलाव लागू किया है। नई व्यवस्था के तहत जन स्वास्थ्य विभाग को 10 सर्किलों के साथ समन्वित किया गया है, ताकि सफाई कार्यों की निगरानी और क्रियान्वयन अधिक प्रभावी ढंग से हो सके। प्राधिकरण के अनुसार, इस नई प्रणाली में जन स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत सभी अधिकारी और कर्मचारी अब सर्किल स्तर के कर्मचारियों के साथ मिलकर कार्य करेंगे। इससे क्षेत्रवार जिम्मेदारी स्पष्ट होगी और सफाई कार्यों की गति व गुणवत्ता दोनों में सुधार आने की उम्मीद है।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जन स्वास्थ्य विभाग को समाप्त नहीं किया गया है, बल्कि उसे 10 सिविल डिवीजनों के साथ जोड़ा गया है। इस एकीकृत व्यवस्था का उद्देश्य संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए शहर की स्वच्छता को नई ऊंचाई पर पहुंचाना है।

नोएडा प्राधिकरण का लक्ष्य स्वच्छता अभियान में शहर की रैंकिंग सुधारना और नोएडा को पहले से अधिक स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाना है। इसके लिए स्थानीय निवासियों, ग्रामवासियों, कर्मचारियों और संबंधित एजेंसियों के सहयोग को भी बेहद महत्वपूर्ण बताया गया है।

गुन्नौर में उबाल: 'यादव जी लव स्टोरी' के खिलाफ फूटा गुस्सा, बैन नहीं तो होगा बड़ा आंदोलन ब्लॉक प्रमुख हनी यादव

दैनिक समाज जागरण

गुन्नौर। रिलीज से पहले ही विवादों के घेरे में आई फिल्म यादव जी लव स्टोरी के खिलाफ गुन्नौर में जबरदस्त आक्रोश देखने को मिला। यादव बहुल क्षेत्र में भाजपा और सपा समर्थकों ने राजनीतिक सीमाएं तोड़ते हुए एकजुट होकर फिल्म के विरोध में हुंकार भरी और साफ चेतावनी दी–सम्मान से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं होगा। गुरुवार को ब्लॉक प्रमुख आशीष कुमार उर्फ हनी यादव के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में यादव समाज के लोग तहसील परिसर पहुंच गए। हाथों में ज्ञापन और दिलों में गुस्सा लिए प्रदर्शनकारियों ने जोरदार नारेबाजी की। यादव जी की लव स्टोरी नहीं चलेगी, यादव एकता जिंदाबाद और फिल्म बैन करो जैसे नारों से तहसील परिसर गूंज उठा। माहौल पूरी तरह गरम रहा और प्रशासनिक अमले में भी हलचल मच गई।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि फिल्म के नाम और कथानक से समाज की छवि धूमिल करने की साजिश की जा रही है। उनका कहना है कि किसी भी जाति या समाज की प्रतिष्ठा से खिलवाड़ करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। हनी यादव ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी कि यदि फिल्म को रिलीज किया गया तो यादव समाज सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करेगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन और फिल्म निमार्ताओं की होगी।

प्रदर्शन के बाद प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम अवधेश कुमार को ज्ञापन सौंपते हुए तत्काल फिल्म पर रोक लगाने की मांग की। प्रशासन ने ज्ञापन को उच्चाधिकारियों तक भेजने का आश्वासन दिया, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने साफ कर दिया कि केवल आश्वासन से काम नहीं चलेगा, ठोस कार्रवाई चाहिए।

इस दौरान राजेन्द्र यादव, राहुल गिरी, दिनेश यादव, औतारी यादव, रूपकिशोर यादव, पंकज यादव, अमन यादव, भोपाल यादव, केपी यादव समेत बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

गुन्नौर में उठी यह चिंगारी अब बड़े आंदोलन का रूप ले सकती है। फिल्म रिलीज से पहले ही जिस तरह विरोध की लहर तेज हो रही है, उससे आने वाले दिनों में माहौल और गरमाने के आसार हैं।

बबराला में बोलेरो की टक्कर से स्कूटी सवार की मौत, चार साल के बेटे के सिर से उठा पिता का साया

दैनिक समाज जागरण

बबराला मुरादाबाद-आगरा नेशनल हाईवे पर भारत पेट्रोल पंप के सामने बुधवार को हुए सड़क हादसे में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। बोलेरो वाहन ने स्कूटी सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गुन्नौर भिजवाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान प्रेमपाल पुत्र गंगा सहाय बबराला थाना के गांव दादपुर के रूप में हुई है। बताया गया है कि प्रेमपाल नोएडा में मजदूरी करता था और किसी निजी कार्य से बबराला आया हुआ था। गुरुबार को वह स्कूटी से जा रहा था, तभी मुरादाबाद-आगरा हाईवे पर भारत पेट्रोल पंप के सामने तेज रफ्तार बोलेरो ने उसकी स्कूटी में टक्कर मार दी।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों की सूचना पर पुलिस पहुंची और घायल प्रेमपाल को अपने सरकारी बाहन से सीएचसी गुन्नौर पहुंचाया , लेकिन तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं। परिजनों के अनुसार प्रेमपाल चार भाइयों में चौथे नंबर का था। दूसरे नंबर का भाई किशन लगभग 15-16 वर्ष पहले कमाने के लिए बाहर गया था और तब से घर नहीं लौटा। तीसरे नंबर का भाई रूपधारी की चार वर्ष पूर्व सड़क दुर्घटना में मौत हो चुकी है। अब प्रेमपाल की असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। प्रेमपाल की शादी पांच वर्ष पूर्व हुई थी और उसका एक चार वर्षीय बेटा भी है। पिता की मौत से मासूम बेटे के सिर से साया उठ गया है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बबराला में सड़क हादसे पर मदद के लिए दौड़े ब्लॉक प्रमुख हनी यादव

दैनिक समाज जागरण

थाना बबराला क्षेत्र के आगरा मुरादाबाद हाईवे गांव बाघऊ के नजदीक भारत पेट्रोल पंप के सामने बोलेरो व स्कूटी में हुए सड़क हादसे की राहगीरों के

द्वारा मिली सूचना पर गुन्नौर ब्लॉक प्रमुख आशीष कुमार उर्फ हनी यादव अपनी गाडियों के साथ घटना स्थल पर पहुंच कर ब्लॉक प्रमुख हनी यादव व स्थानीय पुलिस ने घायल को अस्पताल भेजा जहां चिकित्सक ने घायल प्रेमपाल को मृत घोषित कर दिया।

14 हजार की रिश्वत लेते कानूनगो व मुंशी रंगेहाथ गिरफ्तार

भ्रष्टाचार निवारण संगठन की बड़ी कार्रवाई

दैनिक समाज जागरण

गुन्नौर की तहसील गुन्नौर में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए भ्रष्टाचार निवारण संगठन की मुरादाबाद इकाई की ट्रैप टीम ने कानूनगो और उसके मुंशी को 14 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई 19 फरवरी 2026 को निरीक्षक ट्रैप टीम प्रभारी श्री नवल

मारवाह के नेतृत्व में की गई। टीम ने आरोपी तस्लीम अहमद, सम्प्रति कानूनगो, क्षेत्र कादराबाद, तहसील गुन्नौर जनपद सम्भल (उम्र 54 वर्ष) तथा उसके मुंशी महेन्द्र पाल(प्राइवेट) को गिरफ्तार किया शिकायतकर्ता बलवीर पुत्र उम्बर, निवासी ग्राम उडूमरा, तहसील गुन्नौर थाना जुनावई जनपद सम्भल ने भ्रष्टाचार निवारण संगठन में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि नवशा (नाम) दुरुस्तीकरण के बाद एडीएम सम्भल को रिपोर्ट/आख्या प्रेषित करने के एवज में 14,000 रुपये की रिश्वत मांगी जा रही है। प्रार्थना पत्र प्राप्त होने के बाद ट्रैप टीम ने प्री-ट्रैप जांच की। शिकायत की पुष्टि होने पर योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई की गई। 19 फरवरी को तहसील गुन्नौर परिसर स्थित कानूनगो कार्यालय में दोपहर करीब 12:25 बजे जैसे ही रिश्वत की रकम ली गई, टीम ने दोनों आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया।

साहू जैन महाविद्यालय में महाविद्यालय स्तर पर सड़क सुरक्षा विषयक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया

दैनिक समाज जागरण

नजीबाबाद/साहू जैन महाविद्यालय नजीबाबाद में महाविद्यालय स्तर पर सड़क सुरक्षा विषयक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा सुरक्षित वाहन संचालन के महत्व को रेखांकित करना था। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं–जैसे हेलमेट का उपयोग, सीट बेल्ट की अनिवार्यता, यातायात संकेतों का पालन तथा नशे में वाहन न चलाने–को अपने पोस्टरों के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर बी. एस. तोमर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा हमारी नैतिक जिम्मेदारी के साथ-साथ युवाओं द्वारा जनजागरूकता अभियान चलाकर समाज को जागरूक करना है ताकि सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं को कम से कम किया जा सके। कार्यक्रम का संयोजन सड़क सुरक्षा कार्यक्रम अधिकारी डॉ. जयेश कुमार द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की गतिविधियाँ विद्यार्थियों की सृजनात्मकता को विकसित करने के साथ-साथ सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को भी सुदृढ़ करती हैं। इस पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर क्रमशः कल्पना, आयुषी एवं मानसी रही। अंत में सभी छात्र-छात्राओं ने सड़क सुरक्षा नियमों के पालन का संकल्प लिया।

सदिगध परिस्थितियों में हुई व्यक्ति की मौत

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर मंडावर। वन विभाग बिजनौर कनव नर्सरी मानसापुर के पास अपने दो साथियो के साथ ड्यूटी कर रहे एक व्यक्ति की मौत हो जाने से वहां पर उस समय हंगामा मच गया जब मृतक के परिवार वालों ने उसके दोनों साथियों पर उसकी हत्या करने का आरोप लगाया पर पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद शक की सारी गुंजजेस खत्म हो गई पोस्टमार्टम रिपोर्ट में आया कि व्यक्ति की मौत हार्ट अटैक से हुई है। बुधवार की रात सुरेंद्र, रामगोपाल, महेंद्र सिंह वन विभाग बिजनौर कनव नर्सरी पर ड्यूटी कर रहे थे। रात मे अचानक सुरेंद्र सिंह उम्र 50 वर्ष गांव मानसापुर निवासी की मौत हो गई। मौके पर यह हवा फैल गई की सुरेंद्र के साथियों ने उसका मर्डर कर दिया है। और मृतक के परिवार वालों ने हंगामा करते हुए रामगोपाल,महेंद्र सिंह पर हत्या का आरोप लगाया जब यह बात लोगों को पता चली तो लोग मौके पर जमा हो गए। और अधिकारियों तक यह बात पहुंच गई,और रेंजर महेश गौतम व मडावर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। रेंजर महेश गौतम ने रामगोपाल, महेंद्र सिंह को मडावर पुलिस के हवाले कर दिया और सुरेंद्र सिंह के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल बिजनौर भेज दिया।जिसमें मौत के सही कारणों का पता चल सके। जब गुरुवार को पोस्टमार्टम होने के बाद रिपोर्ट आई तो पता चला है कि सुरेंद्र सिंह की मौत हार्ट अटैक आजाने से हुई है।

चार साल से बदहाल सड़क बनी मुसीबत, किसानों की कमर टूटी – महिलाओं का फूटा गुस्सा, ब्लॉक कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर स्योहारा। विकास खण्ड बुढ़नपुर के अंतर्गत ग्राम सुमालखेड़ी में पिछले चार वर्षों से जर्जर पड़ी खड़ंजा सड़क अब ग्रामीणों के लिए बड़ी समस्या बन चुकी है। टूटी सड़क, जलभराव और कीचड़ ने गांव की रफ्तार थाम दी है। बार-बार शिकायतों और प्रार्थना पत्रों के बावजूद जब समाधान नहीं निकला तो ग्रामीणों का आक्रोश खुलकर सामने आ गया।

ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार ब्लॉक कार्यालय में लिखित शिकायत दी गई, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने केवल आश्वासन देकर मामला टाल दिया। नतीजा यह है कि सड़क की हालत दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है। किसानों पर सबसे ज्यादा मार सबसे ज्यादा परेशानी किसानों को झेलनी पड़ रही है। खेतों से गन्ना निकालना किसी चुनौती से कम नहीं है। कीचड़ और जलभराव के कारण गन्ने से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉलियां बीच रास्ते में धंस जाती हैं। हालात ऐसे हैं कि एक ट्रैक्टर को निकालने के लिए दो से तीन ट्रैक्टर लगाने पड़ते हैं। इससे किसानों का कीमती समय और डीजल का खर्च दोनों बर्बाद हो रहे हैं। कई किसानों ने बताया कि देरी के कारण गन्ना मिल तक समय पर नहीं पहुंच पाता, जिससे आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ रहा है।महिलाओं ने संभाली कमान

लगातार उपेक्षा से नाराज होकर आज गांव की महिलाओं ने मोर्चा संभाल लिया। बड़ी संख्या में महिलाएं एकजुट होकर ब्लॉक कार्यालय पहुंचीं और अधिकारियों के समक्ष जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। महिलाओं ने कहा कि सड़क पर भरे पानी और कीचड़ से रोजाना आवागमन मुश्किल हो गया है। बच्चों को स्कूल जाने में परेशानी होती है, बुजुर्ग गिरकर चोटिल हो रहे हैं और गर्भवती महिलाओं के लिए स्थिति बेहद जोखिम भरी बनी हुई है। चेतावनी

– जल्द समाधान नहीं तो उग्र आंदोलन

ग्रामीणों और महिलाओं ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र सड़क निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया तो वे बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगे। ग्रामीणों ने मांग की है कि संबंधित अधिकारी तत्काल मौके का स्थलीय निरीक्षण करें, सड़क निर्माण के साथ-साथ जल निकासी की समुचित व्यवस्था कराई जाए, ताकि समस्या का स्थायी समाधान हो सके।

ग्रामीणों का कहना है कि चार वर्षों से चली आ रही इस समस्या ने अब धैर्य की सीमा पार कर दी है। यदि समय रहते समाधान नहीं हुआ तो हालात और भी गंभीर हो सकते हैं। गांववासियों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई की गुहार लगाई है, ताकि ग्राम सुमालखेड़ी की बदहाल सड़क फिर से विकास की राह पर लौट सके।

बेकरी का शटर तोड़कर चोरी, दो लाख का सामान ले उड़े चोर

दैनिक समाज जागरण ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर चांदपुर। बीती रात्रि बास्टा क्षेत्र केमोहल्ला पुराना कुआं में स्थित दिल्लू की बेकरी पर अज्ञात चोरों ने धावा बोल दिया। चोरों ने दुकान का शटर तोड़कर अंदर रखी करीब दो लाख रुपये कीमत की खाने-पीने की

सामग्री चोरी कर ली। जानकारी के अनुसार बेकरी स्वामी दिल्लू, जो मसीत निवासी बताए जाते हैं, सुबह जब दुकान खोलने पहुंचे तो शटर टूटा हुआ मिला और अंदर रखा सामान गायब था। घटना की सूचना आसपास के लोगों को दी गई, जिसके बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि चोर बिस्कुट, नमकीन, केक समेत अन्य खाद्य सामग्री उठा ले गए। पीड़ित ने मामले की सूचना पुलिस को दे दी है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। स्थानीय व्यापारियों ने बढ़ती चोरी की घटनाओं पर चिंता जताते हुए पुलिस से गश्त बढ़ाने की मांग की है।

लोगों की शिकायत पर ब्लॉक प्रमुख ने खंड विकास अधिकारी व खंड शिक्षा अधिकारी के साथ संयुक्त रूप से विद्यालय का निरीक्षण किया

समाज जागरण
ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर नजीबाबाद की ग्राम पंचायत मिजार्पुर में आज रक्फ के अंतर्गत लगातार मिल रही लोगों की शिकायत पर ब्लॉक प्रमुख तपराज सिंह देशवाल द्वारा आकस्मिक रूप से खंड विकास अधिकारी व खंड शिक्षा अधिकारी के साथ संयुक्त रूप से विद्यालय का निरीक्षण किया जिसमें शिकायत सत्य पाई गई व निरंतर अनुपस्थित रहने वाली अध्यापिका डॉ संगीता गौतम अनउपस्थिति पाई गई स्कूल में उपस्थित अनेक ग्रामीणों द्वारा शिकायत की गई कि उक्त अध्यापिका विद्यालय नहीं आती है वह उनके 125 वोट उनके द्वारा काट दिए गए हैं पूर्व में भी इनके संबंध में लोगों ने खंड विकास कार्यालय पर प्रदर्शन किया था जिसकी खबर प्रमुखता से छापी गई थी परंतु इन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा लोगों ने बताया हम लोग बूथ पर आते हैं परंतु वह नहीं मिलती है बार-बार चक्कर लगाने पर वह अभद्रता करती हैं साथ ही ग्राम वासियों द्वारा उनके खिलाफ कार्रवाई हेतु उप जिलाधिकारी के नाम एक पत्र खंड विकास अधिकारी नजीबाबाद को दिया तथा आग्रह किया कि उन्हें हटाकर उनके अतिरिक्त किसी दूसरे फोन किया जाए इसके उनके वोट सूची में जोड़ दिए जाएं

वित्तीय सेवा विभाग के सचिव ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए वेतन खाता पैकेज संबंधी सुविधा शिविर का उद्घाटन किया

समाज जागरण

केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए वेतन खाता पैकेज पहल के अंतर्गत पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) द्वारा 17 फरवरी 2026 को नई दिल्ली स्थित वित्तीय सेवा विभाग के जीवन दीप भवन परिसर में एक सुविधा शिविर का आयोजन किया गया। पंजाब नेशनल बैंक ने अन्य सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) को सहयोगात्मक तरीके से इस शिविर में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। इस शिविर का उद्घाटन वित्तीय सेवा विभाग के सचिव श्री एम. नागराजू और पीएनबी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर डीएफएस और अन्य सहभागी बैंकों के सभी वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कार्यक्रम में बोलते हुए सचिव महोदय ने कहा कि यह पहल केंद्र सरकार के कर्मचारियों तक वित्तीय सेवाओं की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ती है। उन्होंने एकीकृत बैंकिंग समाधान विकसित करने में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के समन्वित प्रयासों की सराहना की तथा इन शिविरों में सक्रिय रूप से भाग लेने और अनुकूलित वेतन खाता पैकेज का लाभ उठाने का आग्रह किया।

प्रसार रणनीति के तहत केंद्र सरकार के कर्मचारियों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए विभिन्न सरकारी कार्यालयों भवनों में सुविधा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) को नोडल बैंक के रूप में नियुक्त किया गया है, ताकि वे संबंधित मंत्रालयों/विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर सकें और अन्य पीएसबी की भागीदारी सुनिश्चित कर सकें। सार्वजनिक क्षेत्रों के बैंकों ने विभिन्न मंत्रालयों/विभागों में शिविर आयोजित करना शुरू कर दिया है और शेष मंत्रालयों/विभागों के साथ शिविरों की तिथियों को अंतिम रूप देने के लिए समन्वय कर रहे हैं।

वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने 14 जनवरी 2026 को सभी 12 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के सहयोग से 'केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए वेतन खाता पैकेज' का शुभारंभ किया था। इस पहल का उद्देश्य केंद्र सरकार के कर्मचारियों को बेहतर वित्तीय सुरक्षा, बेहतर सेवा प्रदायगी तथा अधिक बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराना है। यह पैकेज तीन प्रमुख घटकों झ बैंकिंग, बीमा और कार्ड- को समाहित करते हुए एक ही स्थान पर कर्मचारियों को सभी वित्तीय समाधान प्रदान करता है। केंद्र सरकार के कर्मचारियों तक प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करने के लिए डीएफएस ने सभी पीएसबी को विभिन्न मंत्रालयों/विभागों में सुविधा शिविर आयोजित करने की सलाह दी थी।

एआई के लिए निर्णायक क्षण: इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में दुनिया भर के नेताओं और बड़ी टेक कंपनियों के सीईओ ने जिम्मेदारी युक्त एआई नवाचार का समर्थन किया

समाज जागरण

भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का भव्य उद्घाटन समारोह दुनिया भर के नेताओं और बड़ी टेक कंपनियों के सीईओ की वैश्विक बैठक का साक्षी रहा। समारोह का उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया। इस समारोह ने समिट के दौरान उत्तरदायी नवाचार, वैज्ञानिक प्रगति और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के भविष्य को आकार देने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर ध्यान केंद्रित करने की भूमिका निर्धारित कर दी।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने भारत की एआई रणनीति को सर्वसुलभ, पैमाने और संप्रभुता पर आधारित बताया। उन्होंने एआई स्टैक की पांच परतों–अनुप्रयोग, मॉडल, कंप्यूट, प्रतिभा और ऊर्जा–में भारत के समग्र दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा और सार्वजनिक सेवाओं में उनके वास्तविक कार्यान्वयन पर जोर दिया।

टाटा संस के अध्यक्ष एन. चंद्रशेखरन ने एआई को अगली बुनियादी अवसंरचना–ह्लबुद्धिमत्ता की अवसंरचनाह्व करार दिया, जिसकी परिवर्तनकारी क्षमता भाप इंजन, बिजली और इंटरनेट के समान है। उन्होंने भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना की उपलब्धियों को रेखांकित किया और एआई को पूर्ण स्टैक–चिप्स और प्रणालियों से लेकर ऊर्जा और अनुप्रयोग तक–में निर्मित एक रणनीतिक राष्ट्रीय क्षमता के रूप में स्थापित किया। उद्योग के लिए अपार अवसरों पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, ह्लएआई अगली बड़ी अवसंरचना है। यह बुद्धिमत्ता की अवसंरचना है। हमारा मिशन यह होना चाहिए कि एआई हर व्यक्ति और देश के हर नागरिक के लिए काम करे। हमें एआई उपकरण देश के अंतिम व्यक्ति के हाथ में और वास्तव में पृथ्वी पर हर व्यक्ति के हाथ में देने चाहिए। हम एक निर्णायक क्षण पर खड़े हैं, यह प्रचुर बुद्धिमत्ता का युग है, जहां विश्वास, संरक्षण और मानव क्षमता दुर्लभ संसाधन हैं।

एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई ने 2023 में ब्लेचली पार्क में आयोजित पहले वर्ल्ड एआई सेफ्टी समिट के बाद से एआई की असाधारण प्रगति का उल्लेख करते हुए पिछले ढाई वर्षों की प्रगति को ह्लचौंकाने वालीह्व बताया। उन्होंने तर्क दिया कि पिछले लगभग एक दशक से एआई त्वरित वृद्धि की राह पर है और तेजी से उस बिंदु के करीब पहुँच रही है, जहाँ प्रणालियाँ अधिकांश क्षेत्रों में मानव संज्ञानात्मक क्षमताओं से आगे निकल सकती हैं। उन्होंने कहा, ह्लपिछले 10 वर्षों से एआई में त्वरित वृद्धि की प्रवृत्ति देखी जा रही है, और हम अब उस मोड़ पर काफी आगे बढ़ चुके हैं। हम लगातार उस स्थिति के काफी करीब पहुंच रहे हैं जिसे मैंने ह्यडेटा सेंटर में प्रतिभाशाली लोगों का देश– अतिमानव या सुपरह्यूमन की गति से समन्वय करने वाला अधिकांश इंसानों से अधिक सक्षम एआई एजेंटों का समूह -करार दिया है। उस स्तर की क्षमता रोगों का इलाज करने, अरबों लोगों को गरीबी से बाहर निकालने और एक बेहतर दुनिया बनाने के लिए अद्वितीय अवसर प्रदान करती है, लेकिन इसके साथ गंभीर जोखिम भी आते हैं। यह बेहद तेजी से हो रहा है, इसलिए हम कंपनियों और सरकारों को मिलकर काम करना होगा ताकि व्यवधान को प्रबंधित किया जा सके और समृद्धि को सुचारु और उत्तरदायी ढंग से साझा किया जा सके।

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने अपने संबोधन में वैज्ञानिक खोजों को गति प्रदान करने की एआई की क्षमता को रेखांकित करते हुए इसे ह्लजीवनकाल का सबसे बड़ा प्लेटफॉर्म शिफ्टह्व करार दिया। इसकी उन्होंने कहा, ह्लएआई एक जीवनकाल का सबसे बड़ा प्लेटफॉर्म शिफ्ट है। हम अत्यधिक प्रगति और नई खोजों के मुहाने पर हैं, जो उभरती अर्थव्यवस्थाओं को पुराने अंतराल को पार करने में मदद कर सकती हैं। लेकिन यह परिणाम न तो निश्चित है और न ही स्वचालित। एआई को वास्तव में हर किसी के लिए सहायक बनाने के लिए, हमें इसे साहसपूर्वक अपनाना होगा, जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ना होगा और इस निर्णायक क्षण को साथ में पार करना होगा। हम डिजिटल विभाजन को एआई विभाजन बनने की अनुमति नहीं दे सकते।ह्व

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने ग्लोबल साउथ में पहला एआई समिट आयोजित करने में भारत की नेतृत्वकारी भूमिका का स्वागत किया और इस बात पर जोर दिया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भविष्य कुछ गिने-चुने देशों या निजी हितों के हाथ में नहीं छोड़ा जा सकता। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा उठाए गए दो महत्वपूर्ण कदमों: 40 वैश्विक विशेषज्ञों को शामिल करते हुए स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पैनल का निर्माण और समावेशी, बहु-हितधारक सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए एआई गवर्नेंस पर वैश्विक संवाद की शुरूआत - को रेखांकित किया । मानव एजेंसी को सुरक्षित रखने वाले सुरक्षा उपायों की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा, ह्लएआई का भविष्य कुछ गिने-चुने देशों द्वारा तय नहीं किया जा सकता और न ही इसे कुछ अरबपतियों की मनमर्जी पर छोड़ा जा सकता है। हमें ऐसे सुरक्षा उपायों की जरूरत है जो मानव एजेंसी, मानव निगरानी और मानव जवाबदेही को संरक्षित करें। एआई हर किसी के लिए सुलभ होनी चाहिए। यही कारण है कि मैं विकासशील देशों में बुनियादी क्षमता का निर्माण करने के लिए एआई पर एक वैश्विक कोष की मांग कर रहा हूं। वास्तविक प्रभाव का मतलब ऐसी तकनीक है जो जीवन को बेहतर बनाती है और पृथ्वी की रक्षा करती है, इसलिए आइए एआई को सभी के लिए बनाएँ, जिसमें गरिमा पूर्वनिर्धारित स्थिति के रूप में हो। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने मुख्य भाषण देते हुए तेजी से बढ़ती तकनीकी प्रतिस्पर्धा के युग में संप्रभु, स्वतंत्र और सहयोगात्मक एआई विकास के महत्व पर जोर दिया। भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना क्रांति और वर्तमान एआई परिवर्तन के बीच समानताएँ खींचते हुए, उन्होंने एआई को भू-राजनीति, आर्थिक शक्ति और वैश्विक संतुलन को आकार देने वाला एक रणनीतिक क्षेत्र करार दिया। उन्होंने भारत और यूरोप द्वारा अपनाए गए पूरक मार्गों को रेखांकित करते हुए कहा, सबसे स्मार्ट एआई वह नहीं है जो सबसे महंगा हो, बल्कि वह है जिसे सही उद्देश्य के लिए सर्वश्रेष्ठ लोगों द्वारा बनाया गया हो। एआई का भविष्य उन लोगों द्वारा बनाया जाएगा जो नवाचार और जिम्मेदारी, तकनीक और मानवता का समन्वय करते हैं।

श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा मंगोलिया में भारत को पवित्र भूभाग और 'आध्यात्मिक पड़ोसी' माना जाता है

भारत और मंगोलिया के बीच राजनयिक संबंधों के सत्तर वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में, केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय के अधीन इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र-आईजीएनसीए के बृहत्तर भारत और क्षेत्र अध्ययन विभाग द्वारा 'भारत और मंगोलिया के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान' संबंधी दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आज नई दिल्ली में आरंभ हुआ।

आईजीएनसीए के समवेत सभागार में आयोजित सम्मेलन में भारत, मंगोलिया, अमेरिका, फ्रांस और अन्य देशों के 31 विद्वान भाग ले रहे हैं। दो दिवसीय आयोजन में 75 शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। इस अवसर पर मंगोलियाई संस्कृति दर्शाने वाली एक विशेष प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया गया, जो आईजीएनसीए की दर्शनम दीर्घा में 25 फरवरी तक लोगों के लिए खुली रहेगी।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि, केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने अपने संबोधन में कहा कि यह सम्मेलन भारत और मंगोलिया के बीच साझा आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच आदान-प्रदान धर्म से परे खगोल विज्ञान, पंचांग विज्ञान, चिकित्सा, साहित्य और दर्शन जैसे क्षेत्रों तक व्याप्त है। उन्होंने मंगोलियाई कांग्यूर का उल्लेख करते हुए इसे भाषाई एवं दार्शनिक विद्वत्ता का महत्वपूर्ण अभिलेख बताया और जोर दिया कि इसका संरक्षण एवं डिजिटलीकरण सभ्यतागत संवाद और सांस्कृतिक कूटनीति को सुदृढ़ करता है।

घर से बुलाकर युवक पर धारदार हथियार से हमला

-तीन नामजद सहित चार पर मुकदमा दर्ज

समाज जागरण

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव लोहरीपुर निवासी एक युवक के साथ घर से बुलाकर मारपीट और धारदार हथियार से हमला करने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर तीन नामजद आरोपियों सहित एक अज्ञात के खिलाफ संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर लिया है। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

क्षेत्र के गांव लोहरीपुर निवासी मनीष पुत्र पाले राम ने थाने पर दी तहरीर में बताया कि दस फरवरी को क्षेत्र के गांव मतनावली निवासी गौरव व शिवम पुत्रगण रमेश तथा मनीष पुत्र अमरपाल ने अपने एक अज्ञात साथी के साथ मिलकर उसे घर से बाहर बुलाया। आरोप है कि बाहर आते ही चारों ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और विरोध करने पर उसके सिर पर धारदार हथियार से हमला कर दिया था। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। पीड़ित का आरोप है कि मारपीट करने के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए थे। घटना के बाद से वह उपचार करा रहा था। हालत में सुधार होने पर बुधवार को उसने थाने पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर तीन नामजद व एक अज्ञात आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने बताया कि मामले में अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है और शीघ्र ही उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

मंदिर से देवताओं की मूर्तियां हटाने का आरोप, पुजारी सहित तीन पर मुकदमा

समाज जागरण

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव भभीसा में मंदिर से देवताओं की मूर्तियां बाहर रखने और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने पुजारी सहित तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांव भभीसा निवासी रविंद्र कुमार पुत्र रमेश चंद्र ने थाने में दी तहरीर में बताया कि गांव में करीब 30 वर्ष पुराना एक मंदिर स्थित है। उनका कहना है कि उक्त मंदिर में उनके देवता स्थापित थे और वह नियमित रूप से पूजा-अर्चना करते आ रहे थे। आरोप है कि गांव के ही संदीप उर्फ गुड्डू, ओमवीर तथा मंदिर के पुजारी भूषण ने मिलकर उनकी मूर्तियों को मंदिर से बाहर रख दिया। पीड़ित का कहना है कि जब उसने इस कृत्य का विरोध किया तो तीनों आरोपियों ने उसके साथ अभद्र व्यवहार करते हुए दोबारा मूर्तियां मंदिर में रखने पर जान से मारने की धमकी दी। इससे पीड़ित और उसके परिवार में भय का माहौल बना हुआ है। घटना के संबंध में पीड़ित ने थाने पहुंचकर लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। जांच के आधार पर अग्रिम विधिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

जसाला पेट्रोल पंप के पास आमने-सामने भिड़ीं दो बाइकें, युवक घायल

समाज जागरण

कांधला। क्षेत्र के गांव जसाला स्थित पेट्रोल पंप के समीप मंगलवार को दो बाइकों की आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में एक बाइक सवार युवक घायल हो गया, जबकि दूसरा बाइक सवार मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया।

सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया।

सदर कोतवाली क्षेत्र के गांव कुड़ाना निवासी नदीम उर्फ नाज़िम पुत्र रहीशु मंगलवार को किसी कार्य से कस्बे में आया था। बताया गया है कि कार्य समाप्त करने के बाद वह अपनी बाइक से वापस गांव लौट रहा था। जैसे ही वह गांव जसाला स्थित पेट्रोल पंप के निकट पहुंचा, तभी सामने से तेज रफ्तार में आ रही पल्सर बाइक से उसकी आमने-सामने की टक्कर हो गई।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइक सवार सड़क पर जा गिरे। हादसे में नदीम गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास मौजूद लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए 108 एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने घायल युवक को कस्बे के राजकीय अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार चल रहा है। वहीं, दूसरा बाइक सवार दुर्घटना के तुरंत बाद मौके से फरार हो गया। पुलिस को भी घटना की सूचना दे दी गई है। समाचार लिखे जाने तक इस संबंध में थाने पर कोई तहरीर नहीं दी गई थी। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

मनेड़ा के पास ट्रैक्टर-बाइक की भिड़ंत, पिता-पुत्र घायल

-गमी में शामिल होने जा रहे थे दोनों, पुलिस जांच में जुटी

समाज जागरण

कांधला। जनपद मुजफ्फरनगर के तितावी थाना क्षेत्र से गमी में शामिल होने जा रहे पिता-पुत्र सड़क हादसे का शिकार हो गए। भनेड़ा के पास ट्रैक्टर और बाइक की आमने-सामने की भिड़ंत में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया।

जनपद मुजफ्फरनगर के तितावी थाना क्षेत्र के गांव खेड़ी दुधाधारी निवासी रहीशु पुत्र हब्बीब अपने पुत्र इमरान के साथ बाइक पर सवार होकर जनपद बागपत के गांव रमाला में गमी में शामिल होने जा रहे थे। बताया गया है कि जैसे ही वह भनेड़ा के निकट पहुंचे, तभी सामने से आ रहे एक ट्रैक्टर से उनकी बाइक की जोरदार टक्कर हो गई ।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार पिता-पुत्र उछलकर सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आसपास के ग्रामीणों की भीड़ एकत्र हो गई और तत्काल पुलिस व एंबुलेंस को सूचना दी गई। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल भिजवाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी जुटाई। समाचार लिखे जाने तक मामले में किसी पक्ष की ओर से थाने पर कोई तहरीर नहीं दी गई थी। थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने बताया कि तहरीर मिलने पर नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। पुलिस हादसे के कारणों की जांच में जुटी है।

विधानसभा में उठाए सरकार की निजीकरण नीतियों पर सवाल

समाज जागरण

शामली। (फुरकान जंग) गुरुवार को उत्तर प्रदेश विधान परिषद में निजीकरण का मुद्दा जोर-शोर से उठा। किरणपाल कश्यप ने सदन में प्रदेश सरकार की निजीकरण नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि इसका सीधा असर सरकारी नौकरियों की तैयारी कर रहे युवाओं पर पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में बढ़ते निजीकरण के कारण युवा बेरोजगारी की ओर धकेले जा रहे हैं। न तो उन्हें पर्याप्त रोजगार मिल रहा है और न ही आर्थिक व सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित हो पा रही है। युवा देश की पूंजी हैं, लेकिन मौजूदा नीतियों के चलते वे असुरक्षा और अनिश्चित भविष्य का सामना कर रहे हैं।एमएलसी ने कहा कि सरकारी विभागों में भर्तियां लगातार घट रही हैं, जिससे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे लाखों युवाओं की उम्मीदें प्रभावित हो रही हैं। मजबूरी में युवाओं को कम वेतन पर निजी नौकरियां करनी पड़ रही हैं, जहां भविष्य सुरक्षित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि निजी कंपनियों को लाभ पहुंचाने के लिए श्रम कानूनों को कमजोर किया जा रहा है, जिसके कारण न्यूनतम वेतन, निर्धारित कार्य अवधि और सामाजिक सुरक्षा जैसी सुविधाएं भी प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कई संस्थानों में एक ही प्रकार के कार्य के लिए अलग-अलग युवाओं को अलग-अलग वेतन दिया जा रहा है, जिससे सामाजिक समानता की भावना को ठेस पहुंच रही है। किरणपाल कश्यप ने बिजली विभाग के निजीकरण के प्रस्ताव का भी उल्लेख करते हुए कहा कि इससे आम जनता और कर्मचारियों के हित प्रभावित होंगे तथा इसका लाभ केवल पूंजीपतियों को मिलेगा। उन्होंने सरकार से युवाओं के हितों को ध्यान में रखते हुए निजीकरण की नीतियों पर पुनर्विचार करने की मांग की।

सड़क दुर्घटनाएं बन चुकी गंभीर सामाजिक समस्या, विराट भारद्वाज

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) शहर के आरके पीजी कॉलेज में एनएसएस की प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय इकाइयों के सात दिवसीय विशेष शिविर के चौथे

दिन का शुभारंभ गुरुवार को किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य विषय सड़क सुरक्षा रहा। मुख्य अतिथि ट्रैफिक निरीक्षक लाल विराट भारद्वाज ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाएं आज गंभीर सामाजिक समस्या बन चुकी हैं। तेज गति से वाहन चलाना, हेलमेट और सीट बेल्ट का प्रयोग न करना, ट्रैफिक नियमों की अनदेखी तथा मोबाइल फोन का उपयोग करते हुए वाहन चलाना दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण हैं। उन्होंने दोपहिया वाहन चालकों से हेलमेट तथा चारपहिया वाहन चालकों से सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने की अपील की। साथ ही नशे की हालत में वाहन न चलाने और ट्रैफिक सिग्नल का पालन करने का संदेश दिया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रोहित राणा ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। यदि सभी लोग नियमों का पालन करें तो दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। डॉ. प्रीतम सिंह ने कहा कि सड़क सुरक्षा का सीधा संबंध जीवन रक्षा से है। थोड़ी सी लापरवाही भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। कु. गायत्री त्रिपाठी ने कहा कि युवाओं को स्वयं उदाहरण बनकर समाज को प्रेरित करना चाहिए। कार्यक्रम के अंतर्गत स्वयंसेवकों ने अपने-अपने चयनित गांवों में सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली निकाली।

मौसम ने फिर बदली करवट, दिनभर रही कड़ी धूप

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) जिले में मौसम ने एक ही दिन में करवट बदल ली। बुधवार को जहां दिनभर धूप न निकलने और ठंडी हवाएं चलने से लोगों को ठिठुरन का सामना करना पड़ा था, वहीं गुरुवार को तेज धूप निकलने से मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया और लोगों को हल्की गर्मी का अहसास हुआ।

बुधवार सुबह से ही आसमान में काले बादल छाए रहे। सर्द हवाओं के कारण वातावरण में ठंडक बनी रही। दिनभर धूप नहीं निकलने से बाजारों और सड़कों पर भी सामान्य दिनों की अपेक्षा कम चहल-पहल देखने को मिली थी। बुधवार को दिन अधिकतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं गुरुवार को सुबह से ही मौसम साफ रहा और तेज धूप खिली। धूप की तीव्रता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अधिकतम तापमान में छह डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई। गुरुवार को अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जबकि न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस ही रहा। तेज धूप निकलने से लोगों ने राहत की सांस ली। धूप के कारण घरों की छतों और पार्कों में लोग धूप सेंकते नजर आए। हालांकि दोपहर के समय तेज धूप के चलते कुछ लोगों को हल्की गर्मी भी महसूस हुई। मौसम में आए इस अचानक बदलाव से दिन और रात के तापमान में अंतर बढ़ गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस समय मौसम परिवर्तनशील है, इसलिए लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता है। सुबह और शाम ठंडक रहने के कारण हल्के गर्म कपड़े पहनना अभी भी जरूरी है, जबकि दिन में धूप के अनुसार कपड़ों का चयन करना चाहिए।

टोल का नाम बन्तीखेडा टोल प्लाजा रखें जाने की मांग, डीएम को सौंपा पत्र

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) जनपद के ग्राम बन्तीखेड़ा के ग्रामीणों ने नेशनल हाईवे पर स्थित प्रस्तावित टोल प्लाजा का नाम बन्तीखेड़ा टोल प्लाजा लिखे जाने की मांग को लेकर डीएम को प्रार्थना पत्र सौंपा है। ग्रामीणों का कहना है कि शासन स्तर से भी टोल प्लाजा का नाम बन्तीखेड़ा प्रस्तावित किया गया है, बावजूद इसके कुछ लोगों की आपत्ति के कारण कार्य रुका हुआ है। ग्रामीणों ने डीएम को दिए पत्र में बताया कि दिल्ली-देहरादून नेशनल हाईवे ग्राम बन्तीखेड़ा के निकट से गुजरता है तथा गांव के कई संपर्क मार्ग सीधे हाईवे से जुड़े हुए हैं। ऐसे में टोल प्लाजा का नाम स्थानीय पहचान के अनुरूप बन्तीखेड़ा टोल प्लाजा ही होना चाहिए। आरोप है कि समीपवर्ती ग्राम करौदा हाथी के कुछ निवासियों द्वारा तथ्यहीन आधार पर आपत्ति दर्ज कराई गई है, जिसके चलते टोल प्लाजा पर बन्तीखेड़ा नाम का बोर्ड लगाए जाने की प्रक्रिया रोक दी गई है। उनका कहना है कि इससे गांव की पहचान और प्रशासनिक प्रस्ताव दोनों प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों ने डीएम से मांग की है कि नेशनल हाईवे के दिल्ली-देहरादून मार्ग पर स्थित टोल प्लाजा पर बन्तीखेड़ा टोल प्लाजा नाम अंकित कराने के लिए संबंधित विभाग को आवश्यक निर्देश जारी किए जाएं। इस अवसर पर नीरज, राजिन्द्र सिंह, सतेंद्र सिंह, विपिन कुमार, संजय कुमार, अमजद सिद्दीकी आदि मौजूद रहे।

निर्माण कार्यों के चलते दुकानदार परेशान, विरोध प्रदर्शन

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग)शहर के बड़ा बाजार और गांधी चौक में पिछले लंबे दिनों से चल रहे निर्माण कार्यों के चलते दुकानदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिसके विरोध में दुकानदारों ने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होने समस्याओं का समाधान कराने की मांग की।

गुरूवार को दुकानों के ठीक सामने रोड़ी, डस्ट व अन्य निर्माण सामग्री के ढेर लगने से परेशान दुकानदारों ने नगर पाकिका के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। उन्होने बताया कि दुकानों के बाहर डाले गए मेटेरियल से पैदल चलना तक कठिन हो गया है। बाजार में आने वाले वाहन चालकों को भी जाम जैसी स्थिति का सामना करना पड़ रहा है, जिससे खरीदारी करने आने वाले लोग बाजार का रुख करने से बच रहे हैं। बड़ा बाजार के साथ-साथ नया बाजार और गांधी चौक क्षेत्र का व्यापार भी प्रभावित हो रहा है। इन क्षेत्रों में कपड़ा, लोहा, जूता, किरयाना, चप्पल, कॉस्मेटिक और अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुओं की बड़ी संख्या में दुकानें हैं। एक महीने से लगातार बाधित हो रहे आवागमन के कारण व्यापारियों की बिक्री में भारी गिरावट आई है। व्यापारियों ने बताया कि आगामी त्योहारों का सीजन शुरू होने वाला है। आगामी दिनों में रमजान, होली और ईद जैसे प्रमुख पर्व नजदीक हैं, जिनके चलते इस समय बाजारों में विशेष रौनक रहती है और साल का अच्छा कारोबार होता है।उन्होने मांग की कि निर्माण सामग्री को दुकानों के सामने न डाला जाए तथा कार्य को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाए, ताकि आमजन और व्यापारियों को कम से कम असुविधा हो।

हवस में अंधे ससुर ने पुत्रवधू की गला दबाकर की हत्या

आत्महत्या का रूप देने की रची साजिश, पुलिस ने ससुर और पति को भेजा जेल

समाज जागरण शामली।(फुरकान जंग)

रिश्तों को कलंकित करने वाली एक सनसनीखेज घटना का पुलिस ने पदार्फाश किया है। मामला कैराना कोतवाली क्षेत्र के गांव इस्सोपुर खुरगान का है, जहां 14 फरवरी को मस्कुरा नामक विवाहिता का शव उसके ही घर के एक बंद कमरे में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था। प्रारंभ में मृतका के ससुर अब्बास उर्फ बासा ने इसे आत्महत्या बताकर पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया, लेकिन गहन जांच में पूरा मामला हत्या का निकला।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और घटनास्थल की बारीकी से जांच शुरू की। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों ने आत्महत्या की कहानी पर सवाल खड़े कर दिए। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ससुर की अपनी पुत्रवधू पर काफी समय से गलत नजर थी। उसने विश्वास का नाटक कर बहू से उसके विवाह पूर्व जीवन की जानकारी ली और उसी आधार पर उसे मानसिक रूप से अपने प्रभाव में लिया।जांच में यह भी प्रकाश में आया कि आरोपी ने बहू के पूर्व परिचित युवक को घर बुलाने में भी भूमिका निभाई। घटना वाले दिन युवक के जाने के बाद आरोपी ने पूर्व नियोजित तरीके से कमरे की कुंडी खोलकर अंदर प्रवेश किया और पुत्रवधू पर जबरन संबंध बनाने का प्रयास किया। विरोध करने पर उसने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। बाद में कमरे को अंदर से बंद कर आत्महत्या का रूप देने की साजिश रची गई। एसपी शामली नरेंद्र प्रताप सिंह ने प्रेस वार्ता कर बताया कि आरोपी ने अपने बेटे सलमान को भी घटना की जानकारी दी थी और दोनों ने मिलकर सच्चाई छिपाने का प्रयास किया। हालांकि पुलिस की सूझबूझ और तकनीकी जांच के चलते साजिश का खुलासा हो गया। पुलिस ने मुख्य आरोपी अब्बास को हत्या के आरोप में तथा उसके पुत्र सलमान को साक्ष्य छिपाने के आरोप में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से दोनों को जेल भेज दिया गया। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

रिश्तों पर दाग

इस्सोपुर खुरगान की घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया कि अपराधी चाहे कितना भी चालाक क्यों न हो, कानून से बच नहीं सकता। विश्वास और रिश्तों की आड़ में रची गई साजिश आखिरकार पुलिस जांच में बेनकाब हो गई। समाज में ऐसे अपराधों के प्रति सतर्कता और जागरूकता की आवश्यकता है, ताकि विश्वास के नाम पर किसी भी प्रकार के शोषण को समय रहते रोका जा सके।

शामली के अर्चित चौधरी करेंगे केंद्रीय गृह मंत्री की अगवानी

समाज जागरण शामली।(फुरकान जंग

शामली निवासी सीआरपीएफ के प्लाटून कमांडर अर्चित चौधरी 21 फरवरी को आयोजित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 87वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि केंद्रीय गृहमंत्री अगवानी करेंगे। यह समारोह असम की राजधानी में आयोजित किया जाएगा।

अर्चित चौधरी ने बताया कि स्थापना दिवस कार्यक्रम में गृहमंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे और सीआरपीएफ की भव्य परेड की सलामी लेंगे। जैसे ही गृहमंत्री हेलीपैड से कार्यक्रम स्थल के लिए प्रस्थान कर मुख्य द्वार पर पहुंचेंगे, वहां सीआरपीएफ के दो प्लाटून कमांडर शामली निवासी अर्चित चौधरी और अमरोहा निवासी पार्थ यादव उनकी अगवानी कर उन्हें मंच तक ले जाएंगे। कार्यक्रम में हजारों जवानों की आकर्षक परेड निकाली जाएगी। इसके साथ ही आधुनिक हथियारों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। शामली के अर्चित चौधरी की इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी से जिले में खुशी और गर्व का माहौल है।

जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक का आयोजन

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) जनगणना-2027 के सफल क्रियान्वयन एवं सुचारु संचालन को लेकर गुरुवार को नवीन कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में एडीएम एवं जिला जनगणना अधिकारी सत्येंद्र सिंह ने बताया कि वर्ष 2027 में होने वाली जनगणना स्वतंत्रता के बाद देश की आठवीं जनगणना होगी। इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल एवं पेपरलेस माध्यम से कराई जाएगी। नागरिकों को मोबाइल एप के जरिए स्वयं अपना विवरण दर्ज करने की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए संबंधित एप डाउनलोड कर आवश्यक जानकारियां भरनी होंगी। उन्होंने बताया कि जनगणना कार्य के लिए सुपरवाइजर एवं इन्वेस्टिगेटर नियुक्त किए जाएंगे, जिन्हें मास्टर ट्रेनरों द्वारा विधिवत प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण की शुरूआत पहले सुपरवाइजर स्तर से कराई जाएगी। इस कार्य में शिक्षकों, लेखपालों तथा अन्य विभागों के कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। समिति में कुल नौ सदस्य शामिल होंगे, जिनमें डीएम, सीडीओ तथा संयोजक के रूप में एडीएम, बीएसए, जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी सहित अन्य अधिकारी सदस्य रहेंगे। बैठक में बताया गया कि जनगणना-2027 के संबंध में दो मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण के लिए लखनऊ भेजे गए हैं, जबकि जनपद में 46 फील्ड ट्रेनर तैनात किए जाएंगे। बैठक में डिप्टी कलेक्टर हामिद हुसैन, जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी अश्विनी कुमार शर्मा, बीएसए लता राठौर, जिला पंचायत राज अधिकारी संदीप अग्रवाल, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी ज्योति प्रजापति मौजूद रहे।

पवित्र रमजान का पहले रोजे को इबादत में मशगूल रहे रोजेदार

समाज जागरण शामली।(फुरकान जंग)

पवित्र माहे रमजान का पहला रोजा गुरुवार को अकीदत और उत्साह के साथ रखा गया। सुबह से ही रोजेदारों ने सहरी के बाद रोजा रखा और दिनभर इबादत में मशगूल रहे। देर शाम अजान के साथ रोजा इफ्तार किया गया, जिसके बाद मस्जिदों में तरावीह की नमाज अदा की गई। शहर की प्रमुख मस्जिदों में अकीदतमंदों की अच्छी-खासी भीड़ देखने को मिली।

रमजान के पहले दिन मस्जिदों में विशेष इंतजाम किए गए थे। नमाजियों के लिए साफ-सफाई और रोशनी की बेहतर व्यवस्था की गई। तरावीह की नमाज के दौरान कुरआन-ए-पाक की तिलावत की गई और अमन-चौन की दुआ मांगी गई। बच्चों और युवाओं में भी खासा उत्साह दिखाई दिया।

प्रमुख योजनाओं, बांध सुरक्षा अधिनियम, बाढ़ प्रबंधन और डिजिटल शासन कार्यान्वयन मजबूत बनाने पर ध्यान केंद्रित

समाज जागरण

जल शक्ति मंत्रालय के जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा पुनर्जीवन विभाग ने नई दिल्ली में विभाग के सचिव श्री वी.एल. कंथा राव की अध्यक्षता में राज्यों के जल सचिवों का उच्च स्तरीय क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित किया।

सम्मेलन का उद्देश्य केंद्र और राज्यों में तालमेल बेहतर बनाने तथा अभी क्रियान्वित जल संसाधन परियोजनाओं/योजनाओं के काम में तेजी लाने के लिए गहन चर्चा करना था। सम्मेलन में उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल के जल संसाधन सचिव, प्रधान सचिव, अपर मुख्य सचिव, और अन्य उच्च अधिकारी शामिल हुए।

सम्मेलन के प्राथमिक एजेंडे में भाग लेने वाले राज्यों में जल संरक्षण विभाग की विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन की व्यापक समीक्षा शामिल थी, साथ ही उन राज्यों में केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी), केंद्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी), राष्ट्रीय जल विकास एजेंसी (एनडब्ल्यूडीए), राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान (एनआईएच), राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) और राष्ट्रीय जल सूचना विज्ञान

केंद्र (एनडब्ल्यूआईसी) जैसे संगठनों के कार्यों और इन संगठनों की तकनीकी विशेषज्ञता के उपयोग पर चर्चा हुई। सम्मेलन में बाढ़ के मैदानों के वर्गीकरण, गाद प्रबंधन पर राष्ट्रीय ढांचा, बांध सुरक्षा अधिनियम, 2021 के प्रावधानों के कार्यान्वयन, जल संचय जन भागीदारी द्वितीय चरण, भूजल निष्कर्षण के विनियमन और नियंत्रण आदि पर विभाग द्वारा जारी विभिन्न सलाहों पर अमल की भी समीक्षा की गई।

सम्मेलन में जल प्रबंधन में डिजिटल शासन समेकीकरण पर भी जोर दिया गया, जिसमें दूरस्थ स्थानों पर स्थित मशीनों और उपकरणों की निगरानी, नियंत्रण और डेटा एंट्रीकरण प्रणाली पर आधारित वास्तविक समय निगरानी के उपयोग, बाढ़ की चेतावनी के लिए एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस -आधारित डेटा साझाकरण और क्षेत्र के अधिकारियों के लिए फ्लड वॉच मोबाइल एप्लिकेशन शामिल रहा।

राज्य सरकार के अधिकारियों ने जल संसाधन विभाग, ग्रामीण विकास एवं कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन की स्थिति पर प्रस्तुति दी। साथ ही उन्होंने लंबित मुद्दों और केंद्र सरकार से राज्यों की अपेक्षाएं बतायीं। जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा पुनर्जीवन विभाग सचिव ने राज्यों की समग्र प्रगति की समीक्षा की और लंबित मामलों के समाधान तथा विभिन्न योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए केंद्र-राज्य समन्वय मजबूत करने में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। सम्मेलन, देश में जल संसाधनों के सतत और प्रभावी विकास के लिए एकीकृत रणनीतियां तैयार करने और कार्यान्वयन हेतु केंद्र और राज्यों के बीच सहजीवी संबंध के आह्वान के साथ संपन्न हुआ। विभाग ने देश भर की जल संसाधन परियोजनाओं के समग्र विकास और प्रबंधन के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करने की प्रतिबद्धता दोहरायी।

मनोज पहलवान अकादमी के पहलवानों ने जीते चार स्वर्ण पदक

वाराणसी राज्य कुश्ती में उभरा बागपत का स्वर्णिम परचम

समाज जागरण

बागपत। वाराणसी में आयोजित यूपी राज्य अंडर पंद्रह फ्री स्टाइल ग्रीको एवं महिला कुश्ती चैंपियनशिप में मनोज पहलवान कुश्ती अकादमी के पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार स्वर्ण और दो कांस्य पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया। तीन दिवसीय प्रतियोगिता में प्रदेश भर से आए प्रतिभागियों के बीच अकादमी के खिलाड़ियों ने दमदार दांवपेच और अदम्य आत्मविश्वास का परिचय दिया। 36 किलोग्राम वर्ग में सोनम ने स्वर्ण पदक जीतकर बेटियों की ताकत का लोहा मनवाया। 38 किलोग्राम में चिराग ने बेहतरीन तकनीक के दम पर स्वर्ण हासिल किया। 48 किलोग्राम में वासु और 75 किलोग्राम में अनंत ने शानदार मुकाबले जीतकर स्वर्ण पदक अपने नाम किए। वहीं 40 किलोग्राम में शादिन और 52 किलोग्राम में बादल

तोमर ने कांस्य पदक जीतकर टीम की उपलब्धि को और मजबूत किया। विजेता खिलाड़ियों के सम्मान में अखाड़े पर जोरदार स्वागत की तैयारी है। इस अवसर पर सूबेदार मेजर अंतरराष्ट्रीय मनोज पहलवान, एनआईएस कोच सूरज तोमर, अनुज कुमार, प्रदीप लाडू राणा, हरपाल सिंह, रविंद्र और दीपक सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहेंगे। अकादमी की इस ऐतिहासिक सफलता से क्षेत्र में उत्साह की लहर दौड़ गई है।

रंगदारी के लिए किसान नेता के परिवार पर जानलेवा हमला

- पुलिस की खामोशी से दबंगों के हौसले लगातार बुलंद
- डेढ़ लाख की मांग न देने पर किसान नेता का ट्रैक्टर तोड़ा
- बीमार किसान नेता भय और भूख के साये में जीने को मजबूर

समाज जागरण

बागपत। जनपद के सरूरपुर कला गांव में एक गरीब किसान नेता के परिवार पर रंगदारी मांगने वाले दबंगों ने ऐसा कहर बरपाया है जिसने कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। डिस्क स्लिप की बीमारी से जूझ रहा किसान नेता नीटू नैन उर्फ बोक्का पिछले चार महीनों से बिस्तर पर है। ऑपरेशन के बाद वह चलने फिरने में असमर्थ है। परिवार का खर्च उसके छोटे भाई सचिन और ड्राइवर मोहित ट्रैक्टर डम्पर चलाकर किसी तरह उठा रहे थे। यही उनकी रोजी रोटी का एकमात्र सहारा है। गुरुवार को एसपी ऑफिस पहुंचे किसान नेता ने आरोप लगाया कि गांव के तीन लोगों ने पिछले छह महीनों से लगातार एक लाख रुपये की रंगदारी मांग रखी थी। धमकी दी जा रही थी कि पैसे नहीं दिए तो भाई को एक्सीडेंट में मरवा दिया जाएगा और ट्रैक्टर सड़क पर नहीं चलने दिया जाएगा। 17 फरवरी की शाम जब सचिन और मोहित मलबा डालने जा रहे थे तभी रास्ते में उन्हें रोक लिया गया। इस बार एक लाख नहीं बल्कि डेढ़ लाख रुपये की मांग की गई। विरोध करने पर लाठी डंडों से बेरहमी से मारपीट की गई। ट्रैक्टर की हेडलाइट तोड़ दी गई और टायरों को नुकीले औजार से फाड़ दिया गया। गांव के लोगों के हस्तक्षेप से जान बची लेकिन परिवार दहशत में है। सवाल यह है कि जब महीनों से रंगदारी की धमकियां दी जा रही थीं तो पुलिस प्रशासन क्यों अनजान बना रहा। क्या किसी बड़ी वारदात का इंतजार किया जा रहा है। यदि समय रहते कठोर कार्रवाई नहीं हुई तो दबंगई का यह जहर पूरे इलाके में फैल सकता है।

हीरो होंडा लाया हूं' सॉन्ग ने मचाया धमाल

तीन दिन में 20 लाख से ज्यादा व्यू पार

समाज जागरण

बागपत। तीन दिन पहले रिलीज हुआ हरियाणवी गीत 'हीरो होंडा लाया हूं' दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है। रिलीज के बाद ही गाने ने तेजी से लोकप्रियता हासिल करते हुए 2 लाख से अधिक व्यू पार कर लिए हैं। एजीएन प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले रिलीज हुआ गीत 'हीरो

होंडा लाया हूं' इन दिनों सोशल मीडिया और यूट्यूब पर धूम मचा रहा है। जनपद के गांव सांकरौंद निवासी देसी कलाकार नवीन टॉक ने बताया कि तीन दिन पहले रिलीज हुए इस गाने को दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिल रहा है और अब तक यह 2 लाख से अधिक व्यू का आंकड़ा पार कर चुका है। गीत को आशु ट्विंकल और हरजीत दीवाना ने अपनी आवाज दी है, जबकि इसका संगीत जीआर मॉडल ने तैयार किया है। गाने में नूतन यादव और पुनीत चौधरी की शानदार प्रस्तुति दर्शकों को आकर्षित कर रही है। इसके बोल विक्रम राठौर ने लिखे हैं, जो युवाओं के बीच खासे पसंद किए जा रहे हैं। इस प्रोजेक्ट का निर्माण हिमांशु कुमार ने किया है, जबकि प्रोजेक्ट को नवीन टांक ने संभाला है। गाने का निर्देशन अक्षय ने किया है, जिन्होंने इसे आकर्षक और मनोरंजक अंदाज में प्रस्तुत किया है। रिलीज के कुछ ही समय में मिले शानदार रिस्पॉन्स से पूरी टीम उत्साहित है और दर्शकों का आभार व्यक्त किया

बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने यूपी के आदेश पर लगाई अंतरिम रोक

- एडवोकेट दानिश की अपील पर पुरानी कार्रवाई स्थगित अगली सुनवाई तय
- यूपी बार काउंसिल से मांगी मूल फाइल दोनों पक्षों को नोटिस जारी

समाज जागरण

बागपत। भारतीय बार काउंसिल की अनुशासनात्मक समिति ने एडवोकेट मोहम्मद दानिश से जुड़े मामले में महत्वपूर्ण आदेश जारी करते हुए उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के पूर्व आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। समिति ने 7 फरवरी 2026 को सुनवाई करते हुए कहा कि मामले की पूरी तरह से जांच और सही निर्णय के लिए समय आवश्यक है। यह प्रकरण अपील संख्या 14/2025 और स्थगन याचिका संख्या 09/2025 के रूप में बार काउंसिल ऑफ इंडिया में विचाराधीन है। इससे पहले यह मामला उत्तर प्रदेश बार काउंसिल में डीसीसी संख्या 308/2023 के तहत चल रहा था, जिसमें 18 अप्रैल 2024 को एक आदेश पारित किया गया था। अब उस आदेश का संचालन अगली सुनवाई तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। सुनवाई हाइब्रिड मोड में हुई, जिसमें अपीलकर्ता मोहम्मद दानिश स्वयं उपस्थित हुए, जबकि प्रतिवादी की ओर से कोई उपस्थित नहीं हुआ। समिति ने प्रतिवादी को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं, ताकि अगली सुनवाई में उनका पक्ष भी सुना जा सके। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के सचिव को निर्देश दिया गया है कि मामले से संबंधित सभी मूल अभिलेख 16 मार्च 2026 तक या उससे पहले बार काउंसिल ऑफ इंडिया को उपलब्ध कराएं। अब इस मामले की आगे की सुनवाई और अंतिम निर्णय बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा किया जाएगा, जिस पर दोनों पक्षों की नजरें टिकी हुई हैं।

श्रम विभाग आयोजित करेगा दो सौ जोड़ों का सामूहिक विवाह समारोह

निर्माण श्रमिक परिवारों को विवाह हेतु आर्थिक सहायता और सम्मान मिलेगा

समाज जागरण

बागपत। श्रम विभाग द्वारा मेरठ-बागपत क्षेत्र के पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के लिए 11 मार्च को सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को राहत देना है।

उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के तत्वावधान में मेरठ एवं बागपत क्षेत्र के पंजीकृत निर्माण श्रमिकों की पुत्रियों के लिए 11 मार्च को सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में लगभग 200 जोड़ों के विवाह संपन्न कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रभारी श्रम प्रवर्तन अधिकारी सुधीर कुमार ने बताया कि श्रम विभाग द्वारा संचालित इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक पात्र जोड़े को अधिकतम एक लाख रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी। इसमें 85 हजार रुपये की धनराशि सीधे लाभार्थी को अनुदान के रूप में दी जाएगी, जबकि 15 हजार रुपये प्रति विवाह समारोह की व्यवस्थाओं पर विभाग द्वारा खर्च किए जाएंगे। इस योजना का लाभ उन श्रमिकों को मिलेगा, जिनका श्रम विभाग में पंजीकरण कम से कम एक वर्ष पुराना है। योजना सभी जाति और धर्म के पात्र श्रमिकों के लिए समान रूप से लागू होगी। विवाह के लिए वधू की न्यूनतम आयु 18 वर्ष तथा वर की आयु 21 वर्ष होना अनिवार्य है। प्राप्त आवेदनों का दस्तावेजों के आधार पर सत्यापन करने के बाद ही अंतिम चयन किया जाएगा। सामूहिक विवाह में शामिल होने के इच्छुक श्रमिकों को 20 फरवरी 2026 तक अपने निकटतम श्रम कार्यालय में आवेदन करना होगा। बताया कि यह योजना श्रमिक परिवारों के आर्थिक बोझ को कम करने के साथ सादगीपूर्ण विवाह को भी बढ़ावा देगी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत, तहरीर दी

-दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर एनबीसी कॉलोनी के पास हुआ हादसा

समाज जागरण

बागपत। दिल्ली-सहारनपुर हाईवे पर अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी थी। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई थी। मृतक के पिता ने बृहस्पवितार को कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। सांकरौद निवासी श्रीनिवास ने बताया कि 15 फरवरी की सुबह करीब 3.45 बजे उसका बेटा राहुल बाइक से ड्यूटी के लिए दिल्ली जा रहा था। जब वह खेकड़ा में एनबीसी कॉलोनी के पास पहुंचा तो पिछे से तेज गति से आ रहे वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। श्रीनिवास ने खेकड़ा कोतवाली में तहरीर देकर वाहन चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

20 व 21 फरवरी को आयोजित होगा परिवहन मेला

समाज जागरण

बहराइच/। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) ने बताया कि वाहन स्वमियों को बार-बार कर भुगतान की जटिल एवं समय-साध्य प्रक्रिया से राहत प्रदान करने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा परिवहन कर प्रणाली में व्यापक सुधार कर एक मुश्त कर ढांचे को लागू किया गया है। यह व्यवस्था तकनीकी रूप से वाहन पोर्टल पर लाइव हो गयी है। भाड़े या पारिश्रमिक पर संचालित दोपहिया मोटर साईकिल, तिपहिया मोटर कैब एवं मैकसी कैब संनिर्माण उपस्कर यान/विशेष प्रयोजन यान माल वाहन, राज्य परिवहन उपक्रम के स्वामित्वाधीन सार्वजनिक सेवा यान आदि के सम्बंध में उत्तर प्रदेश मोटरयान कराधान अधिनियम 1997 की धारा-4 में संशोधन करते हुए एक मुश्त कर ढांचे को लागू किया गया है।

एआरटीओ ने बताया कि एकमुश्त कर व्यवस्था से संबंधित नियमों, कर निर्धारण की प्रक्रिया, कर गणना, भुगतान की विधि एवं समय-सीमा के संबंध में वाहन स्वामियों एवं विभिन्न ट्रांसपोर्ट संगठनों को विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से परिवहन कार्यालय परिसर में 20 एवं 21 फरवरी को परिवहन मेले का आयोजन किया गया है। परिवहन मेले में वाहन स्वामियों की शंकाओं का समाधान करते हुए मौके पर ही आवश्यकतानुसार कर भुगतान/समायोजन की सुविधा प्रदान की जायेगी।

उल्टी ने खोला छिपे फाइलेरिया का राज

तपेसिपाह की घटना बनी जागरूकता का संदेश

समाज जागरण

बहराइच / जरवल ब्लॉक के तपेसिपाह गांव में सामूहिक दवा सेवन अभियान (एमडीए/आईडीए) के दौरान घटी एक छोटी-सी घटना अब बड़े संदेश में बदल गई है। परिवार के सभी सदस्यों ने फाइलेरिया से बचाव की दवा ली थी। कुछ ही देर बाद 17 वर्षीय बेटी और बहू को उल्टी होने लगी। परिजन घबरा उठे कि कहीं दवा का दुष्प्रभाव तो नहीं हो गया।

सूचना मिलते ही स्वास्थ्य टीम मौके पर पहुंची। चिकित्सकीय निगरानी के साथ परिवार को पूरी जानकारी दी गई और जल्द ही वे सामान्य हो गईं। स्वास्थ्यकर्मियों ने परिवार को समझाया कि यह दवा का नुकसान नहीं, बल्कि शरीर में लंबे समय से छिपे सूक्ष्म फाइलेरिया कृमियों के नष्ट होने की सामान्य प्रतिक्रिया है। जिन लोगों में संक्रमण नहीं होता, उन्हें आमतौर पर कोई लक्षण महसूस नहीं होता। आशा कार्यकर्ता गुड़िया देवी ने बताया कि शुरूआत में परिवार भयभीत था, लेकिन सही जानकारी मिलने के बाद उनकी आशंका दूर हो गई। अब पूरा परिवार दवा के महत्व को समझ चुका है और दूसरों को भी जागरूक कर रहा है।

फाइलेरिया मच्छरों से फैलने वाली गंभीर और लाइलाज बीमारी है, जो वर्षों तक बिना लक्षण के शरीर में छिपी रह सकती है। वीबीडी नोडल एवं डिप्टी सीएमओ डॉ. अनुराग वर्मा के अनुसार यही संक्रमण आगे चलकर हाथ-पैर में सूजन या हाइड्रोसील जैसी जटिलताओं का कारण बनता है। इसी को देखते हुए जरवल ब्लॉक में 10 से 28 फरवरी तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अब तक निर्धारित लक्ष्य का 42 प्रतिशत पूरा करते हुए 1.20 लाख से अधिक लोग बचाव की दवा सेवन कर चुके हैं।

सीएमओ डॉ. संजय कुमार ने बताया जिले में हाथीपांव के 474 और हाइड्रोसील के 165 मरीज चिन्हित हैं। यह आंकड़े दशार्ते हैं कि फाइलेरिया एक गंभीर जनस्वास्थ्य चुनौती है। उन्होंने दो वर्ष से कम आयु के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को छोड़कर सभी पात्र लोगों से दवा सेवन की अपील की और बताया कि उल्टी, हल्का बुखार या मितली जैसे लक्षण अस्थायी होते हैं और संक्रमण समाप्त होने के संकेत हैं। अधिक समस्या के लिए त्वरित प्रतिक्रिया दल का भी गठन किया गया है।

फाइलेरिया नियंत्रण अधिकारी दीपमाला ने बताया दवा सेवन के बाद उल्टी, बुखार या कमजोरी महसूस हो तो सोमवार या गुरुवार को रात्रि 8रू30 बजे जिला ट्रामा सेंटर स्थित फाइलेरिया नियंत्रण कक्ष में जांच कराएं। पुष्टि होने पर निःशुल्क उपचार उपलब्ध है। फाइलेरिया लाइलाज है लेकिन लक्षण से पहले जांच, उपचार से हाथीपांव या हाइड्रोसील जैसी जटिलताओं से बचाव संभव है।

राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक 23 फरवरी को

समाज जागरण

बहराइच । प्रषासनिक अधिकारी कलेक्ट्रेट बहराइच ने बताया कि 23 फरवरी 2026 को सायं 05:00 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी की अध्यक्षता में राजस्व कार्यो की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी है। राजस्व कार्यो की समीक्षा बैठक से सम्बन्धित सूचना के साथ बैठक में समय से प्रतिभाग करना सुनिष्चित करें

मानवाधिकार आयोग के स्पेशल मॉनिटर का आगमन

समाज जागरण

बहराइच/ सहायक श्रमायुक्त सिद्धार्थ मोदियानी ने बताया कि मा. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (बाल एवं बधुआ श्रम) के स्पेशल मॉनिटर धनन्जय टिंगल जनपद बहराइच के प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम के अन्तर्गत 19 फरवरी को अपरान्ह में जनपद पहुंचकर लो.नि.वि. बहराइच के निरीक्षण गृह में रात्रि विश्राम करेंगे। श्री टिंगल 20 फरवरी 2026 को जनपद में बाल एवं बधुआ श्रम से संबंधित अधिनियमों के क्रियान्वयन तथा उक्त से संबंधित समस्याओं के निराकरण हेतु पूर्वान्ह 11:00 बजे निरीक्षण भवन में जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी तथा संबंधित गैर सरकारी संगठनों के साथ बैठक करेंगे। श्री टिंगल बैठक के उपरान्त अपरान्ह 02:00 बजे लखनऊ के लिए प्रस्थान कर जायेंगे

मखाना की खेती के लिए आयोजित होगा 02 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

समाज जागरण

बहराइच/ जिला उद्यान अधिकारी दिनेश चौधरी ने बताया कि कैल्शियम, प्रोटीन, फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे पोषक तत्वों भरपूर होने तथा हड्डियों, हृदय और पाचन के लिए अत्यन्त उपयोगी होने के कारण उद्यान विभाग द्वारा कृषको को प्रोत्साहित किये जाने के उद्देश्य से एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजनान्तर्गत मखाने की खेती को सम्मिलित किया गया है। श्री चौधरी ने बताया कि मखाना की खेती के लिए कृषकों को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से 09 व 10 मार्च 2026 को कृषि भवन के सभागार में 02 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रस्तावित है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जन निर्माण केन्द्र, मुजफ्फरपुर, बिहार के निदेशक राकेश सिंह द्वारा रिर्सोस पर्सन के रूप में प्रतिभाग किया जायेगा। श्री सिंह मखाना के उत्पादक, विपणनकर्ता एवं अनुभवी उद्यमी हैं।

जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि कृषि भवन सभागार में आयोजित होने वाले 02 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में मखाना की खेती करने वाले दरभंगा बिहार के प्रगतिशील एवं अनुभवी कृषक भी प्रतिभाग करेंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि एवं उद्यान विभाग के अधिकारियों के साथ-साथ कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक भी मौजूद कृषकों को उपयोगी जानकारी प्रदान करेंगे। श्री चौधरी ने जनपद के कृषकों से अपेक्षा की है कि अधिकाधिक संख्या में प्रशिक्षण में शामिल होकर औद्यानिक खेती में अधिक से अधिक लाभ प्राप्त करें। प्रशिक्षण के सम्बन्ध में अधिक जानकारी के लिए जिला उद्यान कार्यालय अथवा योजना प्रभारी पंकज वर्मा के मो.न. 945510800 पर सम्पर्क किया जा सकता है

डीएम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई गौ संरक्षण समिति की बैठक

समाज जागरण

बहराइच/ बुधवार को देर शाम कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनपद स्तरीय गौ संरक्षण समिति की बैठक के दौरान जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने निर्देश दिया कि वर्ष 2026-27 हेतु भूसा खरीद के लिए टेण्डर की कार्यवाही प्रारम्भ कर दी जाय जिससे जनपद में गेहूँ की मढ़ाई प्रारम्भ होने से पूर्व भूसा क्रय करने की दर स्वीकृत हो जाय। डीएम ने कहा कि समय से पूर्व भूसा की दर निर्धारित हो जाने से गोआश्रय स्थलों हेतु आसानी के साथ कृषकों भूसा क्रय किया जा सकेगा। डीएम ने सम्बन्धित अधिकारियों से यह भी अपेक्षा की कि जनपद के सक्षम एवं बड़े कृषकों को भूसा दान करने हेतु भी प्रेरित किया जाय।

डीएम श्री त्रिपाठी ने निर्देश दिया कि जनपद में संचालित समस्त गौ आश्रय स्थलों को सी.सी.टी.वी. कैमरों से आच्छादित कर उनके लिंक को जिला मुख्यालय पर स्थापित कमाण्ड सेन्टर से जोड़कर सभी गौशालाओं की प्रभावी निगरानी की जाय। डीएम ने सुझाव दिया कि जायें कि गोआश्रय स्थल के प्रमुख स्थान जैसे गोदाम, प्रवेश द्वार, चरही इत्यादि की बेहतर ढंग से मानीटरिंग किया जा सके। डीएम ने कहा कि कामण्ड सेन्टर पर गो आश्रय स्थलों की निगरानी के लिए आवश्यक प्रबन्ध सुनिश्चित किये जाएं।

डीएम ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी व अन्य सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि छुट्टा गोवंशों को गोआश्रय स्थलों में संरक्षित कराया जाय। डीएम ने सम्बन्धित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि दूरस्थ क्षेत्रों में जहां पर आवागमन सुगम न होने तथा कम गोवंश संख्या वाले संरक्षण केन्द्रों को आस-पास के गोवंश केन्द्रों में शिफ्ट कराकर शासन की मंशानुरूप संचालन सुनिश्चित कराया जाय। डीएम ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि गोआश्रय स्थलों में संरक्षित गोवंशों की संख्या के सापेक्ष फण्ड जनरेट कर बेहतर से बेहतर प्रबन्धन सुनिश्चित करें।

डीएम ने सीवीओ को निर्देश दिया कि सहभागिता अभियान अन्तर्गत संरक्षित किये गये गोवंशों का डाटा पोर्टल पर दर्ज कराया जाय। डीएम ने सीवीओ को निर्देश दिया कि शासन की गाइड लाईन के अनुसार समस्त गोआश्रय स्थलों पर सूचना पटल स्थापित कराये जायें। डीएम द्वारा पशु चिकित्साधिकारियों को निर्देश दिया कि नियमित रूप से गोआश्रय स्थलों का भ्रमण कर संरक्षित गोवंशों के स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सा के माकूल बन्दोबस्त किये जाएं।

बैठक का संचालन मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. राजेश उपाध्याय ने किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र, मुख्य राजस्व अधिकारी देवेन्द्र पाल सिंह, जिला विकास अधिकारी राज कुमार सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी, नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी, उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी मौजूद रहे जबकि उप जिलाधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी व पशु चिकित्साधिकारियों द्वारा बैठक में वर्चुअली प्रतिभाग किया गया।

रक्षा मंत्री ने विशाखापत्तनम में अभ्यास मिलन का उद्घाटन करते हुए समुद्री क्षेत्र की उभरती चुनौतियों से निपटने में वैश्विक समुदाय की एकजुटता का आह्वान किया

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से पारस्परिक सम्मान और सहयोग भावना से समुद्र की उभरती जटिल और परस्पर जुड़ी चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने का आह्वान किया है। रक्षा मंत्री आज आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में आयोजित अभ्यास मिलन के उद्घाटन समारोह में 74 देशों के नौसेना प्रमुखों और प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों को संबोधित कर रहे थे। रक्षा मंत्री ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय शांति स्थापना में नौसेनाओं की भूमिका समय के साथ बढ़ रही है। साथ ही, पिछले कुछ दशक में आर्थिक विकास में काफी वृद्धि हुई है, जिससे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और परिवहन में भी बहुत वृद्धि हुई है। इससे जलडमरूमध्य और जलमार्गों पर प्रभुत्व के लिए प्रतिस्पर्धा भी बढ़ी है, जिससे कई बार संघर्ष की आशंका उत्पन्न होती है। समुद्री संसाधनों, विशेष रूप से दुर्लभ खनिजों पर बढ़ते अंतर्राष्ट्रीय ध्यान से इस तनाव में एक नया पहलू जुड़ गया है। इसके अलावा, हमें अपने जलक्षेत्रों को आतंकवादी गतिविधियों से सुरक्षित रखने की भी आवश्यकता है जो विभिन्न देशों और क्षेत्रों में अपना जाल फैला रहे हैं।

श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पारंपरिक खतरों के साथ ही समुद्री डकैती, समुद्री आतंकवाद, अवैध रुप से मछली पकड़ने, तस्करी, साइबर सुरक्षा में खामियां और महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान जैसी उभरती चुनौतियां भी मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन प्राकृतिक आपदाओं को और बढ़ा रहा है, जिससे मानवीय और आपदा राहत अभियान बार-बार करने पड़ रहे हैं और अधिक चुनौतीपूर्ण हो गए हैं। उन्होंने कहा कि कितनी भी सक्षम कोई नौसेना, इन चुनौतियों का अकेले सामना नहीं कर सकती, और सुरक्षित भविष्य के लिए नौसेनाओं के बीच बेहतर सहयोग की आवश्यकता है।

रक्षा मंत्री ने अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र से संबंधित संयुक्त राष्ट्र के कानून को व्यापक वैश्विक नौसैनिक संरचना द्वारा और मजबूत बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र समुद्र विधि समझौता, राष्ट्रों के बीच विवादों के समाधान और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के लिए व्यापक और तंत्र प्रदान करता है। व्यापक वैश्विक नौसैनिक संरचना सूचना साझाकरण इसे और सुगम बनाएगी। संचार माध्यमों को सुरक्षित बनाएगी और खुले समुद्र में आतंकवाद सहित आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाएगी, साथ ही यह वैश्विक स्तर पर राष्ट्रीय सीमाओं की रक्षा करने की अपनी सामान्य भूमिका भी निभाएगी। अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में व्याप्त उथल-पुथल की चर्चा करते हुए श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मिलन जैसे आयोजन से पेशेवर विशेषज्ञता, आपसी विश्वास, अंतर-संचालनीयता और सामान्य चुनौतियों के समन्वित समाधान की सक्षमता बढ़ती है। उन्होंने कहा कि जब हमारे जहाज एक साथ चलते हैं, नाविक एक साथ प्रशिक्षण लेते हैं, कमांडर एक साथ विचार-विमर्श करते हैं, तो हम एक ऐसी साझा समझ विकसित करते हैं जो भूगोल और राजनीति से परे होती है और आपसी सहयोग पर विचार का उपयुक्त अवसर प्रदान करती है। रक्षा मंत्री ने जोर देते हुए कहा कि भारत ने लंबे समय से इस सहयोग की आवश्यकता को पहचाना है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में सभी के सुरक्षा और विकास योजना (सागर) की परिकल्पना से प्रेरित होकर, देशों का दृष्टिकोण अब सम्पूर्ण क्षेत्र की समग्र सुरक्षा एवं विकास (महासागर) की परिकल्पना में बदल गया है। उन्होंने कहा कि सागर (समुद्र) से महासागर (महासागर) की ओर यह बदलाव इस क्षेत्र और उससे परे के क्षेत्रों के साझेदारों के साथ जुड़ने की भारत की बढ़ती प्रतिबद्धता दशार्ता है।

श्री राजनाथ सिंह ने देशों को एकजुट करने के भारत के प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि हमने बहुपक्षीय बैठकों और समन्वित गश्त में नियमित रूप से भाग लिया है। हमारी सेनाओं ने मानवीय संकट की स्थिति में त्वरित सहायक कार्रवाई की है तथा हम चक्रवात की स्थिति में समय कई संयुक्त विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र निगरानी और जलवैज्ञानिक सहायता तथा समर्थन अभियानों में शामिल रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि विश्वसनीय विश्व-मित्र के रूप में, भारत इस क्षेत्र में सकारात्मक और भरोसेमंद भूमिका निभाना जारी रखेगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि समग्र समुद्री सुरक्षा और पारस्परिक समृद्धि अविभाज्य हैं और इन्हें केवल समान विचारों वाले देशों के बीच सहयोग, विश्वास और साझा प्रतिबद्धता से ही हासिल किया जा सकता है।रक्षा मंत्री ने 74 देशों की भागीदारी वाले बहुपक्षीय नौसेना अभ्यास मिलन 2026 को भारत पर वैश्विक समुद्री समुदाय के भरोसे का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि मिलन 2026 का उद्देश्य भागीदार देशों की नौसेनाओं के बीच अंतर-संचालनीयता बढ़ाना, पेशेवर अनुभवों और प्रथा साझा कर पेशेवर दक्षता में सुधार लाना और पारस्परिक लाभकारी संबंध विकसित कर मैत्री प्रगाढ़ बनाना है। उन्होंने कहा कि हमारी आकांक्षा अंतरराष्ट्रीय नियमों और अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार नौवहन की स्वतंत्रता पर आधारित एक न्यायसंगत समुद्री व्यवस्था स्थापित करना है।

श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा 2026 विश्व की नौसेनाओं के बीच सद्भावना, व्यावसायिकता और आपसी सम्मान की स्पष्ट तौर पर पुष्टि है। उन्होंने इसे एक सशक्त अनुस्मारक बताया कि भले ही झंडे अलग-अलग हों, लेकिन देश एक ही समुद्री भाषा बोलते हैं, जो वैश्विक संसाधनों को सुरक्षित, संरक्षित और स्थिर रखने की साझा प्रतिबद्धता है।

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने अपने उद्घाटन संबोधन में मिलन सम्मेलन की तुलना समुद्री महाकुंभ से की, जिसमें समूचे विश्व के समुद्री पेशेवर समुद्र को सुरक्षित, संरक्षित और खुला रखने की साझा प्रतिबद्धता और उद्देश्य से एकजुट होते हैं। उन्होंने कहा कि भारत जैसे समुद्री राष्ट्र को यह साफ पता है कि आज की समुद्री चुनौतिया जटिल, परस्पर जुड़ी और अंतर्राष्ट्रीय हैं, जिनका समाधान सहयोग और साझेदारी द्वारा ही सबसे बेहतर तरीके से किया जा सकता है।

नौसेना अध्यक्ष ने कहा कि इस जटिल समुद्री वातावरण के प्रति प्रधानमंत्री मोदी का 'महासागर' दृष्टिकोण साझेदारी और साझे उत्तर-दायित्व पर आधारित समावेशी और सहयोगात्मक दृष्टिकोण है। उन्होंने कहा कि भारत की समुद्री शक्ति के प्रमुख प्रतीक के रूप में, भारतीय नौसेना इसी समावेशी दृष्टिकोण से निर्देशित है। उन्होंने कहा कि मिलकर काम करते हुए, भारतीय नौसेना लगातार विकसित हो रही समुद्री चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक क्षमता बढ़ाना और साझा स्थिति अनुकूलता सुदृढ़ करना चाहती है।

छोटी काशी धर्मनगरी से श्याम भक्तों की यात्रा देती हैं धर्म का संदेश : वेदनाथ महाराज

महंत वेदनाथ महाराज व महन्त चरणदास महाराज ने खाटू श्याम का निशान देकर राजस्थान खाटू धाम के लिए किया रवाना

समाज जागरण, जिला संवाददाता।
(महेन्द्र जावला बहल)

भिवानी, 19 फरवरी। दिनोद गेट स्थित श्याम मंदिर व हनुमान जी के संयुक्त मंदिर से भिवानी की नई अनाज मंडी से जुड़े श्री सांवरिया प्रेम मंडल द्वारा भिवानी से खाटू धाम के लिए आज मोर छड़ी व ध्वज लेकर पैदल यात्रा शुरू की गई है। जिसका शुभारंभ जोगीवाला मन्दिर के महंत वेदनाथ महाराज व महन्त चरणदास महाराज ने खाटू श्याम का निशान देकर राजस्थान खाटू धाम के लिए रवाना किया।

भिवानी में खाटू श्याम का निशान देकर राजस्थान खाटू धाम के लिए पैदल यात्रा को रवाना करते महंत वेदनाथ महाराज व महन्त चरणदास महाराज।

गाजे बाजे व खाटू श्याम मोर छड़ी ,ध्वज व घोड़ी बग्गी पर खाटू श्याम की शोभायात्रा छोटी काशी में निकाली गई और नई अनाज मंडी पहुंची जिसका मंडी वासियों ने श्याम भक्तों का स्वागत किया। मंडी से यह यात्रा सुबह खाटू के लिए रवाना होगी ।जिसमे 111 श्याम भक्तों का जत्था है।

निशान पद यात्रा को शुरू करवाने पहुंचे सिद्ध पीठ जोगीवाला शिव मंदिर धाम के महंत वेदनाथ महाराज ने कहा कि छोटी काशी में इस प्रकार के भक्तिमय कार्यक्रम लगातार जारी है ।इससे संस्कार और संस्कृति तथा देवी देवताओं के प्रति भक्ति जीवित रहती है। उन्होंने आयोजकों व कलाकारों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। महंत वेदनाथ महाराज ने कहा कि इस कलयुग में श्याम बाबा हारे का साहारा के रूप में माने जाते है । उन्होंने कहा कि छोटी काशी में धर्म-कर्म के कार्य सेवा भाव के साथ हमेशा जारी रहते हैं। यही नहीं छोटी काशी का नाम देश और विदेशों में आज भी बड़े गर्व से लिया जाता है। क्योंकि इस नगरी से देश भर में ऐसे दानवीर फैले हुए हैं जिनका नाम सदियों से आज भी बड़े गर्व के साथ लिया जाता है। महंत चरणदास महाराज ने हरिद्वार कहा कि इन दिनों खाटू में श्याम बाबा का फाग महोत्सव जोर शोर के साथ है। देशभर से श्याम भक्त वहां पर पहुंच रहे हैं और अपनी हाजिरी लगा रहे हैं । उन्होंने कहा कि छोटी काशी नगरी से भी हजारों की संख्या में श्याम भक्त मोर छड़ी व पताका के साथ पहुंच रहे हैं।

श्री सांवरिया प्रेम मंडल के पदाधिकारियों ने कहा कि हर वर्ष दिनोद गेट से खाटू श्याम के लिए 111 श्याम भक्तों का जत्था रवाना होता है और उन्होंने कहा कि काफी वर्षों से उनकी यात्रा सामाजिक सौहार्द के संदेश को लेकर बाबा के दरबार में हाजिरी लगाती है ,ताकि देश और प्रदेश में अमन व शांति रहे। इसलिए अवसर पर यात्रा में निशान यात्री अजय गोयल मंडी ,सुनील शर्मा,नन्द लाल हालवासिया, समाजसेवी नरेश कितलानिया, मंगतराम अग्रवाल, मोहित गुप्ता, नवीन गुप्ता,दिलबाग, प्रीतम गुप्ता, योगेश कुमार, राहुल कुमार , समाजसेवी अशोक भारद्वाज सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति व श्याम भगत यात्रा में सामिल रहे।

अज्ञात चोरों ने सोने के आभूषण, नगदी चोरी कर दिया घटना को अंजाम

समाज जागरण

कालांवाली (सुरेश जोरासिया) बीती रात अज्ञात चोरों ने सुरेश कुमार पुत्र सही राम जोशी (जोशी साऊंड़ सर्विस) गांव कालांवाली के घर को निशाना बनाया। प्राप्त सुचना के अनुसार घर में कोई नही था। रात के अंधेरे में अज्ञात चारों ने मुख्य गेट को लांघ कर घर में प्रवेश किया। घर के सभी दरवाजे थे। सुरेश कुमार के पुत्र शेखर ने बताया कि पिता जी तबीयत खराब होने से सारा परिवार चंडीगढ़ दवाई दिलवाने के लिए सुबह 11:00 बजे के करीब घर से चले गऐ। शेखर ने बताया कि हमारा साऊड़ सर्विस का काम है। सुबह जल्दी काम पर जाना था रात 8 बजे के करीब दो पिकअप गाड़ीयों को रोकने के लिए दुकान पर लड़का

काम करता है वह गाड़ीयों को घर में ठहराकर घर से चला गया उसने बताया कि सब कुछ ठीक था। जब हम दुसरी रात को 11 बजे घर पहुचे तो समान बिखरा हुआ मिला। अलमारी से 12 तोले सोना, 25 तोले चांदी एवं 25हजार के करीब नगदी चोरी हो गई। जिसकी सूचना थाना कालांवाली मे दी घटना स्थल पर पुलिस कर्मचारीयों ने जांच शुरू कर दी। जिला डबवाली से विशेष टीम के इंचार्ज रामफल के दिशानिर्देशानुसार आगामी कार्यवाही कि जा रही है। पुलिस के द्वारा सीसीटीवी कमरों की सहायता से जांच कि जा रही है। इंचार्ज रामफल ने बताया कि शीघ्र ही आरोपीयों को पकड़ लिया जाऐगा।

बंदी सिंहों को रिहा न करना देश में घटगिणति सिखों के साथ भेदभाव है : शिरोमणि कमेटी अध्यक्ष धामी

- ज्ञानी हरप्रीत सिंह शिरोमणि कमेटी को बदनाम करने के लिए माफी मांगें, नहीं तो मानहानि का केस किया जाएगा

(रघुनंदन पराशर जैतो दैनिक समाज जागरण चीफ ब्यूरो पंजाब)

अमृतसर ,19 फरवरी:शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की एग्जीक्यूटिव कमेटी (ईसी) की आज हुई मीटिंग में, एक के बाद एक सरकारों द्वारा बंदी सिंहों (सिख कैदियों) के साथ किए जा रहे अन्याय की कड़ी निंदा की गई और इसे देश में माइनॉरिटी सिखों के साथ भेदभाव बताया गया। मीटिंग के बाद मीडिया से बात करते हुए, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी प्रेसिडेंट एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि दिल्ली में भाजपा सरकार के सेंटेंस रिव्यू बोर्ड द्वारा प्रोफेसर देविंदरपाल सिंह भुल्लर की रिहाई की अर्जी को हाल ही में खारिज करना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पहले आम आदमी पार्टी सरकार ने भी यही तरीका अपनाया था, और अब भाजपा सरकार भी सिख विरोधी रास्ते पर चल रही है। उन्होंने इस मुद्दे पर भाजपा के अंदर सिख नेताओं की चुप्पी पर भी सवाल उठाया और कहा कि इससे उनके दोहरे मापदंड सामने आ गए हैं। एडवोकेट धामी ने आगे कहा कि भाई बलवंत सिंह राजोआना समेत बंदी सिंहों को लंबी सजा काटने के बाद भी रिहा न करना मानवाधिकारों का उल्लंघन है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकारों को बंदी सिंहों को बाहरी नहीं समझना चाहिए और हर सिख कैदी जिसने अपनी सजा पूरी कर ली है, उसे तुरंत रिहा किया जाना चाहिए। शिरोमणि कमेटी अध्यक्ष प्रेसिडेंट ने कहा कि ईसी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके की जा रही सिख विरोधी कार्रवाइयों पर भी ध्यान दिया है। उन्होंने कहा कि धर्मों को टारगेट करने वाली गतिविधियों के लिए मॉडर्न टेक्नोलॉजी के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए एक्टिव रूप से काम कर रही है। इस बारे में एक कमेटी बनाई गई है, और लीगल डिपार्टमेंट के जरिए भी कोशिशें की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी अध्यक्ष सिख सिद्धांतों, इतिहास और सोर्स से जुड़ा अपना डेटा बैंक तैयार करेगी ताकि लोगों तक सही जानकारी पहुंच सके। साथ ही, एआई कंपनियों से संपर्क किया जा रहा है, जल्द ही एक मास-रिपोर्टिंग सॉफ्टवेयर लॉन्च किया जाएगा, और जागरूकता अभियान भी चलाए जाएंगे। पूर्व जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह के शिरोमणि कमेटी अध्यक्ष पर लगाए गए आरोपों पर बोलते हुए, जिसमें जीएमएडीएस्कीम के तहत गुरुद्वारा श्री अंब साहिब, साहिबजादा अजीत सिंह नगर (मोहाली) में जमीन के लिए मिले पैसे और गुरुद्वारा श्री भट्ठा साहिब, रोपड़ की जमीन की बिक्री के बारे में बताया गया है, एडवोकेट धामी ने

कहा कि ये आरोप पूरी तरह से बेबुनियाद हैं। उन्होंने साफ किया कि गुरुद्वारा श्री भट्ठा साहिब में जमीन की बिक्री और खरीद से जुड़े सभी लेन-देन पूरी तरह से नियमों के हिसाब से और ट्रांसपेरेंट तरीके से किए गए थे, और इसी तरह,जीएमएडीए द्वारा गुरुद्वारा श्री अंब साहिब, एसएएस नगर (मोहाली) में जमीन के लिए मिली रकम भी नियमों के हिसाब से थी। उन्होंने कहा कि शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी मैनेजमेंट को बदनाम करने और सिख संगत को गुमराह करने के लिए बेबुनियाद आरोप लगाना गलत है।इसलिए, ज्ञानी हरप्रीत सिंह को सबके सामने माफी मांगनी चाहिए, ऐसा न करने पर संबंधित गुरुद्वारों के मैनेजमेंट की तरफ से मानहानि का केस किया जाएगा। सचखंड श्री हरमंदर साहिब के हेड ग्रंथी ज्ञानी रघबीर सिंह के कल प्रेस कॉन्फ्रेंस में लगाए गए आरोपों का ज़िक्र करते हुए एडवोकेट धामी ने कहा कि गंभीरता से सोचने के बाद, ईसी ने उन्हें नोटिस जारी करके 72 घंटे के अंदर अपने आरोपों को साबित करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि ज्ञानी रघबीर सिंह, जो अभी छुट्टी पर हैं, ने बिना कोई ठोस सबूत पेश किए इज्जतदार पद से आरोप लगाकर संस्था और उसके एडमिनिस्ट्रेशन को बदनाम किया है। इसलिए उन्हें तय समय के अंदर लिखित सबूत जमा करने का निर्देश दिया गया है, ऐसा न करने पर उनके खिलाफ सही कार्रवाई की जाएगी।मीडिया से बातचीत करते हुए, एडवोकेट धामी ने गुरुद्वारा श्री अंब साहिब के मैनेजर द्वारा धोखे से बेची गई जमीन के बारे में भी बात की, और कहा कि जांच चल रही है और इसमें शामिल किसी भी अधिकारी, कर्मचारी या बाहरी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। रिपोर्ट आने के बाद दोषी पाए जाने वाले सभी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि भविष्य में किसी भी गलत काम के कारण कर्मचारियों पर लगाई गई चेतावनी या जुमार्ना माफ नहीं किया जाएगा। एडवोकेट धामी ने ऑस्ट्रेलिया में हाल ही में एक सिख पर हुए हमले की भी निंदा की और भारत सरकार से ऐसे मामलों को संबंधित देशों के साथ डिप्लोमैटिक तरीके से उठाने की अपील की। मीटिंग में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट रघुजीत सिंह विर्क, जूनियर वाइस प्रेसिडेंट बलदेव सिंह कल्याण, जनरल सेक्रेटरी शेर सिंह मंडवाला, चीफ सेक्रेटरी कुलवंत सिंह मन्नन, सुरजीत सिंह गढ़ी, सुरजीत सिंह तुगलवाल, सुरजीत सिंह कंग, दलजीत सिंह भिंडर, बीबी हरजिंदर कौर, बलदेव सिंह कायमपुर, मेजर सिंह ढिल्लों, मंगविंदर सिंह खापडखेड़ी, डॉ. जंग बहादुर सिंह राय, मिट्ठू सिंह काहनेके, ओएसडी सतबीर सिंह, सेक्रेटरी प्रताप सिंह, सुखविंदर सिंह, बलविंदर सिंह काहलवां, गुरिंदर सिंह मथरेवाल, निजी सेक्रेटरी शाहबाज सिंह, एडिशनल सेक्रेटरी तेजिंदर सिंह पड्डा, असिस्टेंट सेक्रेटरी गुरदयाल सिंह, बलविंदर सिंह खैराबाद , हरभजन सिंह वक्ता, मैनेजर भगवंत सिंह धंगेडा शामिल थे।

रेलवे द्वारा अमृतसर-मानसी-अमृतसर आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन चलाने का निर्णय

(रघुनंदन पराशर जैतो दैनिक समाज जागरण चीफ ब्यूरो पंजाब)

जैतो,19 फरवरी : उत्तर रेलवे के फिरोजपुर रेल मंडल के वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक परमदीप सिंह सैनी ने वीरवार को बताया कि रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु रेलवे द्वारा निम्नलिखित आरक्षित स्पेशल ट्रेनें का संचालन निम्नानुसार किया जाएगा। ट्रेन 04610/04609 अमृतसर-मानसी-अमृतसर आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन 04610 अमृतसर से मानसी के लिए 24.02.2026, 28.02.2026 तथा 04.03.2026 (तीन ट्रिप) को चलेगी। यह आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस 04610 अमृतसर से रात्रि 20:10 बजे प्रस्थान करके लगभग 30 घंटे के बाद रात्रि 02:30 बजे मानसी पहुँचेगी।

आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन 04609 मानसी से अमृतसर के लिए 26.02.2026, 02.03.2026 तथा 06.03.2026 (तीन ट्रिप) को

चलेगी। यह आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन 04609 मानसी से सुबह 04:00 बजे प्रस्थान करके लगभग 33 घंटे बाद शाम 13:15 बजे अमृतसर पहुंचेगी।

यात्रियों की सुविधा के लिए मार्ग में यह आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन ब्यास, जालंधर सिटी, फगवाड़ा, ढंडारी कलां, सरहिंद, राजपुरा, अंबाला कैंट, यमुनानगर जगाधरी, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, सीतापुर, गोंडा, गोरखपुर, सीवान, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर, शाहपुर पटौरी, बरौनी, बेगुसराय तथा खगड़िया रेलवे स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में ठहरेगी।रेलयात्रियों से आग्रह है कि वे त्योहार स्पेशल ट्रेन का लाभ उठाये और अपनी यात्रा सुगम और आसान बनाए। रेलयात्री यात्रा के दौरान ट्रेन से जुड़ी किसी भी प्रकार की जानकारी या सुझाव के रेल मदद संख्या 139 पर संपर्क कर सकते है। इस नंबर पर यात्री, ट्रेन संबंधित पूछताछ, पीएनआर , टिकट की उपलब्धता, ट्रेन आगमन-प्रस्थान आदि पूछताछ के लिए एक एसएमएस भेजकर भी जानकारी हासिल कर सकते हैं।

फिरोजपुर - दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का बरनाला में ठहराव आज से

(रघुनंदन पराशर दैनिक समाज जागरण चीफ ब्यूरो पंजाब)

जैतो,19 फरवरी : उत्तर रेलवे के फिरोजपुर रेल मंडल द्वारा वीरवार को जारी प्रैस विज्ञप्ति में कहा कि रेलवे विभाग ने रेलयात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 26462/26461 फिरोजपुर कैंट - दिल्ली - फिरोजपुर कैंट वाया बठिंडा

का बरनाला रेलवे स्टेशन पर ठहराव प्रदान किया जा रहा है। यह ठहराव 20 फरवरी 2026 से प्रायोगिक आधार पर प्रदान किया गया है।

हरियाणा में सुशासन पर जोर, मुख्यमंत्री ने की समीक्षा बैठक

समाज जागरण

चंडीगढ़/हरियाणाः हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने संत कबीर कुटीर में मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगियों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक में जिलों में सफाई व्यवस्था, कचरा प्रबंधन, शिकायत निवारण

प्रणाली को और अधिक मजबूत बनाने तथा प्रशासनिक क्षमता बढ़ाने पर विशेष फोकस किया गया।

मुख्यमंत्री ने निर्देश देते हुए कहा कि सुशासन सहयोगी विशेष रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य और सफाई जैसे आवश्यक क्षेत्रों में उपायुक्तों के साथ समन्वय बनाकर काम करें। उन्होंने जोर दिया कि नीतियों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कर आम नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं।

सीएम ने अधिकारियों को जमीनी स्तर पर मॉनिटरिंग बढ़ाने और शिकायतों के त्वरित निस्तारण की दिशा में ठोस कदम उठाने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का लक्ष्य पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन के माध्यम से जनता को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करना है।

बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सुशासन की अवधारणा तभी सफल होगी जब योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक समयबद्ध तरीके से पहुंचे।

जनगणना-2027 को समयबद्ध व सफल बनाने के निर्देश

समाज जागरण

चंडीगढ़/हरियाणाः हरियाणा में जनगणना-2027 की तैयारियों को लेकर मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने आज मंडलायुक्तों, उपायुक्तों और नगर निगम आयुक्तों के एक दिवसीय वर्चुअल सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनगणना प्रक्रिया को पूरी तत्परता, समन्वय और तकनीकी दक्षता के साथ संपन्न कराया जाए।

मुख्य सचिव ने स्पष्ट कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं है, बल्कि यह आने वाले दशक की नीतियों, कल्याणकारी योजनाओं और आधारभूत ढांचे के विकास की मजबूत नींव है। इसलिए सभी संबंधित विभाग इसे सर्वोच्च प्राथमिकता दें और निर्धारित समयसीमा का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि फील्ड स्तर पर तैयारियों की नियमित समीक्षा की जाए, प्रशिक्षण कार्यक्रम समय पर पूरे हों और डिजिटल प्लेटफॉर्म का अधिकतम उपयोग किया जाए, ताकि आंकड़ों की सटीकता और पारदर्शिता बनी रहे।

अनुराग रस्तोगी ने यह भी कहा कि जनगणना राज्य की प्रशासनिक क्षमता, तकनीकी दक्षता और विभागों के बीच समन्वय की बड़ी परीक्षा है। ऐसे में सभी अधिकारी आपसी तालमेल से कार्य करते हुए इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान को सफल बनाने में योगदान दें।

हरियाणा पुलिस के आधुनिकीकरण पर सरकार का जोर

समाज जागरण

चंडीगढ़/हरियाणाः हरियाणा सरकार राज्य की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत और आधुनिक बनाने के लिए लगातार कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पुलिस बल के आधुनिकीकरण को प्राथमिकता देते हुए सरकार आधुनिक हथियारों, उन्नत बुलेटप्रूफ उपकरणों और सुदृढ़ संचार प्रणाली उपलब्ध करा रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि पुलिस तंत्र को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए साइबर लैब की स्थापना, प्रशिक्षण संस्थानों का उन्नयन तथा आधुनिक संसाधनों की उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इन पहलों का उद्देश्य अपराध नियंत्रण क्षमता बढ़ाना और पुलिस की प्रतिक्रिया को अधिक प्रभावी बनाना है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य हरियाणा की सुरक्षा व्यवस्था को देश में सर्वश्रेष्ठ बनाना है। इसी उद्देश्य से प्रदेश में शांति, सुरक्षा और कानून के राज को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने भरोसा जताया कि पुलिस बल के निरंतर आधुनिकीकरण और क्षमता वृद्धि से आमजन को अधिक सुरक्षित वातावरण मिलेगा तथा कानून-व्यवस्था और मजबूत होगी।

नवगठित हांसी जिले में प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने की तैयारी

समाज जागरण

चंडीगढ़/हरियाणाः नवगठित हांसी जिले में प्रशासनिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए राज्य सरकार ने बजट सत्र 2026 से पहले सभी आवश्यक पद सृजित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसका उद्देश्य नए जिले में प्रशासनिक कार्यों का सुचारू संचालन सुनिश्चित करना है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे ग्रुप-A, B, C और D श्रेणियों में आवश्यक पदों का विस्तृत आकलन करें और प्राथमिकता के आधार पर पद सृजन की कार्रवाई समयबद्ध तरीके से पूरी करें।

उन्होंने कहा कि प्रशासनिक ढांचा व्यवस्थित रूप से स्थापित होना आवश्यक है, ताकि नागरिकों को सरकारी सेवाएं बिना किसी बाधा के मिलती रहें। सरकार का फोकस नए जिले में शासन व्यवस्था को तेजी से पटरी पर लाने और सेवा वितरण को प्रभावी बनाने पर है। अधिकारियों के अनुसार, पद सृजन की प्रक्रिया पूरी होते ही विभिन्न विभागों में नियुक्तियां और तैनाती की कार्रवाई भी चरणबद्ध तरीके से शुरू की जाएगी, जिससे हांसी जिले में प्रशासनिक कार्यकुशलता और बेहतर हो सके।

हरियाणा में सूक्ष्म सिंचाई को बढ़ावा, 402.41 करोड़ की चार सौर आधारित परियोजनाओं को मंजूरी

94 गांवों के 8,926 किसानों को मिलेगा सीधा लाभ, 11,040 हेक्टेयर क्षेत्र आएगा आधुनिक सिंचाई के दायरे में

समाज जागरण

चंडीगढ़/समाज जागरण ब्यूरो। हरियाणा सरकार ने सतत कृषि और वैज्ञानिक जल प्रबंधन को प्रोत्साहित करने की दिशा में बड़ा फैसला लिया है। राज्य स्तरीय स्वीकृति समिति ने सूक्ष्म सिंचाई एवं कमान एरिया विकास प्राधिकरण के तहत चार सामुदायिक सौर ऊर्जा आधारित एकीकृत सूक्ष्म सिंचाई परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की है। इन महत्वाकांक्षी परियोजनाओं पर कुल 402.41 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

सरकारी जानकारी के अनुसार ये परियोजनाएं भिवानी, झज्जर, कुरुक्षेत्र और महेंद्रगढ़ जिलों के 20 ब्लॉकों में स्थित 61 नहरी आउटलेट्स पर लागू की जाएंगी। परियोजनाओं का मुख्य उद्देश्य सिंचाई प्रणाली को आधुनिक बनाना, जल की बचत सुनिश्चित करना और किसानों की उत्पादकता बढ़ाना है। इन योजनाओं के लागू होने के बाद प्रदेश का 11,040 हेक्टेयर कृषि योग्य कमांड एरिया आधुनिक सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली के अंतर्गत आ जाएगा। इससे जल उपयोग दक्षता में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है। विशेष रूप से उन क्षेत्रों में, जहां पारंपरिक सिंचाई पद्धतियों के कारण पानी की बबार्दी और असमान वितरण की समस्या रही है, वहां यह पहल काफी प्रभावी साबित हो सकती है।

परियोजनाओं से प्रदेश के 94 गांवों के 8,926 किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। किसानों को सौर ऊर्जा आधारित प्रणाली के माध्यम से सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे बिजली पर निर्भरता कम होगी और सिंचाई लागत में भी कमी आएगी। इससे खेती अधिक लाभकारी और पर्यावरण अनुकूल बनने की संभावना है।

कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि सामुदायिक सौर सूक्ष्म सिंचाई मॉडल हरियाणा जैसे जल संकट झेल रहे राज्यों के लिए दीर्घकालिक समाधान साबित हो सकता है। इससे भूमिगत जल दोहन पर नियंत्रण, ऊर्जा की बचत और फसल उत्पादन में वृद्धि–तीनों लक्ष्यों को एक साथ साधा जा सकेगा।

सरकार की योजना है कि इन परियोजनाओं के माध्यम से किसानों को ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी आधुनिक तकनीकों से जोड़ा जाए, ताकि कम पानी में अधिक सिंचाई संभव हो सके। साथ ही सामुदायिक मॉडल होने के कारण छोटे और सीमांत किसानों को भी इसका लाभ मिलेगा, जो व्यक्तिगत स्तर पर ऐसी तकनीक अपनाने में सक्षम नहीं होते।

विशेषज्ञों के अनुसार जलवायु परिवर्तन और घटते भूजल स्तर को देखते हुए सूक्ष्म सिंचाई को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। हरियाणा सरकार की यह पहल न केवल जल संरक्षण को मजबूत करेगी, बल्कि कृषि क्षेत्र को अधिक टिकाऊ और लाभकारी बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

सरकार को उम्मीद है कि परियोजनाओं के क्रियान्वयन के बाद प्रदेश में आधुनिक, ऊर्जा-कुशल और जल-संरक्षण आधारित कृषि मॉडल को नई गति मिलेगी, जिससे किसानों की आय बढ़ाने के लक्ष्य को भी बल मिलेगा।

हरियाणा में आयुष सेवाओं को मजबूती देने की तैयारी, जल्द शुरू होगी भर्ती प्रक्रिया

भिवानी के 25 बेड वाले सरकारी अस्पताल के लिए विभिन्न पदों को मंजूरी

समाज जागरण

चंडीगढ़/समाज जागरण ब्यूरो। हरियाणा सरकार ने प्रदेश में आयुष चिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने आयुष अस्पतालों में लंबे समय से रिक्त पड़े पदों को शीघ्र भरने के निर्देश जारी किए हैं। सरकार का उद्देश्य है कि आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी आधारित सेवाओं की उपलब्धता और गुणवत्ता में व्यापक सुधार किया जा सके, ताकि आमजन को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। स्वास्थ्य मंत्री ने स्पष्ट किया कि प्रदेश में आयुष पद्धति के प्रति लोगों का रुझान लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में अस्पतालों में डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ और अन्य आवश्यक कर्मियों के पद खाली रहने से सेवाओं के सुचारु संचालन में बाधा आती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भर्ती प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर शुरू कर पारदर्शी तरीके से जल्द पूरा किया जाए।

इसी क्रम में भिवानी जिले के 25 बिस्तरों वाले सरकारी आयुष अस्पताल के लिए विभिन्न पदों को मंजूरी प्रदान की गई है। स्वीकृत पदों पर भर्ती जल्द प्रारंभ होने की संभावना है। इससे न केवल अस्पताल की कार्यक्षमता बढ़ेगी, बल्कि मरीजों को पारंपरिक और समग्र चिकित्सा सेवाएं अधिक व्यवस्थित रूप से उपलब्ध हो सकेंगी।सरकार का मानना है कि आयुष चिकित्सा प्रणाली आधुनिक स्वास्थ्य व्यवस्था की पूरक भूमिका निभा रही है। ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में विशेष रूप से आयुर्वेद और योग आधारित उपचार के प्रति लोगों का भरोसा बढ़ा है। ऐसे में पर्याप्त स्टाफ और संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करना समय की मांग है।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार भर्ती प्रक्रिया शुरू होने के बाद चरणबद्ध तरीके से अन्य आयुष संस्थानों में भी रिक्त पद भरे जाएंगे। इससे प्रदेशभर में आयुष नेटवर्क मजबूत होगा और मरीजों को अपने नजदीक ही उपचार की सुविधा मिल सकेगी।

विशेषज्ञों का कहना है कि आयुष सेवाओं के विस्तार से न केवल पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि स्वास्थ्य प्रणाली पर बढ़ते दबाव को भी कम करने में मदद मिलेगी। योग और आयुर्वेद आधारित जीवनशैली पर जोर देने से रोगों की रोकथाम में भी सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने अधिकारियों से यह भी सुनिश्चित करने को कहा है कि भर्ती के साथ-साथ अस्पतालों में आवश्यक दवाओं, उपकरणों और बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता भी बेहतर बनाई जाए। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि हर नागरिक को किफायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिलें।

प्रदेश सरकार के इस कदम को आयुष क्षेत्र के सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भर्ती प्रक्रिया पूरी होने के बाद भिवानी सहित पूरे हरियाणा में आयुष सेवाओं को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

मादीपुर में संदिग्ध स्कूटी सवार गिरफ्तार, अवैध बटनदार चाकू बरामद

गश्त के दौरान पुलिस की सतर्कता से चोरी की स्कूटी का खुलासा

समाज जागरण

नई दिल्ली/समाज जागरण ब्यूरो। पश्चिमी जिले की मादीपुर पुलिस पोस्ट की टीम ने गश्त के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए एक संदिग्ध स्कूटी सवार को पीछा कर दबोच लिया। तलाशी में आरोपी के कब्जे से अवैध बटनदार चाकू बरामद हुआ, जबकि जांच में स्कूटी चोरी की पाई गई।

पुलिस के अनुसार, मादीपुर क्षेत्र में नियमित गश्त के दौरान पुलिस टीम की नजर एक संदिग्ध स्कूटी सवार पर पड़ी। पुलिस को देखते ही वह भागने लगा, जिस पर टीम ने तत्परता दिखाते हुए उसका पीछा किया और

कुछ दूरी पर उसे काबू कर लिया। जांच के दौरान जब स्कूटी सवार की तलाशी ली गई तो उसके पास से एक अवैध बटनदार चाकू बरामद हुआ। वाहन के दस्तावेजों की जांच करने पर स्कूटी चोरी की निकली। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी से पूछताछ जारी है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि वह किसी गिरोह से जुड़ा है या नहीं तथा चोरी की अन्य वारदातों में उसकी क्या भूमिका रही है।

पश्चिमी जिला पुलिस ने कहा है कि क्षेत्र में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए गश्त और सघन चेकिंग अभियान लगातार जारी रहेंगे। पुलिस ने आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

छूलकारी के जंगल में सज रहा अवैध '52 पत्ती' का अड्डा, कोतमा निवासी कमलेश गुप्ता पर जुआ खिलाने का आरोप

जगह बदल-बदलकर जंगल और नदी किनारे लगाया जा रहा फड़, ग्रामीणों में आक्रोश; पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग

समाज जागरण

जमुनाझकोतमा। ग्रामीण क्षेत्र में एक बार फिर अवैध जुए का कारोबार तेजी से पैर पसारता नजर आ रहा है फूनगा चौकी अंतर्गत छूलकारी के जंगल में नदी किनारे सुनसान स्थानों पर प्रतिदिन '52 पत्ती' (ताश) का जुआ संचालित किए जाने की शिकायतें सामने आई हैं स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया है कि कोतमा निवासी कमलेश गुप्ता द्वारा जंगल के सुरक्षित और एकांत स्थानों का चयन कर नियमित रूप से जुआ खिलाया जा रहा है, जिससे क्षेत्र में सामाजिक और आर्थिक असुरक्षा का माहौल बनता जा रहा है

ग्रामीणों के अनुसार कार्रवाई से बचने के लिए जुए का अड्डा लगातार स्थान बदलता रहता है चुलकारी के जंगल के अलावा रक्सा कोलमी और बिजौड़ी गांव के जंगलों तथा नदी किनारे के अन्य सुनसान इलाकों में भी जुआरियों का जमावड़ा देखा जा रहा है शाम ढलते ही इन स्थानों पर बाहरी और स्थानीय लोगों की आवाजाही बढ़ जाती है और देर रात तक हजारों रुपये का दांव लगाया जाता है जंगल और नदी किनारे का क्षेत्र होने के कारण पुलिस की नजर से बचने में जुआ संचालकों को आसानी हो रही है

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस अवैध गतिविधि की चपेट में क्षेत्र के युवा, मजदूर और दैनिक वेतनभोगी व कलारी कर्मचारी वर्ग तेजी से फंसते जा रहे हैं मेहनत की कमाई जुए में हारने से कई परिवार आर्थिक संकट, कर्ज और मानसिक तनाव का सामना कर रहे हैं कई घरों में पारिवारिक विवाद, कलह और सामाजिक अस्थिरता की स्थिति उत्पन्न हो रही है

गौरतलब है कि पूर्व में जमुना कॉलोनी निवासी मुन्ना रजक के एक ही परिवार के 6 लोगों ने जुए में भारी रकम हारने और आर्थिक संकट से परेशान होकर सामूहिक आत्महत्या कर ली थी, जिससे पूरा क्षेत्र स्तब्ध रह गया था इस घटना के बाद भी क्षेत्र में जुए की गतिविधियां पूरी तरह बंद नहीं हो सकीं, जिससे ग्रामीणों में गहरी चिंता और आक्रोश बना हुआ है नागरिकों ने इस मामले को गंभीर बताते हुए फूनगा चौकी प्रभारी सोने सिंह परस्ते, थाना प्रभारी विपुल शुक्ला और पुलिस अधीक्षक मोतिउर रहमान से तत्काल छापामार कार्रवाई कर अवैध जुए के इस कारोबार पर सख्ती से रोक लगाने की मांग की है ग्रामीणों का कहना है कि जंगलों में खुलेआम संचालित हो रहे इस जुए के कारण कानून का भय समाप्त होता नजर आ रहा है और यदि प्रशासन ने शीघ्र प्रभावी कदम नहीं उठाए तो क्षेत्र में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति हो सकती है

सीतामढ़ी गधियां को तीर्थ क्षेत्र घोषित करने पर जेपी साहू ने मुख्यमंत्री का जताया आभार

सनातन एकता यात्रा के संयोजक ने बताया ऐतिहासिक निर्णय, क्षेत्र के विकास और धार्मिक पहचान को मिलेगा नया आयाम

समाज जागरण

जमुना कोतमा राम वन गमन पथ अंतर्गत सीतामढ़ी गधियां को तीर्थ क्षेत्र घोषित करने के लिए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति सनातन एकता यात्रा के संयोजक जेपी साहू ने आभार व्यक्त किया है उन्होंने कहा कि यह निर्णय क्षेत्र की धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और क्षेत्र की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर और मजबूत होगी

जेपी साहू ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के शहडोल आगमन के दौरान इस विषय को शामिल किए जाने से स्थानीय श्रद्धालुओं और क्षेत्रवासियों में उत्साह का वातावरण है उन्होंने कहा कि लंबे समय से सीतामढ़ी गधियां को तीर्थ क्षेत्र का दर्जा दिलाने के लिए प्रयास किए जा रहे थे, जो अब सफल हुए हैं इस ऐतिहासिक घोषणा से क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा तथा स्थानीय लोगों को रोजगार और विकास के नए अवसर प्राप्त होंगे

सनातन एकता यात्रा के संयोजक जेपी साहू ने मुख्यमंत्री के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि यह निर्णय सनातन संस्कृति और आस्था के संरक्षण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में इस क्षेत्र का समग्र विकास होगा और यह स्थल श्रद्धालुओं के लिए प्रमुख आस्था केंद्र के रूप में स्थापित होगा

शहडोल: वन माफिया के गढ़ में घुसकर जांबाज वन अमले की स्ट्राइक; बंधक बनने के बाद भी नहीं छोड़ा शिकार

समाज जागरण

शहडोल। उत्तर वनमंडल शहडोल के अमझोर परिक्षेत्र में बीती रात वन विभाग की टीम ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए साल के कीमती पेड़ों पर कुल्हाड़ी चलाने वाले अंतर्राज्यीय तस्करों के विरुद्ध एक बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक को अंजाम दिया है। तस्करों और उनके परिजनों द्वारा किए गए जानलेवा हमले और वन कर्मियों को बंधक बनाए जाने के बावजूद, वन अमले ने पीछे हटने के बजाय माफिया के मंसूबों को मिट्टी में मिला दिया।

आधी रात को गूंजी कुल्हाड़ियां, एक्टिव हुए 'फॉरेस्ट गार्ड्स'।

वनमंडलाधिकारी (DFO) तरूणा वर्मा ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि 18-19 फरवरी 2026 की दरमियानी रात मुखबिर से सूचना मिली थी कि अमझोर परिक्षेत्र के जंगलों में बेशकीमती साल प्रजाति के वृक्षों की अवैध कटाई की जा रही है। सूचना मिलते ही सर्किल सीधी के डिप्टी रेंजर और जांबाज बीट गार्ड्स की टीम ने अंधेरी रात में ही मोर्चा संभाल लिया।

घेराबंदी कर रंगे हाथों दबोचा, मंदिर की आड़ में छिपा था अवैध खजाना

वन विभाग की टीम ने पूरी रणनीति के साथ जंगल की घेराबंदी की और लकड़ी काटते हुए आरोपियों को रंगे हाथों धर दबोचा। कड़ाई से की गई पूछताछ में तस्करों ने कबूल किया कि उन्होंने अवैध लकड़ी का भारी स्टॉक ग्राम महादेवा स्थित मंदिर की बाउंड्रीवाल और अपने घरों के पास छिपा कर रखा है।

अमले पर जानलेवा हमला और बंधक बनाने की साजिश

जब वन अमला जब्ती की कार्यवाही करने पहुंचा, तो आरोपी नागेन्द्र यादव, सुरेन्द्र यादव, महेन्द्र यादव और बाबूलाल यादव ने अपने परिजनों और महिलाओं के साथ मिलकर टीम पर जानलेवा हमला कर दिया। स्थिति तब तनावपूर्ण हो गई जब माफिया ने वन कर्मियों को बंधक बना लिया। लेकिन वन विभाग के जांबाज डटे रहे और सूचना मिलते ही पुलिस बल ने मौके पर पहुंचकर हस्तक्षेप किया, जिसके बाद स्थिति पर नियंत्रण पाया जा सका।

कड़ी कानूनी कार्यवाही: सलाखों के पीछे जाएंगे हमलावर

वन विभाग ने इस कार्यवाही में भारी मात्रा में साल की लकड़ी जब्त की है। वन अपराध के साथ-साथ शासकीय कार्य में बाधा डालने, जातिसूचक शब्द बोलने और मारपीट करने के आरोप में पुलिस थाना जयसिंहनगर में नामजद एफआईआर दर्ज कराई जा रही है। फिलहाल, घटना स्थल का नजरी नक्शा तैयार कर आरोपियों के विरुद्ध पुख्ता साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।

इस संयुक्त कार्यवाही ने यह साफ कर दिया है कि शहडोल की हरियाली को नुकसान पहुँचाने वाले चाहे कितने भी रसूखदार क्यों न हों, वे कानून के शिकंजे से बच नहीं पाएंगे।

उमरिया जिले में चिकित्सकों का भारी अकाल

जिले में 85 स्वीकृत पदों की जगह 36 चिकित्सक दे रहे सेवाएं मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिलना बनी मृग मरीचिका

समाज जागरण विजय तिवारी

उमरिया --- स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कटिबद्ध सरकार की करनी और कथनी का सही अंदाज लगाने के लिए जिला चिकित्सालय उमरिया में उपलब्ध चिकित्सकों का आंकड़ों ही पर्याप्त है, जहाँ पर जिले भर में स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए जिले की जनसंख्या के अनुपात में 85 चिकित्सकों के पद स्वीकृत किये गए हैं परंतु इनके जगह पर कुल 36 चिकित्सक ही सेवाएं दे पा रहे हैं, अभी भी 59 चिकित्सकों की

कमी बनी हुई है।विषय विशेषज्ञों के अभाव में यह काम साधारण चिकित्सकों से कराया जाता है।चिकित्सकों की इस कमी को लेकर सतत रूप से आवाज उठायी जाती रही है लेकिन नगाड खाने में तूती की आवाज सुनाई नहीं देती की कहावत को चरितार्थ हो रही है उमरिया जिले में चिकित्सकों की इस कमी का असर यहाँ के मरीजों को भुगतना पड़ता है, फिर भी मुख्य चिकित्सा अधिकारी व्ही के चंदेल जी ने जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को संभालने के लिए रात दिन की मशक्कत करते हुए पटरी पर बना रखी है। जिले भर में मरीजों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के लिए लगातार निगरानी करते हुए जिले भर की आवाज को सुनकर उनको स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने का सराहनीय प्रयास करते हैं।मुख्य चिकित्सा अधिकारी का उद्देश्य यह है कि स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिये हमारा अमला सतत रूप से सक्रिय रहकर काम करता है फिर भी अगर कही कोई शिकायत आती है तो त्वरित निदान करा कर चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराया जाता है। गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों को बिषय विशेषज्ञों के अभाव में मेडिकल कालेज भेजकर इलाज कराया जाता है। वैसे भी चिकत्सको की कमी होने के कारण जिले भर के मरीजों का भार जिला चिकित्सालय पर बना रहता है। जिले में डॉक्टरों और विशेषज्ञों के कुल 85 पद स्वीकृत हैं, लेकिन वर्तमान में केवल 36 डॉक्टर और विशेषज्ञ ही सेवाएं दे रहे हैं। यह स्थिति जिला अस्पताल से लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तक बनी हुई है।

जिला व सामुदायिक अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी

जिला चिकित्सालय में भी डॉक्टरों की कमी गंभीर है। यहां डॉक्टर और विशेषज्ञों के 30 स्वीकृत पदों में से केवल 9 पदों पर ही डॉक्टर कार्यरत हैं, जबकि 21 पद खाली हैं। मेडिकल ऑफिसर के 19 स्वीकृत पदों में से सिर्फ एक ही पदस्थ है, जिससे 18 पद रिक्त हैं।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति भी चिंताजनक है। विशेषज्ञों के 11 पद स्वीकृत होने के बावजूद एक भी विशेषज्ञ तैनात नहीं है। डॉक्टरों के कुल 7 पदों में से केवल 3 डॉक्टर कार्यरत हैं, जबकि 4 पद खाली पड़े हैं।

पीएचसी में 18 में से सिर्फ 4 डॉक्टर तैनात

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी डॉक्टरों की भारी कमी है। यहां मेडिकल डॉक्टरों के 18 पद स्वीकृत हैं, लेकिन सिर्फ 4 डॉक्टर ही सेवाएं दे रहे हैं, जिससे 14 पद रिक्त हैं। वर्तमान में जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था 19 बांडेड डॉक्टरों के माध्यम से संचालित की जा रही है।

इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी व्ही.के. चंदेल ने बताया कि रिक्त पदों की जानकारी लगातार उच्च अधिकारियों को भेजी जा रही है। उन्होंने कहा कि कम संसाधनों और सीमित स्टाफ के बावजूद मरीजों को बेहतर सुविधाएं देने का प्रयास किया जा रहा है और स्वास्थ्य विभाग की टीम पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

रीवा: बीच सड़क पर हाई-वोल्टेज ड्रामा; मशहूर हृदय रोग विशेषज्ञ की पत्नी ने 'कथित प्रेमिका' को सरेराह पीटा

समाज जागरण

रीवा। शहर के जाने-माने हृदय रोग विशेषज्ञ (Cardiologist) डॉक्टर केडी सिंह उस वक्त एक बेहद असहज स्थिति में फंस गए, जब उनकी निजी जिंदगी का विवाद बीच सड़क पर तमाशा बन गया। जानकारी के अनुसार डॉक्टर साहब अपनी कार में एक युवती, जिसे उनकी 'कथित प्रेमिका' बताया जा रहा है, के साथ बातचीत कर रहे थे, तभी उनकी पत्नी ने मौके पर पहुंचकर धावा बोल दिया।

सूचना मिलते ही मौके पर पहुँची पत्नी

मिली जानकारी के अनुसार, डॉक्टर केडी सिंह और उनकी पत्नी के बीच पिछले काफी समय से अनबन की खबरें चर्चा में थीं। इसी बीच, गुरुवार को डॉक्टर साहब अपनी गाड़ी में उक्त युवती के साथ शहर में घूम रहे थे। इस बात की भनक जैसे ही उनकी पत्नी को लगी, उन्होंने पीछा किया और घेराबंदी कर कार को रुकवा लिया।

सरेराह 'धुलाई' और वायरल वीडियो

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार रुकते ही डॉक्टर की पत्नी का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने आव देखा न ताव और कार में मौजूद युवती की जमकर धुलाई कर दी। डॉक्टर बीच-बचाव करने की कोशिश करते रहे, लेकिन आक्रोशित पत्नी के सामने उनकी एक न चली।

चचाओं का बाजार गर्म

रीवा के चिकित्सा जगत में इस घटना के बाद से हड़कंप मचा हुआ है। एक प्रतिष्ठित डॉक्टर का नाम इस तरह के विवाद में आने से लोग तरह-तरह की चचाएँ कर रहे हैं। फिलहाल, इस मामले में किसी भी पक्ष की ओर से पुलिस में आधिकारिक शिकायत दर्ज कराने की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन 'पारिवारिक कलह' का यह सार्वजनिक रूप शहर में टॉक ऑफ द टाउन बना हुआ है।

विकसित मानगो बनाना है, जनता का साथ जरूरी है : सुधा गुप्ता

मेयर प्रत्याशी ने मानगो नगर निगम में घर घर पहुंची, मांगा समर्थन

समाज जागरण 19.02.2026
चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)
पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर

जमशेदपुर : मानगो की जनता की सेवक के तौर पर हम काम करने आये है. हम अपनी काम के बदौलत प्यार पाने के लिए जनता के बीच आये है. हम राजनेता नहीं बल्कि सेवक बनकर आप सबके बीच अभी है और मेयर बनकर भी सेवक की ही भूमिका में ही होंगे. एक बार हमको मौका दें. विकसित मानगो बनाने के लिए पूरी दम के साथ जनता के साथ मिलकर और सरकार के सहयोग से काम करेंगे. इसके लिए जनता का वोट और प्यार जरूरी है. यह बातें मानगो नगर निगम की मेयर प्रत्याशी सुधा गुप्ता ने कहीं. श्रीमति गुप्ता गुरुवार को मानगो क्षेत्र में घर घर जनसंपर्क अभियान के दौरान आम लोगों को संबोधित कर रही थी. उन्होंने लोगों के बीच एजेंडा भी अपना बताया. मेयर प्रत्याशी सुधा गुप्ता ने मानगो शांतिनगर, जवाहर नगर रोड नंबर 4, समतानगर, इंदिरा कॉलोनी, कल्याण विहार, रिपिट कॉलोनी, साईं मंदिर बस्ती, पारडीह, युवराज इनक्लेव, डिमना रोड, पोस्ट ऑफिस रोड में करते हुए लोगों से समर्थन मांगा. उनकी सादगी, सहज व्यवहार और स्थानीय मुद्दों की समझ ने उन्हें वार्ड की जनता के बीच लोकप्रिय बना दिया है. प्रचार के दौरान वे सीधे मतदाताओं के द्वार तक पहुंचकर उनकी समस्याएं सुन रही हैं और समाधान का भरोसा दिला रही हैं. मानगो नगर निगम चुनाव की मेयर प्रत्याशी सुधा गुप्ता ने कहा है कि नाली, सड़क, पेयजल, सफाई और स्ट्रीट लाइट जैसी मूलभूत सुविधाओं को दुरुस्त करना उनकी पहली प्राथमिकता होगी. उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि का दायित्व सिर्फ चुनाव जीतना नहीं, बल्कि जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं का स्थायी समाधान करना है. जनसंपर्क अभियान के दौरान उन्होंने मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि आगामी 23 फरवरी को अपने अपने घरों से निकलकर कार्पेट के निशान क्रम संख्या 11 नंबर पर वोट डाल कर उन्हें विजयी बनाएं, ताकि मानगो नगर निगम में पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता के किए गए विकास कार्यों को विकास आगे बढ़ाया जा सके।

टाटानगर से कीताडीह मार्ग पर चला बुलडोजर, 24 से अधिक अवैध दुकानें हटाई गईं

समाज जागरण 19.02.2026
चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)
पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर

जमशेदपुर :टाटानगर रेलवे स्टेशन से कीताडीह जाने वाले मुख्य मार्ग को गुरुवार को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। पुलिस और रेल पथ निरीक्षक की निगरानी में आरपीएफ की टीम सुबह से बुलडोजर लेकर मौके पर पहुंची और अवैध रूप से बनी दुकानों व कब्जों को हटाना शुरू किया।

इस दौरान गोलपहाड़ी क्षेत्र सहित छोटे-बड़े करीब 24 से अधिक दुकानों को ध्वस्त किया गया। कार्रवाई के समय बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा ताकि किसी तरह की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो।

गौरतलब है कि इससे एक दिन पूर्व बुधवार को आरपीएफ और जीआरपी की टीम ने माइकिंग कर दुकानदारों को हटने की सूचना दी थी। बावजूद इसके कई दुकानदारों ने दुकानें नहीं हटाईं, जिसके बाद गुरुवार को बुलडोजर कार्रवाई की गई।

रेलवे नहीं कर पाया वैकल्पिक व्यवस्था

22 जनवरी को हाईकोर्ट ने इस मामले में आदेश देते हुए स्टेशन चौक से कीताडीह जाने वाली सड़क किनारे वर्षों से बसे दुकानदारों को एक माह की मोहलत दी थी। साथ ही रेलवे को 42 दिनों के भीतर उन्हें रेलवे क्षेत्र में वैकल्पिक स्थान पर बसाने का निर्देश दिया गया था और समयसीमा के बाद रिपोर्ट दाखिल करने को कहा गया था।

मामले की अगली सुनवाई 20 मार्च को निर्धारित है। हालांकि अब तक रेलवे यह तय नहीं कर पाया है कि दुकानदारों को कहां पुनर्वासित किया जाएगा। कार्रवाई के दौरान कई दुकानदारों ने नाराजगी जताई और कहा कि बिना वैकल्पिक व्यवस्था के दुकान तोड़ना उनके रोजगार पर सीधा हमला है। प्रशासन का कहना है कि यह कार्रवाई न्यायालय के आदेश के अनुपालन में की गई है और आगे भी अतिक्रमण हटाने का अभियान जारी रहेगा।

जय शिवाजी के जयघोष से गूंजा सातारा, 12 हजार युवाओं ने लिया विकसित भारत का संकल्प

समाज जागरण

स्वराज के महानायक, सुशासन के प्रणेता और भारतीय संस्कृति के गौरव छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर सातारा की ऐतिहासिक धरती राष्ट्रभक्ति और युवा शक्ति के अभूतपूर्व उत्साह से सराबोर नजर आई।

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के स्वायत्तशासी संगठन मेरा युवा भारत (माय भारत) द्वारा जिला प्रशासन सातारा के सहयोग से आयोजित जय शिवाजी, जय भारतह्न पदयात्रा में पूरे महाराष्ट्र से आए 12 हजार से अधिक माय भारत स्वयंसेवकों ने शामिल होकर शिवाजी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके आदर्शों पर चलकर विकसित भारत निर्माण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सातारा के ऐतिहासिक रजवाड़ा परिसर से हुआ, जहां केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्यमंत्री रक्षा निखिल खडसे ने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। महाराष्ट्र के राज्यगीत के साथ कार्यक्रम की भव्य शुरूआत हुई। केंद्रीय राज्यमंत्री रक्षा निखिल खडसे ने स्वयं मशाल थामकर पदयात्रा का नेतृत्व किया। उनकी अगुवाई में कई हजार युवा हाथों में तिरंगा, माय भारत का ध्वज और भगवा पताका लिए कदम से कदम मिलाकर विकसित भारत रचने का संकल्प दोहराते हुए आगे बढ़े।

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्यमंत्री रक्षा निखिल खडसे ने युवा शक्ति को संबोधित करते हुए कहा कि जय शिवाजी, जय भारत पदयात्रा का उद्देश्य युवा पीढ़ी को वीर शिवाजी के महान जीवन गाथा से परिचित कराना है ताकि युवा भी स्वयं में अदम्य साहस, जीवंत प्रेरणा और नव ऊर्जा का संचार कर विकसित भारत निर्माण में योगदान देने के लिए सहभागी बने। युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देना चाहिए।

वहीं महाराष्ट्र सरकार से कैबिनेट मंत्री शंभुराज विजयादेवी शिवाजीराव देसाई ने अपने संबोधन में छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन, विचारों और मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से उनके आदर्शों को आत्मसात करने का आह्वान किया और कहा कि स्वराज की स्थापना कर वीर शिवाजी ने संदेश दिया कि आत्मसम्मान, न्याय और जनहित सर्वोपरि हैं।

पदयात्रा रजवाड़ा से प्रारंभ होकर गोलबाग, राजपथ, शाहू चौक और अन्य प्रमुख मार्गों से होते लगभग 2.5 किमी दूरी तय करते हुए पोवई नाका तक पहुंची। पूरे मार्ग में जगह-जगह नागरिकों और सामाजिक संगठनों द्वारा पदयात्रा का भव्य स्वागत किया गया। विभिन्न स्थानों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां कलाकारों ने पारंपरिक मराठी लोकनृत्य, लेझीम, ढोल-ताशा वादन और युद्ध कौशल की प्रस्तुति देकर शिवाजी महाराज की वीरता और मराठी गौरव की झलक प्रस्तुत की। इन प्रस्तुतियों ने युवाओं में नई ऊर्जा का संचार किया।

कार्यक्रम में शामिल युवाओं के उत्साह का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वे पारंपरिक मराठी वेशभूषा में सुसज्जित होकर पदयात्रा का हिस्सा बने। युवतियां नौवारी साड़ी और युवाओं ने पारंपरिक पगड़ी और धोती-कुर्ता पहनकर शिवाजी महाराज की परंपरा को जीवंत कर दिया। ढोल-ताशों की गूंज और जय शिवाजी, जय भारतह्न, ह्नमाय भारत, विकसित भारतह्न जैसे नारों से पूरा शहर गूंज उठा।

पदयात्रा के दौरान युवाओं के लिए लगाए गए विशेष सेल्फी स्टैंड आकर्षण का केंद्र बने जहां युवाओं ने खूब सेल्फी ली और माय भारत के क्यूआर कोड को स्कैन कर स्वयंसेवक बनने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण किया। माय भारत पोर्टलपर पंजीकरण कर युवाओं ने राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने की अपनी प्रतिबद्धता जताई। इस आयोजन के माध्यम से बड़ी संख्या में युवाओं ने माय भारत से जुड़ने में रुचि दिखाई, जो भविष्य में राष्ट्र निर्माण की विभिन्न गतिविधियों में अपनी भूमिका निभाएंगे।

कार्यक्रम के दौरान युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं और अभियानों से संबंधित डॉक्यूमेंट्री वीडियो का भी प्रदर्शन किया गया। इन वीडियो के माध्यम से युवाओं को राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका, नेतृत्व क्षमता के विकास और सामाजिक परिवर्तन में योगदान के लिए प्रेरित किया गया। विशेष रूप से ह्यविकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉगह्न के एंथम का प्रदर्शन युवाओं के लिए प्रेरणादायक रहा, जिसने उन्हें देश के भविष्य के निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में माय भारत प्लेटफॉर्म पर संचालित बजट क्वेस्ट क्विज 2026 की भी जानकारी दी गई।

कार्यालय नगर परिषद् बकहो जिला- शहडोल (म०प्र०)

नेशनल हाईवे मेन रोड बकहो (Ph-9755485693) E-mail: cmobakho.shahdol(@mpurian.gov.in

क्र./328/न.पा./ लो.नि./2025-26 बकहो, दिनांक - 13/02/2026

ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रण सूचना

एतद द्वारा समस्त जेम पोर्टल पर पंजीकृत संविदाकार को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद बकहो जिला शहडोल म०प्र० निकाय अन्तर्गत सामग्री हेतु ऑनलाईन अधिक व कम दर निविदायें जेम पोर्टल पर पंजीकृत सविदाकार से निम्नानुसार सामग्री हेतु दरें आमंत्रित की जाती है-

अनुसूची

क्र० स०	ई- निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	अमानत राशि	समयावधि
1	2	3	4	5
1	GEM/2026/B/7236646	नगर परिषद् बकहो हेतु पार्षद बोर्ड	9000.00	01 माह
2	GEM/2026/B/7736666	नगर परिषद् बकहो हेतु 3 सीटर बेंच (20 रेड स्टोन एवं 30 कास्ट आयरन) क्रय	10000.00	03 माह

1. इच्छुक संविदाकार विस्तृत जानकारी बेवसाईट www.Gem.gov.in पर ऑनलाईन देख सकते है।
2. निविदा में संशोधन / परिवर्तन/परिवर्धन होने की दशा में सूचना ऑनलाईन ही जारी होगी पृथक से कोई सूचना किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं की जावेगी।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद् बकहो
जिला शहडोल (म०प्र०)

आपसी विवाद में दो पक्षों में मारपीट केस दर्ज

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी।। जंसा थाना क्षेत्र के चौखण्डी गांव में आपसी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट और तोड़फोड़ का मामला सामने आया है। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर कुल आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।गांव के प्रधान रामबाबू ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि उनके कार्यालय के पास रहने वाला संतोष कुमार पटेल पुत्र गिरजा शंकर, निवासी गद्दोपुर, थाना जंसा आए दिन गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देता है।प्रधान के अनुसार, उनका भांजा रेलवे फाटक की ओर से घर लौट रहा था, तभी आरोपी ने उसे रोककर गाली दी और विरोध करने पर उसके सिर पर ईंट से वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। बीच-बचाव करने पहुंचे प्रधान पर भी ईंट से हमला करने का आरोप है।वहीं, दूसरे पक्ष से संतोष कुमार पटेल ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया कि विपक्षी लोगों ने उनकी दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे और टीवी तोड़ दिए।

आरोप है कि दुकान के बाहर खड़ी दो जेसीबी और दो मोटरसाइकिलों को ईंट-पत्थर और लाठी से क्षतिग्रस्त कर दिया गया। आलमारी में रखे करीब ढाई लाख रुपये और कैमरे का डीवीआर उठा ले जाने का भी आरोप लगाया गया है। डीवीआर ले जाने से कैमरों में रिकॉर्ड साक्ष्य भी नष्ट हो गया। जाते समय जान से मारने की धमकी देने की बात भी कही गई है।थाना प्रभारी जंसा अनिल शर्मा ने बताया कि दोनों पक्षों की शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।

जन्मदिन पर पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी।। अपने जन्मदिन के मौके पर राहुल सिंह पटेल ने सामाजिक सरोकार और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए पौधरोपण किया। बचपन से ही सामाजिक विचारधारा से जुड़े रहे श्री पटेल सदैव समाजहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं।उन्होंने बताया कि वे पिछले लगभग 10 वर्षों से निरंतर पर्यावरण संरक्षण के कार्यों में सक्रिय हैं। इस अवधि में उन्होंने लगभग 500 से अधिक पौधे स्वयं लगवाए हैं कभी लोगों को पौधे वितरित कर, तो कभी स्वयं विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर पौधरोपण कर। उनका यह प्रयास केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि समाज और प्रकृति के प्रति उनकी सच्ची प्रतिबद्धता का प्रतीक है।श्री पटेल ने कहा कि समाज और

पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारी केवल शब्दों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे व्यवहार में भी लाना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से वे हर वर्ष अपने जन्मदिन पर एक पौधा अवश्य लगाते हैं, ताकि प्रकृति संरक्षण का संदेश समाज तक पहुंचे।उन्होंने अपने सभी मित्रों, साथियों एवं शुभचिंतकों से भी आग्रह किया कि वे अपने जन्मदिन जैसे विशेष अवसरों पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं। उनका मानना है कि यदि प्रत्येक व्यक्ति वर्ष में एक पौधा भी लगाए, तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा सकारात्मक बदलाव संभव है।समाज में उनके प्रति आदर्श और सम्मान की भावना उनके निरंतर सामाजिक कार्यों का परिणाम है। इस अवसर पर उपस्थित साथियों ने भी उनके इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा की और पर्यावरण संरक्षण के इस संकल्प में सहभागी बनने का वचन दिया।

महामृत्युंजय महायज्ञ के निमित्त भव्य कलश यात्रा का आयोजन

बिकास राय ब्यूरो चीफ गाजीपुर
दैनिक समाज जागरण

गाजीपुर जनपद के भांवरकोल ब्लाक क्षेत्र के ग्राम पंचायत शेरपुर खुर्द में हनुमान मंदिर परिसर में नौ कुंडीय महामृत्युंजय महायज्ञ के निमित्त गुरुवार को भव्य कलश यात्रा पूरे श्रद्धा, एवं भक्तिभाव से निकाली गई। सुबह से ही यज्ञशाला परिसर में हजारों की संख्या में श्रद्धालु महिलाओं, कन्याओं एवं पुरुषों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सिर पर कलश धारण किए श्रद्धालु पारंपरिक वेशभूषा में बैंड-बाजे, ढोल-नगाड़ों के बीच एक दर्जन से अधिक घोड़े ,हाथी के साथ हर हर महादेव के धार्मिक जयघोष के साथ शेरपुर खुर्द गांव की परिक्रमा करते हुए शेरपुर कला के प्रमुख मार्गों से होते हुए कलश यात्रा यज्ञशाला से प्रारंभ होकर मां गंगा के घाट शेरपुर स्थित गंगा घाट पहुंची । रास्ते में जगह-जगह पुष्प वर्षा की जा रही थी। गंगा घाट पर विद्वत पंडितों ने विधिविधान से मंत्रोचार के बीच गंगा जल भरकर श्रद्धालु पुनः यज्ञ स्थल लौटे। यज्ञशाला पहुंचने पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यज्ञाचार्य गोवधड्डन शर्मा एवं नरेन्द्र भार्गव ने पंचांग पूजन, मंडप प्रवेश, मंडप पूजन एवं वेदी प्रतिष्ठा, करती मंथन, अग्नि प्राकट्य संपन्न कराई गई। इसके साथ ही नौ दिव्य नवकुंडीय महामृत्युंजय महायज्ञ का विधिवत शुभारंभ हुआ।इस महायज्ञ के अध्यक्ष आयोजनकर्ता श्री अनंत विभूषित जगतगुरू अनंतानन्द सरस्वती महराज पीठाधीश्वर राजगुरु मठ वाराणसी के नेतृत्व में पंचांग पूजन, मंडप प्रवेश एवं वेदी प्रतिष्ठा, 19 फरवरी को अग्नि मंथन एवं अग्नि पूजन तथा 27 फरवरी 2026 को यज्ञ पूणार्हुति, विशाल भंडारा एवं संत विदाई का आयोजन किया जाएगा। महायज्ञ के दौरान प्रतिदिन सत्संग एवं अमृतमयी कथा ख्यातिलब्ध कथावाचक अपने मुखार बिंन्दू से कथा का रसपान कराएंगे। कथा वाचन का समय दोपहर सायं 3 बजे तक एवं सायं 6 बजे से रात्रि 9 बजे तक निर्धारित किया गया है। इस मौके पर गोवर्धन शर्मा, नरेन्द्र भार्गव,इन्दजीत मिश्र मृत्युंजय शर्मा, सुरेन्द्र शर्मा,रामानंद जी, लल्लन राय,धर्मेन्द्र राय, हेमनाथ राय, रमेश राय, राजेश राय बागी, मिथिलेश राय, रामबली राय, आनंद राय, ओमप्रकाश राय, डा०आलोक राय, जयानंद राय, अमरनाथ राय, धन्नजय राय, राहुल राय, सुदामा यादव, जयप्रकाश राय, नरेंद्र राय, दीपू राय, संजीव राय,आशीष राय, अंजनी राय, बब्बू राय, सौरभ राय , रोशन राय, सहित काफी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

काशी केरल संमोत्सव के आयोजन से संस्कृतियों का होगा मिलन

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी।। इंस्टीट्यूट ऑफ फाईन आर्ट्स, घमाहापुर, गंगापुर मैं कशी केरल संगमोसव का आयोजन किया जा रहा है।वाराणसी मैं यह आयोजन पहली बार हो रहा है। इस बात की जानकारी देते हुए काशी इंस्टीट्यूट आफ फाइन शब्द का महापुर गंगापुर में निदेशक डॉक्टर अवधेश सिंह और संगीतज्ञ अभ्रादिता बनर्जी ने बताया कि यह आयोजन भारत भवन, त्रिवेंद्रम, केरल की और से आयोजित है। यह आयोजन इंस्टीट्यूट आफ फाइन आर्ट्स संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होगी। डॉ अवधेश सिंह ने बताया कि वाराणसी में पहली बार 'केरलझकाशी संगमोत्सव-2026' का आयोजन दिनांक 25 से 27 फरवरी तक होगा। इसमें सांस्कृतिक आदान-प्रदान के क्रम में तैय्यम, कुड़ीअट्टम, मोहिनीअट्टम, भरतनाट्यम तथा कथक नृत्य की प्रस्तुति होगी।

दक्षिण भारतीय नृत्यों की त्रिदिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन 25 फरवरी 2026 को सुबह 10 बजे होगा तथा 27 फरवरी को समापन समारोह में इन नृत्यों की भव्य प्रस्तुति इंस्टीट्यूट ऑफ फाईन आर्ट्स, वाराणसी के मुक्ताकाशी मंच पर शाम 5 बजे से होगी।

संगीत विशेषज्ञ अभ्रादिता बनर्जी ने बताया कि तैय्यम केरल की एक पारंपरिक नृत्य है। जिसकी जड़ें केरल की प्राचीन जनजातीय और 'द्रविड़' लोक कलाओं में हैं। यह आनुष्ठानिक नृत्य शैली उस समय से प्रचलन में है जब लोग प्रकृति, पूर्वजों और ग्राम देवताओं की पूजा करते थे। कुड़ीअट्टम दुनिया का सबसे पुराना जीवित संस्कृत नाट्य माना जाता है, जिसका इतिहास 2000 वर्ष से भी अधिक पुराना है। मोहिनीअट्टम का इतिहास 16वीं शताब्दी के ग्रंथों में मिलता है। त्रावणकोर के राजा स्वाति तिरुनाल के शासनकाल में मोहिनीअट्टम को अपना आधुनिक स्वरूप मिला। उन्होंने इसके लिए संगीत की रचना की और इसे एक शास्त्रीय पहचान दी। भरतनाट्यम एक अत्यंत प्राचीन नृत्य परंपरा है जिसका आधार नाट्यशास्त्र में मिलता है। पहले इसे मंदिरों में देवदासियों द्वारा भगवान की आराधना के रूप में प्रस्तुत किया जाता था, बाद में यह मंचीय शास्त्रीय नृत्य के रूप में विकसित हुआ। उत्तर भारतीय शास्त्रीय नृत्य कथक का नाम संस्कृत शब्द 'कथा' से आया है, जिसका अर्थ है "कथा सुनाने वाला"। यह नृत्य प्राचीन भारत के मंदिरों में 'कथकों' कहानीकारों द्वारा शुरू हुआ।संगमोत्सव के लिए केरल से 15 कलाकारों का एक दल 24 फरवरी को वाराणसी आ रहा है।

बबियांव गांव स्थित जयश्री नर्सरी में रॉकफेलर फाउंडेशन के प्रतिनिधि का दौरा

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी।क्षेत्र के बबियांव गांव स्थित जयश्री नर्सरी (जय श्री बाग) में गुरुवार को अमेरिका की प्रतिष्ठित संस्था रॉकफेलर फाउंडेशन के प्रतिनिधि एंड्रयू स्वीट का प्रेरणादायक दौरा हुआ। इस दौरान एंड्रयू स्वीट ने कल्याण फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड (एफपीओ) से जुड़ी महिला किसानों से संवाद किया और आय में वृद्धि, जैव विविधता संरक्षण, प्राकृतिक खेती, जलवायु परिवर्तन के अनुरूप कृषि प्रणाली तथा कार्बन क्रेडिट जैसे विषयों पर किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि महिला किसान डिजिटल प्लेटफॉर्म, किसान संवाद समूह और आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर स्मार्ट खेती की दिशा में सराहनीय कार्य कर रही हैं। अमेरिकी प्रतिनिधि की टीम ने गांव का भ्रमण कर महिला किसानों से व्यक्तिगत मुलाकात की, उनके अनुभव जाने और जमीनी स्तर पर हो रहे नवाचारों को समझा। इस अवसर पर एंड्रयू स्वीट ने कहा कि चोलापुर कल्याण एफपीओ का मॉडल सतत कृषि, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास का उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसे अन्य क्षेत्रों में भी अपनाया जा सकता है।एफपीओ द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने विश्वास जताया कि वे भविष्य में पुनः अमेरिका से आकर इस पहल को और मजबूत करने में सहयोग करेंगे। उनके दौरे से क्षेत्र के किसानों, विशेषकर महिला किसानों में उत्साह और आत्मविश्वास का माहौल देखा गया। मौके पर जय श्री बाग के डायरेक्टर शैलेंद्र रघुवंशी, सौरभ सिंह समेत दर्जनों लोग मौजूद रहे।

अज्ञात डी सी एम की टक्कर से बाइक सवार की मौके पर मौत

बिकास राय ब्यूरो चीफ गाजीपुर
दैनिक समाज जागरण

गाजीपुर जनपद के मुहम्मदाबाद चितबड़ागांव मार्ग पर करीमुद्दीन पुर स्थित मां कष्टहरणी धाम के पास बलिया की तरफ जा रहे डी सी एम के धक्के से बाईक सवार का निधन हो गया। बुधवार को रात्रि लगभग साढ़े आठ बजे मृतक भीम शुक्ला पुत्र सुरेन्द्र नाथ शुक्ला गांव बिलारी थाना सुखपुरा जनपद बलिया गाजीपुर के मुहम्मदाबाद तहसील क्षेत्र के मलसा अपने ससुराल में आयोजित वैवाहिक कार्यक्रम में भाग लेने जा रहे थे।उसी समय लगभग साढ़े आठ बजे दुर्घटना में अपनी जान गंवा बैठे।अगर यह हेलमेट लगाये होते तो निश्चित रूप से जान बच सकती थी। मृतक का हेलमेट बाईक में टंगा पाया गया।मौके पर पहुंची करीमुद्दीन पुर पुलिस ने बाईक को थाने में भेजा और घटनास्थल पर पहुंचे परिजनों के साथ मृतक को एंबुलेंस से मौके से हास्पिटल भेजा।हास्पिटल में चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।इस दुर्घटना की सूचना मिलते ही परिवार की महिलाएं भी दुर्घटना स्थल पर पहुंच गयी थी।उनके रूदन एवं चित्कार से घटना स्थल का माहौल बहुत ही गमगीन हो गया था। थानाध्यक्ष करीमुद्दीन पुर ने बताया की शव को कब्जे में लेकर अंतिम परीक्षण के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया गया।

फार्मर रजिस्ट्री के बगैर किसानों को नहीं मिलेगी कोई सुविधा

– फार्मर रजिस्ट्री किसानों की डिजिटल पहचान।

समाज जागरण

हरहुआ। आज गुरुवार को ग्राम पंचायत औरा पंचायत भवन पर फार्मर रजिस्ट्री अभियान के तहत किसानों को फार्मर रजिस्ट्री के महत्व की जानकारी दी गई। किसानो से बात करते हुए क्षेत्रीय लेखपाल विनोद कुमार ने कहा कि फार्मर रजिस्ट्री किसानों का डिजिटल पहचान है। बिना रजिस्ट्री के कोई भी सरकारी सुविधा नही मिलेगी। हर तीन माह में आने वाला 'किसान सम्मान निधि' भी बंद हो जाएगी। फार्मर रजिस्ट्री होने के बाद हर काम में सुविधा होगी। किसान क्रेडिट कार्ड बनाना आसान हो जाएगा। फार्मर रजिस्ट्री जन सेवा केंद्र, सहायक एप्स, सेल्फ एप्स एवं कृषि विभाग की पोर्टल पर करा भी सकते है। आज 18 लाभार्थियों का रजिस्ट्रेशन किया। सर्वर डाउन होने तथा नाम मिसमैच होने के कारण कई किसानों का फार्मर रजिस्ट्री नहीं हो पाया।

हरहुआ ब्लाक के ग्राम पंचायत औरा कार्यालय पर फार्मर रजिस्ट्री के लिए जुटे किसान।

पंचायत भवन पर ग्राम प्रधान विद्योत्मा देवी ,प्रतिनिधि संजय कुमार, गोपाल यादव, अलका यादव,सुनीता देवी, रंजीत कुमार,भगवानदास पाल, भोला सिंह ,श्री नाथ ,रामफल, छन्नी रमेश ,भरत ,राजदेई ,धन्नो देवी सहित कई किसान उपस्थित रहे।

कचरी का नमूना लेकर26 बोरी खाद्यान्न को किया सीज,लाइसेंस के लिए थमाया नोटिस

समाज जागरण

वाराणसी। होली त्यौहार के दृष्टिगत आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन लखनऊ के निदेर्शानुसार एवं सहायक आयुक्त खाद्य 2 वाराणसी के निदेर्शानुसार आम जन मानस को सुरक्षित खाद्य पदार्थ की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए सचल दल द्वारा जांच अभियान चलाया जा रहा है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज कुमार यादव ने आज राजातालाब तहसील अंतर्गत नेवादा, कपसेठी में तिपहिया वाहन UP 65 NT- 5521 पर विक्रय हेतु रखे कचरी का निरीक्षण किया गया।

खाद्य कारोबारकर्ता संतोष प्रजापति पुत्र उत्तम निवासी ग्राम बनौली द्वारा बिना खाद्य लाइसेंस के वितरण कार्य करते मौके पर पाया गया । गुणवत्ता पर संदेह के आधार कचरी का नमूना जांच हेतु संग्रहित करते हुए गुणवत्ता में कमी के आधार पर 26 बोरो में विक्रय हेतु रखे 518 किलोग्राम लगभग मूल्य 26 हजार को सीज किया गया ।

छतेरी मानापुर में खाद्य कारोबारकर्ता दिनेश केशरी को बिना लाइसेंस खाद्य कारोबार करते पाए जाने पर नोटिस दी गई है। सचल दल में पंकज यादव, जगदीश नारायण सिंह एवं अन्य लोग शामिल रहे।

जैविक किसान मेले में जुटे सैकड़ों किसान, ली अच्छी उपज जानकारी

समाज जागरण रंजीत तिवारी

मिर्जापुर।। नमामि गंगे योजना से जुड़े बायोसर्ट इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सीखड़ विकासखंड के मेडिया गांव में जैविक किसान मेले का आयोजित किया गया। जैविक कृषि मेला में किसानों से जैविक खेती करने का आह्वान किया गया। विशेषज्ञ मास्टर ट्रेनर योगेंद्र कुमार सिंह ने कम लागत में अधिक

उत्पादन के तौर-तरीके बताए। रासायनिक उर्वरक और कीटनाशकों के अंधाधुंध प्रयोग से उपजाऊ भूमि के बदलते स्वभाव एवं लगातार हो रही कार्बन की कमी को लेकर किसानों को आगाह किया। किसानों से पशुपालन कर पशुओं के गोबर से तैयार खाद का प्रयोग करने की अपील किया। किसानों को जैविक विधि से टमाटर,मिर्च,गोभी इत्यादि की हाईटेक नर्सरी डालने की विधि बताई गई। डॉ सुरेश ने किसानों को प्रकृति में जो भी उपलब्ध है , उसका समावेश करके खेती में प्रयोग कर अपनी उपज को बढ़ाने के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन सतीश सिंह ने किया।कार्यक्रम में बालामृत सिंह, शिवामृत सिंह, रामकृपाल सिंह, मनीष सिंह, आलोक सिंह सहित सैकड़ों किसानो ने मेले में आ कर कृषि संबंधित जानकारी ली।

मेगा शिविर : पात्रों का चयन कर लाभार्थियों का करें पंजीकरण- प्राधिकरण सचिव

-अधिकारी लगायें लघु शिविर, अपने अपने विभागों की योजनाओं से करें वंचितों को जागरूक

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

सोनभद्र। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली व राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ की मंशानुरूप, निर्देश अनुपालन में 22 फरवरी 2026 को पंचायत रिसोर्स सेंटर (विकास भवन, कलेक्ट्रेट) सोनभद्र में आयोजित होने वाली बहुउद्देशीय मेगा/वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर की बैठक गुरुवार 19 फरवरी को सचिव की अध्यक्षता में आहूत की गयी। उक्त बैठक में सलन बागे, एल०डी०एम०, विनय कुमार सिंह ए०डी०आई०ओ० सूचना, राजेश कुमार सिंह, ए०डी०पी०आर०ओ०, राजेश कुमार चौधरी, अपर जिला पंचायत अधिकारी, शरद प्रभात श्रीवास्तव, डिप्टी मैनेजर एस०बी०आई० अनुराग सिंह, जे०ई० डूडा विभाग एवं समस्त चीफ ब्यूरो, सोनभद्र की उपस्थिति रही।

डॉ. रानी ठाकुर भाजपा प्रदेश किसान मोर्चा की पदाधिकारी ने जुगसलाई नगर परिषद अध्यक्ष प्रत्याशी के लिए वोट देने की अपील

अभय कुमार मिश्रा, दैनिक समाज जागरण, ब्यूरो चीफ, कोल्हान झारखंड

जमशेदपुर (झारखंड) 19 फरवरी 2026ः जुगसलाई की बेटी डॉ.रानी ठाकुर स्वर्गीय देवराज झा की पुत्री सह भाजपा प्रदेश किसान मोर्चा के सहकारिता प्रकोष्ठ की सह संयोजक ने जुगसलाई नगर परिषद के चुनाव मे आयोजित महिला सम्मेलन मे उपस्थित होकर अध्यक्ष पद की प्रत्याशी रिंकू सिंह को भारी मतों से वोट देकर विजय बनाने की वहां सभी उपस्थित महिला से निवेदन किया और साथ ही उन्हें उनके घर के पुरुषों को भी सभी महिलाओं को जोर देकर वोट देने के लिए आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वह यहां जन्म ली है और पली बढ़ी है यहां के समस्या से भली भांति परिचित है तो उन्हें पूरा विश्वास है कि उन समस्याओं का महिला प्रत्याशी द्वारा जीत होने पर अंत होगा। तो उन्हें ही अपना मत दे यह अपील की हाथ जोड़कर। उन्होंने सभी पर पूरा विश्वास जताया कि वह इसी विश्वास के साथ जा रही है कि सभी उन्हें वोट देकर भारी मतों से उन्हें विजय बनवाएंगे।

ईचागढ़ के झारूआ गांव के पास एक अनियंत्रित ट्रैक्टर सड़क के नीचे पलटी ,चालक जख्मी

पत्रकारों ने मानवता का परिचय देते हुए खाई से घायल को ढोकर उठाया

दैनिक समाज जागरण, संवाददाता, बिकाश

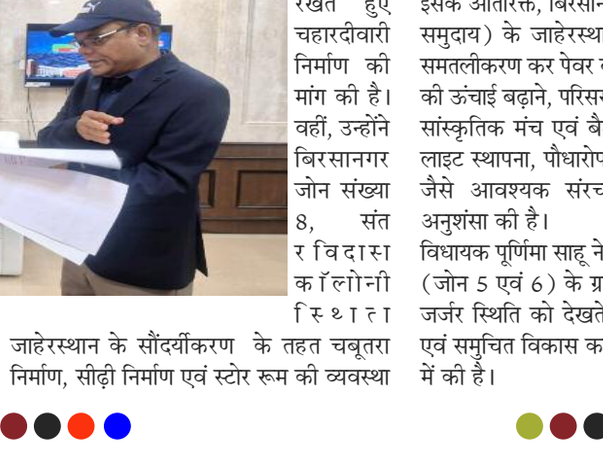

ईचागढ़-थाना क्षेत्र के सिल्ली रांगामाटी सड़क पर झारूआ गांव के पास एक बीना नंबर का अनियंत्रित ट्रैक्टर सड़क किनारे करीब 10 फीट नीचे जाकर पलट गई। ट्रैक्टर पलटने से चालक का बायां पैर टुट कर अलग हो गया। चालक का पहचान चौका थाना क्षेत्र के सीदडीह निवासी अरूण लोहार के रूप में की गई। घटना की सुचना मिलते ही ईचागढ़ थाना के एएसआई सुवालाल सिंह दलवल के साथ एंबुलेंस लेकर पहुंचे और घायल चालक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ईचागढ़ भेज दिया, जहां चिकित्सकों ने बेहतर इलाज हेतु एमजीएम अस्पताल रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि खाली ट्रैक्टर चौका से ईचागढ़ थाना क्षेत्र के जारगोडीह जा रहा था, जहां अनियंत्रित होकर पलट गया। तत्काल स्थानीय पत्रकारों ने घायल को खाई से ढोकर उठाया एवं एंबुलेंस में चढ़ाकर अस्पताल भेजा।ग्रामीणों का कहना है कि प्रतिदिन सैकड़ों बालु लदे ट्रैक्टर तेज रफ्तार से चौका , चांडिल एवं विभिन्न जगहों पर ले जाया जाता है। अधिक ट्रीप करने के चक्कर में कई बार ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया है एवं कई लोगों की जाने भी जा चुकी है। अनियंत्रित बालु लदे ट्रैक्टरों के चलते सड़कों पर वाहन सवारी जान जोखिम में डालकर आवाजाही के लिए मजबुर है।

पूर्वी विधानसभा में जनजातीय आस्था स्थलों के समग्र विकास हेतु विधायक पूर्णिमा साहू ने मंत्री चमरा लिंडा से मुलाकात कर सौंपा विस्तृत प्रस्ताव, शीघ्र स्वीकृति की मांग की

जनजातीय समाज की आस्था के केंद्रों को मिलेगा नया स्वरूप

समाज जागरण 19.02.2026 चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ) पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर

जमशेदपुर पूर्वी की विधायक पूर्णिमा साहू नेअपने विधानसभा क्षेत्र में स्थित विभिन्न जनजातीय समुदायों के पूजा स्थलों एवं सांस्कृतिक केंद्रों के विकास को लेकर पहल की है। गुरुवार को उन्होंने झारखंड सरकार के अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मंत्री चमरा लिंडा से विधानसभा स्थित उनके कक्ष में मुलाकात कर विस्तृत पत्र सौंपा तथा संबंधित मांगों पर त्वरित कार्रवाई का आग्रह किया। विधायक पूर्णिमा साहू ने मंत्री चमरा लिंडा को अवगत कराया कि उनके विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न जनजातीय समाजों द्वारा पूजा स्थलों, सरना स्थलों एवं जाहेरस्थान के संरक्षण और विकास हेतु आवेदन प्राप्त हुए हैं। उन्होंने पत्र में उल्लेख किया है कि टुइलाडूंगरी स्थित देशाउली (सरना स्थल) में कला एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के संचालन के लिए एक सुसज्जित कला-सांस्कृतिक भवन का निर्माण अत्यंत आवश्यक है।

इसी प्रकार, उन्होंने बिरसानगर जोन संख्या 6 स्थित उरांव समाज के सरना स्थल के पुनर्विकास के अंतर्गत बाउंड्रीवाल निर्माण, शेड की व्यवस्था, नाली निर्माण, पेयजल सुविधा, हाईमास्ट लाइट की स्थापना तथा पेवर्स ब्लॉक अधिष्ठापन जैसे

कार्य कराए जाने की आवश्यकता बताई।

विधायक पूर्णिमा साहू ने बागुनहातु, बारीडीह स्थित आदिवासी हो समाज के सरना स्थल की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए चहारदीवारी निर्माण की मांग की है। वहीं, उन्होंने बिरसानगर जोन संख्या 8, संत रविदास कॉलोनी स्थित जाहेरस्थान के सौंदर्यीकरण के तहत चबूतरा निर्माण, सीढ़ी निर्माण एवं स्टोर रूम की व्यवस्था किए जाने का प्रस्ताव रखा।

इसके अतिरिक्त, बिरसानगर स्थित सांताड़ (संथाल समुदाय) के जाहेरस्थान में माझी आखड़ा का समतलीकरण कर पेवर ब्लॉक बिछाने, बाउंड्रीवॉल की ऊंचाई बढ़ाने, परिसर का समतलीकरण कराने, सांस्कृतिक मंच एवं बैठक कक्ष निर्माण, सोलर लाइट स्थापना, पौधारोपण एवं माझी थान निर्माण जैसे आवश्यक संरचनात्मक कार्यों की भी अनुशंसा की है।

विधायक पूर्णिमा साहू ने मुखी समाज, बिरसानगर (जोन 5 एवं 6) के ग्राम देवता सरना स्थल की जर्जर स्थिति को देखते हुए उसके सौंदर्यीकरण एवं समुचित विकास कार्य कराने की मांग भी पत्र में की है।

इस मुलाकात में विधायक पूर्णिमा साहू ने कहा कि ये सभी स्थल जनजातीय समाज की आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक पहचान के केंद्र हैं। वर्षों से मूलभूत सुविधाओं के अभाव के कारण समुदाय के लोगों को धार्मिक अनुष्ठान एवं सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में इन स्थलों के संरचनात्मक विकास की आवश्यकता है और सांस्कृतिक अस्मिता की रक्षा से भी जुड़ा विषय है। उन्होंने मंत्री से आग्रह किया कि जनजातीय समाज की भावनाओं का सम्मान करते हुए इन सभी प्रस्तावित कार्यों की स्वीकृति प्रदान कर शीघ्र क्रियान्वयन हेतु विभागीय स्तर पर आवश्यक निर्देश दिए जाएं।

अपनी करतूतें छिपाने के लिए जंगल विभाग लगा रहा है झूठी फर्जी आख्या

जांच अधिकारी मुख्यमंत्री पोर्टल का उड़ा रहे हैं मजाक, जीरो टार्लेस की उड़ रही धज्जियां

विजय शंकर पाण्डेय जिला संवाददाता/समाज जागरण

सोनभद्र। विकास खंड नगवां मांची वन रेंज के अंतर्गत वन भूमि पर हो रहे अवैध कब्जे को लेकर मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत की गई थी इस मामले की जांच के लिए नवीन राय को आदेशित किया गया जांच अधिकारी के द्वारा जिन दो गवाहों के नाम लिखे या उनका बयान लिखा गया है कि वन भूमि पर कोई कब्जा नहीं किया गया है जिसमे एक व्यक्ति चंदौली जनपद के महदेवा का निवासी है चौखड़ा वन रेंज से कुछ ही दूरी पर है। दूसरा व्यक्ति मंजू यादव जो गोटी बांध गांव का निवासी है कभी इसका नाम मंजू देवी तो कही मंजू यादव लिखा है इस तरह के बयान से कयास लगाए जा रहे हैं कि दूसरा गवाह भी फर्जी है इससे भी वन विभाग नहीं मिला है। दूसरे गवाह मंजू यादव से सेल फोन पर वार्ता कर बयान देने या विभाग का कोई अधिकारी आप से मिला था तो उनका कहना है की एक वर्ष से आज तक कोई जंगल विभाग का अधिकारी मिला ही नहीं है फोन पर बातचीत की पूरी आडियो रिकार्डिंग मौजूद है जिसमे वो साफ तौर पर इनकार कर रहा है।

इस प्रकार यह साबित होता है कि पूरे क्षेत्र में जंगल विभाग की भूमि पर हो रहे कब्जे को लेकर माची वन रेंज के अधिकारी कितने गंभीर है और इनकी संलिप्तता प्रतीत होती है और लगाए हुए आरोप सही है।

झूठी आख्या निस्तारण और वन भूमि पर हो रहे कब्जे को लेकर वन विभाग के एसडीओ से सेलफोन पर वार्ता किया गया तो उन्होंने ने मामले की जांचकर कार्यवाही का भरोसा दिलाया है। अब देखना है कि विभाग इस पूरे प्रकरण में जांच पड़ताल कर कोई कार्यवाही करता है या फिर झूठी आख्या रिपोर्ट लगा कर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है।

क्षेत्राधिकारी ओबरा व खान निरीक्षक की संयुक्त टीम द्वारा सघन चेकिंग में एक अभियुक्त गिरफ्तार व हाइवा वाहन सीज

समाज जागरण/ अनिल कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में अवैध खनन एवं अवैध परिवहन के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी ओबरा अमित कुमार व खान निरीक्षक अतुल दुबे की संयुक्त टीम द्वारा सघन चेकिंग की गई।

चेकिंग के दौरान बग्गा नाला के समीप वाहन संख्या UP64CT2945 (हाइवा) में लगभग 25 घन मीटर अवैध गिट्टी का परिवहन करते हुए पाया गया। टीम को देखकर वाहन चालक मौके से फरार हो गया। वाहन के खलासी द्वारा पूछताछ में बताया गया कि उक्त गिट्टी सोनभद्र माइनिंग वर्क्स, ओबरा से लोड की गई थी। खान निरीक्षक अतुल दुबे की लिखित तहरीर के आधार पर थाना ओबरा पर मु0अ0सं0-34/2026 धारा 303(2), 317(2), 285 बीएनएस एवं धारा 4/21 खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम तथा धारा 3 सार्वजनिक संपत्ति निवारक अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया है।

अभियुक्त चालक मनोज पाल पुत्र राजेन्द्र पाल निवासी रेही थाना घोरावल जनपद सोनभद्र, सह चालक संदीप पाल पुत्र संजय पाल निवासी उपरोक्त तथा सोनभद्र माइनिंग वर्क्स के मालिक (नाम पता अज्ञात) एवं वाहन स्वामी (नाम पता अज्ञात) के विरुद्ध विधिक कार्यवाही की जा रही है। सह चालक को पुलिस हिरासत में लेकर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही प्रचलित है तथा फरार चालक की गिरफ्तारी हेतु प्रयास जारी हैं।

गिरफ्तार करने वाली टीम का विवरण- क्षेत्राधिकारी ओबरा अमित कुमार व खान निरीक्षक अतुल दुबे जनपद सोनभद्र, 02. उ0नि0 राम सिंह यादव थाना ओबरा जनपद सोनभद्र मय पुलिस टीम।

जनपद पुलिस द्वारा अवैध खनन एवं अवैध परिवहन के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सतत रूप से जारी रहेगी।

गड्ढे में फंसने के वजह से बालू लदा ट्रक पलटा, बाल बाल बचा ड्राईवर

विजय शंकर पांडेय जिला संवाददाता/ समाज जागरण

सोनभद्र। घोरावल कोतवाली क्षेत्र के खुटहा गांव में सतौहा पुलिया के पास बृहस्पतिवार सुबह बालू लदा हाईवा पलट गया। हादसे में चालक घायल हो गया, वहीं सड़क पर चल रहे लोग गाड़ी की चपेट में आने से बाल बाल बच गए। रॉबर्ट्सगंज निवासी चालक रमाकांत (35) हाईवा में बालू लाद कर घोरावल मार्केट के मुक्खा रोड पर जा रहा था।

खुटहा बाईपास के रास्ते से जाते समय हर घर नल जल योजना के तहत चल रहे काम के कारण बने गड्ढे में फंस कर गाड़ी पलट गया। हादसे में हाईवा चालक घायल हो गया। घटना के समय आस पास कई ग्रामीण आवागमन कर रहे थे, लेकिन संयोग अच्छा था कि कोई बड़ी घटना नहीं हुई। हाईवा चालक ने पास के निजी अस्पताल में उपचार कराया।

वहीं ग्रामीणों का कहना है कि हर घर नल योजना के तहत क्षेत्र में तमाम जगहों पर सड़कों या सड़क की पटरियों पर गड्ढे बने हुए हैं, जिन्हें ठेकेदार द्वारा सही नहीं कराया जाता। इससे आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं और बराबर हादसे की आशंका बनी रहती है।

वैनी सरई गढ़ मार्ग दुल्लहपुर मोड़ पर सड़क पर बनी खाई, दे रही किसी बड़ी दुर्घटना को दावत

आए दिन राहगीर हो रहे चोटिल, विभाग दे रहा सिर्फ आश्वासन

विजय शंकर पाण्डेय जिला संवाददाता/ समाज जागरण

सोनभद्र। विकास खंड नगवां के वैनी से सरई गढ़ मार्ग पूरी तरह से गड्ढे में तब्दील हो गया है कही कही इतने बड़े बड़े गड्ढे है कि आए दिन राहगीर बाइक सवार गिरकर चोटिल हो रहे है ।

आप को बता दें इस सड़क का निर्माण प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत करीब डेढ़ दशक पूर्व केंद्र की मनमोहन सिंह के कार्यकाल में हुआ था धीरे धीरे सड़क खराब होती गई और अब तो पूरी सड़क ही गड्ढे में तब्दील हो चुकी है सड़क निर्माण को लेकर पूर्व में बहुत जल्द सड़क निर्माण होने की बात प्रकाश में आई लेकिन वही कहानी चरितार्थ हुई , ढाक के तीन पात, कुछ माह पूर्व नगवां ब्लॉक प्रमुख आलोक सिंह ने मीडिया से बात करते हुए कहा था की बैनी मार्केट में 280 मीटर सीसी रोड और करीब डेढ़ किमी सड़क पर पीडब्ल्यूडी द्वारा बहुत जल्द पेंटिंग का कार्य किया जायेगा लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती दिख रही है।

पीडब्ल्यूडी द्वारा पूर्व में बैनी से नगाव मोड़ तक बने गढ़ों में सोलंग डाली गई तो उम्मीद जताई जा रही थी कि पूरे रोड पर बने गढ़ों को भरा जाएगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ आप को बता दें कि बैनी से सरई गढ़ तक रोड की लंबाई लगभग दस से बारह किमी है इसी मार्ग पर दुल्लहपुर मोड़ से सरई गढ़ जाने की ओर बंगाली डॉक्टर के सामने लगभग एक मीटर की चौड़ाई में पूरी सड़क खाई हो गई है जिससे आने जाने वाले राहगीर अक्सर अनियंत्रित होकर गिर जाते है रोड पर चलने वाले तीन पहिया वाहन भी आए दिन पलट जा रहें है लेकिन विभाग आंख बंद कर कुंभकर्णी निद्रा में सोया हुआ है। जब कोई बड़ी दुर्घटना होगी तो इसका जिम्मेदार कौन होगा यह बड़ा सवाल है विभाग अगले वर्ष से ही सड़क निर्माण की बात करने का आश्वासन देता रहा है। लेकिन धरातल पर अभी भी सड़क पूरी तरह गड्ढे में तब्दील है। इस संबंध में विभागीय अभियंता अनुज जायसवाल से सेल फोन पर वार्ता किया गया तो उन्होंने कहा कि चार पांच दिन में कार्य करा दिया जाएगा।

क्षेत्रीय लोगों ने जिलाधिकारी सोनभद्र का ध्यान आकृष्ट कराते हुए संबंधित विभाग को सड़क निर्माण हेतु निर्देशित करने की मांग की है।

जिला कांग्रेस कमेटी सोनभद्र द्वारा जिलाधिकारी को सौंपा गया ज्ञापन

विजय शंकर पांडेय जिला संवाददाता/ समाज जागरण

सोनभद्र। जिला कांग्रेस के कमेटी सोनभद्र के अध्यक्ष रामराज सिंह गोंड के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकताओं तथा पदाधिकारी ने पिछले दिनों उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में प्रदेश अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय सहित कांग्रेस जनों पर लाठी चार्ज की घटना को लेकर महामहिम राज्यपाल महोदय के नाम संबोधित ज्ञापन जिला अधिकारी सोनभद्र के माध्यम से जिला अधिकारी के प्रतिनिधि को सौंपा। कांग्रेस कार्यकताओं ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित गांधी प्रतिमा के पास बैठकर "रघुपति राघव राजा राम, पतित पावन सीताराम" का भजन किया जिला अध्यक्ष रामराज सिंह गोंड ने बताया कि 17 फरवरी 2026 को राष्ट्रीय आवाहन पर मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत विधानसभा घेराव का कार्यक्रम पूर्व निर्धारित था प्रदेश भर के कांग्रेस पदाधिकारी कार्यकर्ता अपने प्रदेश कार्यालय से विधानसभा का घेराव करने शांतिपूर्ण एवं गांधीवादी तरीके से जा रहे थे और सरकार के इशारे पर पुलिस द्वारा निर्दोष कार्यकताओं पर बर्बरता पूर्वक लाठी चार्ज किया गया, जिसमें हमारे प्रदेश अध्यक्ष समेत कई जिलों के कार्यकर्ता प्रदेश पदाधिकारी घायल हुए इसके विरोध में आज हम लोग यहां पर गांधी प्रतिमा के सामने अपने लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए भजन कीर्तन कर रहे हैं और हम महामहिम राज्यपाल महोदय से यह मांग करते हैं कि आम जनता की आवाज उठाने का अधिकार जो राजनीतिक पार्टियों को मिला है उसको लोकतांत्रिक तरीके से करने का उनका हक छीना जा रहा है पुलिस और प्रशासन के बल पर आंदोलन को कुचला जा रहा है, कांग्रेस जन संवैधानिक ढंग से आगे भी धरना प्रदर्शन एवं जनता की आवाज बनकर सरकार के गलत नीतियों का विरोध करते रहेंगे।

उक्त कार्यक्रम में पूर्व प्रदेश सचिव इंजीनियर जितेंद्र पासवान, पूर्व शहर अध्यक्ष राजीव त्रिपाठी, जिला प्रवक्ता कन्हैयालाल पांडेय, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता जितेंद्र देव पांडेय, पिछड़ा प्रकोष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष सेत राम केसरी, दयाशंकर पांडेय, बाबूलाल पनिका, तमेश्वर तिवारी, लल्लू राम पांडेय, शीतला सिंह पटेल, नियाज अहमद खान आदि लोग शामिल रहे।

सड़क सुरक्षा क्लब द्वारा नुक्कड़ नाटक का किया गया आयोजन

अनिल कुमार अग्रहरी/ समाज जागरण

ओबरा/ सोनभद्र। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ओबरा, सोनभद्र में महाविद्यालय के सड़क सुरक्षा क्लब द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डॉ0 प्रमोद कुमार द्वारा सर्वप्रथम महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा के नियमों से अवगत कराया, तत्पश्चात छात्र-छात्राओ द्वारा नुक्कड़ नाटक किया गया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगो को सड़क सुरक्षा के नियमों से अवगत कराया गया, सड़क पर चलते समय क्या-क्या सावधानियां होनी चाहिए जिससे अप्रत्याशित घटनाएं न हो सके, इसके बारे में भी नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सभी को अवगत कराया गया। सड़क पर होने वाली घटनाओं को प्रेक्टिकल करके बताने का प्रयास किया गया इस कार्यक्रम का संचालन सड़क सुरक्षा प्रभारी डॉक्टर आलोक यादव ने किया। इस अवसर पर डॉक्टर विकास कुमार, डॉक्टर संतोष कुमार सैनी, उपेंद्र कुमार, डॉ विभा पाण्डेय डॉक्टर सचिन कुमार, डॉक्टर संघमित्रा, डॉक्टर वैशाली शुक्ला, इत्यादि प्राध्यापकगणों के साथ साथ रोवर्स रेंजर के ट्रेनर्स अन्य महाविद्यालयों से आए सम्मानित प्राध्यापक वं राजेश्वर रंजन, धर्मेंद्र कुमार, सरफुद्दीन इत्यादि कर्मचारीगण तथा छात्रावास के छात्र एवं महाविद्यालय के सैकड़ो छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

"खसरा-रूबेला बीमारी को हटाएंगे, एमआर का टीका जरूर लगवाएंगे"

अवधेश कुमार गुप्ता सदर संवाददाता/ समाज जागरण

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज कचहरी के पास स्थित वीरांगना विद्या मंदिर स्कूल में आज रूबेला टीकाकरण दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के तहत कक्षा 1 से 5 तक के बच्चों को एमआर (खसरा-रूबेला) टीका लगाया गया।

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सरकारी एवं निजी विद्यालयों में खसरा-रूबेला उन्मूलन अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत विद्यालयों में विशेष टीकाकरण सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। अभियान का उद्देश्य खसरा और रूबेला जैसी संक्रामक एवं गंभीर बीमारियों को समाप्त करना है, जो बच्चों में निमोनिया, दस्त, अंधापन, बहरापन, कमजोर दिमाग और जन्मजात हृदय रोग जैसी समस्याएं उत्पन्न कर सकती हैं।

कार्यक्रम में पहुंचीं एएनएम सरोज कुमारी ने बच्चों को टीका लगाया। उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि यदि बच्चों का समय पर टीकाकरण करा दिया जाए तो इन बीमारियों से बचाव संभव है। उन्होंने नारा दिया–"खसरा-रूबेला बीमारी को हटाएंगे, एमआर का टीका जरूर लगवाएंगे।" विद्यालय की प्रधानाचार्य ने बताया कि विद्यालय में अब तक लगभग 50 बच्चों को टीका लगाया जा चुका है और शेष बच्चों का टीकाकरण भी जारी है। विद्यालय प्रशासन का प्रयास है कि एक भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहे।

इस अवसर पर शिक्षक श्रवण दुबे, शिव कुमार, पूजा, रजिया खातून, शिवांगी सहित बड़ी संख्या में अभिभावक और बच्चे उपस्थित रहे।

आगामी होली पर्व को लेकर थाना परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

चोपन/ सोनभद्र। आगामी होली पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से स्थानीय थाना परिसर में थाना प्रभारी निरीक्षक अखिलेश कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में थाना क्षेत्र के ग्राम प्रधानों, जनप्रतिनिधियों तथा संभ्रांत नागरिकों ने भाग लिया। बैठक को संबोधित करते हुए थाना प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि होली आपसी भाईचारे और सौहार्द का पर्व है, जिसे सभी को मिलजुल कर मनाना चाहिए। उन्होंने उपस्थित लोगों से अपील की कि त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और सोशल मीडिया पर भ्रामक या आपत्तिजनक पोस्ट साझा न करें। यदि कोई असामाजिक तत्व माहौल बिगाड़ने का प्रयास करता है तो उसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें। उन्होंने निर्देश दिया कि डीजे, जुलूस एवं होलिका दहन जैसे कार्यक्रम प्रशासन द्वारा निर्धारित समय और नियमों के अनुरूप ही किए जाएं। अवैध शराब की बिक्री, हुड़दंग, जबरन रंग लगाने, रांग साइड वाहन चलाने तथा तेज गति से वाहन चलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। नशे की हालत में वाहन चलाने और नाबालिगों को वाहन चलाने देने पर भी कठोर कार्रवाई की चेतावनी दी गई। बैठक में उपस्थित ग्राम प्रधान रामनारायण पांडेय, भाजपा नेता प्रदीप अग्रवाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष संजय केशरी, अफसर अहमद, मनमोहन यादव, राजन जायसवाल, रामआसरे, अंकित कुमार गंगासागर, हरगोविंद रोशन इत्यादि ने प्रशासन को आश्वस्त किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में शांति व्यवस्था बनाए रखने में पूर्ण सहयोग करेंगे। सभी ने मिलकर होली पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने का संकल्प लिया।

03 वर्षीय मासूम को सुरक्षित परिवार से मिलाया गया: पुलिस व चाइल्ड लाइन ने निभाई संवेदनशील जिम्मेदारी

अवधेश कुमार गुप्ता सदर संवाददाता/ समाज जागरण

सोनभद्र। पुलिस की संवेदनशील एवं त्वरित कार्यवाही के परिणामस्वरूप 03 वर्षीय बालिका को सकुशल उसके परिजनों से मिलाया गया।

दिनांक 19.02.2026 को थाना ए.एच.टी. जनपद सोनभद्र को सूचना प्राप्त हुई कि एक लगभग 03 वर्षीय बालिका पुलिस लाइन तिराहा मेन रोड के पास अकेली भटकती हुई मिली है। सूचना प्राप्त होते ही थाना ए.एच.टी. की टीम एवं चाइल्ड लाइन 1098 के सदस्यों द्वारा तत्काल मौके पर पहुँचकर बालिका को सुरक्षित संरक्षण में लिया गया।

टीम द्वारा आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ एवं आवश्यक खोजबीन की गई। सतत प्रयासों के उपरांत ज्ञात हुआ कि उक्त बालिका मूल रूप से अनपरा क्षेत्र की निवासिनी है तथा अपनी बुआ के साथ चुर्क आई हुई थी। प्रातःकाल खेलते-खेलते वह अनजाने में घर से दूर निकल गई थी। सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण करने के उपरांत बालिका को सकुशल उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया। बालिका को सुरक्षित पाकर परिजनों ने पुलिस एवं चाइल्ड लाइन टीम के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रभारी निरीक्षक थाना ए.एच.टी. श्री माधव सिंह ने बताया कि यदि किसी को कोई लापता/गुमशुदा/भटका हुआ बालक या बालिका मिले तो तत्काल थाना ए.एच.टी. के सीयूजी मोबाइल नंबर 9454404294 अथवा चाइल्ड हेल्पलाइन के टोल फ्री नंबर 1098 पर सूचना दें। आपका एक छोटा सा प्रयास किसी मासूम को उसके परिवार से मिलाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

बरामदगी/सहयोग करने वाली टीम- प्रभारी निरीक्षक, थाना ए.एच.टी. - माधव सिंह, मुख्य आरक्षी - धनंजय यादव थाना ए.एच.टी. जनपद सोनभद्र, महिला आरक्षी - साक्षी त्रिपाठी थाना ए.एच.टी. जनपद सोनभद्र, चाइल्ड लाइन प्रतिनिधि - रवि यादव, चाइल्ड लाइन प्रतिनिधि - सुधा ।

जनपद पुलिस द्वारा बाल सुरक्षा एवं मानव तस्करी निरोधक कार्यों के प्रति प्रतिबद्धता सतत जारी है।

पुलिस द्वारा यातायात नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई: 04 ऑटो एवं 01 पिकप वाहन सीज

रांग साइड से चलने वाली गाडियों एवं सड़क किनारे खड़े वाहनों के विरुद्ध की गई प्रवर्तन की कार्यवाई

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद में सुचारु यातायात व्यवस्था बनाए रखने हेतु चलाए जा रहे प्रवर्तन अभियान के क्रम में प्रभारी यातायात सोनभद्के कृष्ण कुमाकेर शुक्ला एवं यातायात पुलिस द्वारा थाना रॉबर्ट्सगंज क्षेत्रान्तर्गत सुकृत रोड के किनारे खड़े वाहन, रांग साइड से चलने वाले वाहन एवं बिना नंबर प्लेट/बिना वैद्य प्रपत्र के संचालित वाहनों के विरुद्ध सघन चेकिंग अभियान चलाकर प्रवर्तन की कार्यवाई की गई एवं बढ़ौली से सब्जी मंडी सर्विस रोड पर दो ऑटो चालक बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के अवैध रूप से सवारी भरते पाए गए। इसके अतिरिक्त धर्मशाला से वाराणसी रोड सर्विस रोड पर दो डग्गामार ऑटो, जिनका स्टैंड फ्लाईओवर के नीचे नगर पालिका द्वारा निर्धारित है, निर्धारित स्थान के बजाय केंद्रीय सर्विस रोड पर सवारी भरते पाए गए, जिससे अनावश्यक जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही थी।

उक्त वाहनों में रांग साइड से चलने वाले वाहनों में 01 पिकप (बिना वैद्य प्रपत्र) को एवं 04 ऑटो वाहनों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत वैधानिक कार्यवाही करते हुए उन्हें सीज किया गया।

जनपद पुलिस द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। आमजन से अपील है कि यातायात नियमों का पालन करें एवं निर्धारित स्थानों से ही वाहन संचालन/सवारी भरें, जिससे सुगम एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

थाना जुगैल की साइबर टीम द्वारा आवदेक की फ्राड हुई धनराशि कुल 50,000/- रुपये उसके मूल खाते में वापस कराया

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

सोनभद्र। आवेदक अशोक कुमार साहू निवासी ग्राम बैलगाड़ी थाना जुगैल जनपद सोनभद्र के साथ दिनांक- 30.11.2025 को अज्ञात व्यक्तियों द्वारा फोन पे के माध्यम से 50,000/- रुपये का फ्राड कर लिया गया था, जिसके सम्बन्ध में आवेदक द्वारा साइबर हेल्पलाइन नंम्बर 1930 व साइबर क्राईम पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज करायी गई थी ।

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा साइबर अपराध एंव अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में एंव अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार के निर्देशन में व क्षेत्राधिकारी ओबरा अमित कुमार के पर्यवेक्षण में तथा थानाध्यक्ष जुगैल जितेंद्र कुमार के कुशल नेतृत्व मे थाना जुगैल की साइबर टीम द्वारा NCRP पोर्टल का अवलोकन करके आवेदक की फ्राड हुई कुल धनराशि 50,000/- रुपये को सम्बन्धित खाते मे होल्ड कराया गया तथा ठउफ्ढ पोर्टल से आवश्यक साक्ष्य एकत्रित करके संबन्धित बैंक शाखा को जरिये ईमेल पत्राचार करके फ्राड खाते मे होल्ड कुल धनराशि 50,000/- रुपये उसके मूल बैंक खाते में सफलतापूर्वक वापस कराया गया । आवेदक द्वारा थाना जुगैल की साइबर टीम की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई।

साइबर जागरुकता हेतु अपील:- साइबर अपराध की घटना होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन नम्बर 1930 पर कॉल या नजदीकी थाने पर रिपोर्ट या cybercrime.gov.in पर लॉगिन कर तुरन्त शिकायत दर्ज करायें।

मलिन बस्ती एकता समिति के बैनर तले सांकेतिक विरोध

अनिल कुमार अग्रहरी/ समाज जागरण

डाला/ सोनभद्र। गुरुवार को सुबह मलीन बस्ती एकता समिति के बैनर तले दर्जनों स्थानीय नागरिकों ने डाला शहीद स्थल पर पहुंचकर प्रशासन द्वारा जारी खाली करने की नोटिस के खिलाफ सांकेतिक विरोध दर्ज कराया।

स्थानीय निवासी नागेन्द्र पासवान ने बताया कि वे और उनके परिवार के लोग पिछले लगभग 60 वर्षों से यहां निवास कर रहे हैं। मेरे पिता ने यहां जीवन बिताया और अब हम भी अपनी आधी उम्र यहीं गुजार चुके हैं। अचानक नोटिस देकर हमें बेदखल करना अन्यायपूर्ण है,

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि बस्ती में रहने वाले अधिकांश परिवार अपनी पुरी जिंदगी गुजारी दी तथा वर्षों से स्थायी रूप से बसे हुए हैं और यहीं उनका रोजगार, सामाजिक ताना-बाना और जीवन जुड़ा हुआ है। स्थानियो ने सरकार और प्रशासन से मांग की कि मलीन बस्ती को नियमित किया जाए। आखिर वे अपने बच्चों, बुजुर्गों को लेकर कहां जायेंगे इस दौरान बबुंदर पाठक, नागेन्द्र पासवान, उमेश मेहता, अवनीश पांडेय, पिंटू साहनी, अवधेश चौहान सहित कई स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

अग्निवीर भर्ती रैली 2026 में सोनभद्र के युवाओं के लिए भारतीय सेना में शामिल होने का सुनहरा अवसर

ब्यूरो चीफ सोनभद्र/ समाज जागरण

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने अवगत कराया है कि अग्निवीर भर्ती रैली के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी गई है। ऑनलाइन पंजीकरण 13 फरवरी 2026 से 01 अप्रैल 2026 तक खुला है। आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की आयु 17 वर्ष 6 माह से 22 वर्ष के बीच होनी चाहिए (जन्म तिथि 01 जुलाई 2005 से 01 जुलाई 2009 के बीच)। इच्छुक उम्मीदवार भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in पर जाकर पंजीकरण कर सकते हैं। शैक्षणिक योग्यता अग्निवीर (सामान्य ड्यूटी) 10वीं/मैट्रिक पास (कुल 45 प्रतिशत अंकों के साथ और प्रत्येक विषय में न्यूनतम 33 प्रतिशत अंक अनिवार्य)। जिनके पास ड्राइविंग लाइसेंस (LMV/HMV) है, उन्हें चालक पद के लिए वरीयता दी जाएगी। अग्निवीर (तकनीकी) 10$2/इंटरमीडिएट (विज्ञान संकाय - भौतिकी, रसायन, गणित और अंग्रेजी) में न्यूनतम 50 प्रतिशत कुल अंकों के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए, जिलाधिकारी ने जिले के सभी पात्र युवाओं से इस अवसर का लाभ उठाने का आह्वान किया है, इस वर्ष भी अधिक से अधिक युवा देश सेवा के इस गौरवशाली मार्ग को चुनें।

दुद्धी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष बने कुलभुषण पाण्डेय, सचिव दिनेश कुमार

उपेन्द्र कुमार तिवारी/ समाज जागरण

दुद्धी/ सोनभद्र। दुद्धी बार एसोसियन का चुनाव काटे के बीच सम्पन्न हो गये. चुनाव अधिकारी प्रेम चंद जायसवाल ने बताया की अध्यछ पद के लिए कुलभूषण पाण्डेय को 85 मत पा कर विजयी घोषित किए गये वहीं रामपाल जौहरी को 84 मत मिला तथा दिनेश कुमार को सचिव पद के लिए 88 मत पा कर विजयी घोषित हो गये कुल 171 अधिवक्ताओ ने मतदान किया समर्थको ने विजयी प्रत्याशियो को फूल मालाओ सें लाद दिया विजयी प्रत्याशियो का जलूस कोर्ट परिसर के भ्रमण के बाद मुख्य बाजार मे भ्रमण किया गया मिठाई खिला कर. बधाई दी गयी. इस अवसर पड्ट दिलीप पाण्डेय. छोटे लाल जितेन्द्र श्री वास्तव. मनोज मिश्रा विष्णु सिंह प्रेम चंद यादव. उपेन्द्र कुमार तिवारी सहित भारी संख्या मे अधिवक्ता रहें।

मोदी सरकार में डिजिटल इंडिया गरीबों को सस्ता अनाज देने के क्षेत्र में पदार्पण कर रहा है

समाज जागरण

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज गुजरात की राजधानी गांधीनगर में सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी आधारित पारदर्शी, आधुनिक व सरल सार्वजनिक वितरण व्यवस्था (PDS) का शुभारंभ किया। इस अवसर पर केन्द्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी और गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरणा से आज डिजिटल इंडिया का विस्तार खाद्य और आपूर्ति की व्यवस्था तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने देश के संसाधनों पर पहला अधिकार गरीबों, दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों को दिया है। उन्होंने कहा कि भारत में 60 करोड़ लोग ऐसे थे जिनके पूरे परिवार में एक भी बैंक खाता नहीं था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में दुनिया में होने वाले कुल डिजिटल ट्रांजेक्शन्स में से आधे भारत में हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज वही डिजिटल इंडिया, देश के गरीबों को सस्ता अनाज देने के क्षेत्र में पदार्पण कर रहा है। श्री शाह ने कहा कि इस पद्धति से गरीबों को राशन देने के सिस्टम में से भ्रष्टाचार पूरी तरह से खत्म हो जाएगा।

श्री अमित शाह ने कहा कि देश में कनेक्टिविटी के विस्तार से अब डिजिटल तरीके से गरीबों को सीधे अनाज मिलने की व्यवस्था हो जाएगी। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) ने देश में से घपले-घोटालों को समाप्त कर दिया, उसी प्रकार खाद्य आपूर्ति मंत्रालय का यह कदम आने वाले दिनों में पारदर्शी वितरण प्रणाली सुनिश्चित करेगा। श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के मंत्र, Minimum Government, Maximum Governance, को आज एक नए क्षेत्र में जमीन पर उतारने का काम हो रहा है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि टेक्नोलॉजी और प्रधानमंत्री मोदी जी की गरीबों के प्रति संवेदना का अनूठा संगम यह वितरण प्रणाली सुरक्षित, पारदर्शी तरीके से गरीबों के अधिकार की सुरक्षा का माध्यम बनेगी। उन्होंने कहा कि आज अन्नपूर्ति मशीन का भी लोकार्पण हुआ है, जो 35 सेकंड में 25 किलो अनाज का वितरण कर रही है।श्री शाह ने कहा कि 3-4 साल में ही पूरे देश में यह प्रणाली लागू हो जाएगी।उन्होंने कहा कि यह अनाज वितरण प्रणाली पूरी तरह से पारदर्शी होगी और इसके लागू होने के बाद देश के हर गरीब को 5 किलो मुफ्त अनाज मिल सकेगा। उन्होंने यह भी कहा कि बेहतर गुणवत्ता, सटीक मात्रा और पारदर्शी वितरण में अन्नपूर्ति मशीन सहायक सिद्ध होगी। श्री शाह ने कहा कि धीरे-धीरे कश्मीर से कन्याकुमारी और द्वारका से कामाख्या तक हमारे विशाल देश में इस प्रणाली को लागू करना चाहिए।

श्री अमित शाह ने कहा कि आज देश के 1 लाख 7 हजार गांवों में कनेक्टिविटी पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने देश के 80 करोड़ लोगों को प्रति व्यक्ति प्रति माह 5 किलो मुफ्त अनाज देने का काम किया है। श्री शाह ने कहा कि यह खाद्य सुरक्षा अब पारदर्शी हो गई है। उन्होंने कहा कि देश के 1 करोड़ 9 लाख रेहड़ी-पटरी वालों को स्वनिधि योजना का फायदा प्रधानमंत्री मोदी जी ने पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि ठोस नीतियों से 10 वर्ष में 60 करोड़ से अधिक लोगों के जीवनस्तर को ऊपर उठाने और 27 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा के ऊपर लाने का काम भी मोदी सरकार ने किया है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि मुख्य विपक्षी पार्टी और उनकी सरकार हमेशा झूठ बोलकर जनता को गुमराह करते हैं। श्री शाह ने कहा कि पिछली सरकार में कृषि बजट मात्र 26 हजार करोड़ रूपए था जिसे प्रधानमंत्री मोदी जी ने बढ़ाकर 1 लाख 29 हजार करोड़ रूपए कर दिया है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने 70 साल में सिर्फ एक बार कर्ज.माफी से किसानों को गुमराह करने का काम किया जबकि प्रधानमंत्री मोदी जी 10 साल से हर किसान के बैंक खाते में 6 हजार रुपए हर साल भेजकर ऐसी व्यवस्था कर रहे हैं कि किसान को कर्ज लेना ही न पड़े।

श्री अमित शाह ने कहा कि यूरोपीय संघ और इंग्लैंड के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते और अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील पर विपक्ष देश को गुमराह कर रहा है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने डंकल प्रस्ताव पर साइन कर किसानों को असुरक्षित किया था। उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ और इंग्लैंड के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते और अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी जी ने देश के किसानों के हितों को पूरी तरह सुरक्षित करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि इन समझौतों के माध्यम से भारत के डेयरी क्षेत्र को भी सुरक्षित करने का काम प्रधानमंत्री मोदी जी ने किया है। श्री शाह ने कहा कि इन समझौतों के माध्यम से हमारे कृषि और मछुआरों के उत्पाद पूरी दुनिया में पहुंचने का रास्ता खुल गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी कभी भी किसानों, मछुआरों, पशुपालकों के हितों के साथ समझौता नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी आज भी देश के किसानों की सुरक्षा के लिए चट्टान की तरह खड़े हैं।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आज अन्न वितरण और अन्न सुरक्षा के क्षेत्र में भ्रष्टाचार और अपारदर्शिता को समाप्त करने का काम हुआ है। उन्होंने कहा कि इससे हर गरीब नागरिक को अनाज प्राप्त करने के अधिकार की सुरक्षा होगी और बिचौलियों के लिए कोई जगह नहीं बचेगी।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के अंतर्गत तीन प्रमुख वैश्विक एआई इम्पैक्ट चैलेंज के फाइनलिस्ट घोषित

समाज जागरण

नई दिल्ली में 16 से 20 फरवरी तक आयोजित होने वाले इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 से पहले, तीन प्रमुख ग्लोबल इम्पैक्ट चैलेंज - एआई फॉर ऑल, एआई बाय हर और युवाआई के फाइनलिस्ट की घोषणा की गई।

इन चुनौतियों का उद्देश्य विश्व स्तरीय प्राथमिकताओं की तरह ही अनुरूप नवीन और प्रभावशाली एआई समाधानों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। हमें 60 से अधिक देशों से 4,650 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जो मजबूत अंतरराष्ट्रीय भागीदारी को रेखांकित करता है।

विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ और उद्योग जगत के अग्रणी लोगों द्वारा किए गए गहन बहुस्तरीय मूल्यांकन के बाद, सभी चुनौतियों में भाग लेने वाली शीर्ष 70 टीमों को फाइनलिस्ट के रूप में चुना गया है। वे 16 और 17 फरवरी को भारत मंडपम और सुषमा स्वराज भवन में आयोजित शिखर सम्मेलन के भव्य समापन समारोह और पुरस्कार वितरण समारोह में अपने समाधान प्रस्तुत करेंगी।

सभी के लिए एआई

एआई फॉर ऑल ग्लोबल इम्पैक्ट चैलेंज के लिए 60 से अधिक देशों से 1,350 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें स्वास्थ्य सेवा, कृषि, जलवायु परिवर्तन से निपटने की क्षमता, शासन, शिक्षा और वित्तीय समावेशन जैसे क्षेत्रों में लागू किए जा सकने वाले एआई समाधानों पर ध्यान केंद्रित किया गया था । शीर्ष 20 फाइनलिस्ट एआई-संचालित संक्रमण स्क्रीनिंग, मृदा बुद्धिमत्ता और जलवायु जोखिम विश्लेषण से लेकर डिजिटल स्वास्थ्य निदान, साइबर सुरक्षा, औद्योगिक दक्षता, सुलभ शिक्षा प्रौद्योगिकियों और एआई-सक्षम शासन प्रणालियों तक, उच्च प्रभाव वाले और वास्तविक दुनिया में उपयोग किए जाने वाले अनुप्रयोगों को दशार्ते हैं। ये सभी नवाचार मिलकर यह प्रदर्शित करते हैं कि एआई किस प्रकार वैश्विक दक्षिण में समान विकास को गति दे सकता है और सार्वजनिक सेवा वितरण को सुदृढ़ कर सकता है।

एआई बाय एचआर

एचईआर ग्लोबल इम्पैक्ट चैलेंज द्वारा एआई, जिसे 800 से अधिक देशों से 50 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, कृत्रिम बुद्धिमत्ता में महिलाओं के नेतृत्व वाले नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित है। शीर्ष 30 फाइनलिस्ट स्वास्थ्य सेवा, स्थिरता, वित्तीय समावेशन, कार्यबल विकास, शिक्षा, कृषि और डिजिटल कॉमर्स में प्रभावशाली एआई समाधान चलाने वाली महिला उद्यमियों पर प्रकाश डालते हैं। उनके नवाचारों में एआई-सक्षम कैंसर और रेटिना स्क्रीनिंग टूल, बहुभाषी नैदानिक निर्णय समर्थन प्रणाली, वॉयस-टू-ईएमआर प्लेटफॉर्म, सटीक पोषण समाधान, क्रेडिट इंटेलिजेंस सिस्टम, ईएसजी ऑटोमेशन प्लेटफॉर्म और बहुभाषी स्थानीयकरण प्रौद्योगिकियां शामिल हैं जो बड़े पैमाने पर पहुंच का विस्तार करती हैं। एचईआर द्वारा एआई समावेशी डिजिटल विकास और महिला नवोन्मेषकों को वैश्विक एआई इकोसिस्टम में सबसे आगे रखने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

युवएआई ग्लोबल यूथ चैलेंज

युवएआई ग्लोबल यूथ चैलेंज, जिसे 38 देशों से 2,500 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, 13 से 21 वर्ष की आयु के युवएआई लीडर्स की नवाचार और समस्या-समाधान क्षमताओं को दशार्ता है। शीर्ष 20 फाइनलिस्ट सार्वजनिक स्वास्थ्य, कृषि, जलवायु परिवर्तन से निपटने की क्षमता, सुलभता, स्मार्ट मोबिलिटी और डिजिटल विश्वास जैसे क्षेत्रों में एआई का उपयोग कर रहे हैं। उनके समाधानों में मलेरिया का पता लगाने वाली प्रणालियाँ, एआई-संचालित वाक सहायक पहनने योग्य उपकरण, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की जांच के उपकरण, ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं के लिए टेलीमेडिसिन प्लेटफॉर्म, कृषि खुफिया प्रणालियाँ, पशुधन विश्लेषण, वन अग्नि और बाढ़ की प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली, डीपफेक का पता लगाने वाले उपकरण और दृष्टिबाधित लोगों के लिए सहायक प्रौद्योगिकियाँ शामिल हैं। युवाआई वैश्विक स्तर पर उभरती प्रतिभाओं को दशार्ता है, जो सामाजिक आवश्यकताओं और विकासात्मक प्राथमिकताओं के अनुसार युवा नेतृत्व वाले नवाचार को पोषित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

तीनों श्रेणियों में शीर्ष 70 टीमें आगामी इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में अपने समाधानों का प्रदर्शन करेंगी , जहां वे नीति निमार्ताओं, उद्योग जगत के नेताओं, निवेशकों और शिक्षाविदों के साथ जुड़ेंगी। उन्हें राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर अपने नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए मान्यता और सहयोग प्राप्त होगा। वैश्विक स्तर पर मिली मजबूत प्रतिक्रिया भारत की जिम्मेदार एआई नवाचार के केंद्र के रूप में बढ़ती भूमिका को रेखांकित करती है, जो 'लोग, ग्रह और उन्नति' की दृष्टि पर आधारित है।

प्रधानमंत्री 16 फरवरी को इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 का उद्घाटन करेंगे

समाज जागरण

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 16 फरवरी, 2026 को शाम 5 बजे नई दिल्ली के भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 का उद्घाटन करेंगे।

इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 का आयोजन 16 से 20 फरवरी 2026 तक भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के साथ किया जाएगा। यह एक्सपो एआई के व्यावहारिक प्रदर्शन का एक राष्ट्रीय मंच होगा जहां नीति व्यवहार से मिलेगी, नवाचार व्यापक स्तर पर लागू होगा और प्रौद्योगिकी आम नागरिक तक पहुंचेगी।

70,000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में फैले 10 एरेना में आयोजित यह एक्सपो वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियों, स्टार्टअप्स, शिक्षाविदों और अनुसंधान संस्थानों, केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों और अंतर्राष्ट्रीय भागीदारों को एक साथ लाएगा। इस एक्सपो में एआई तंत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को प्रदर्शित करने वाले 13 देशों के पवेलियन भी होंगे। इनमें ऑस्ट्रेलिया, जापान, रूस, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड्स, स्विट्जरलैंड, सर्बिया, एस्टोनिया, ताजिकिस्तान और अफ्रीका के पवेलियन शामिल हैं।

इस एक्सपो में 300 से अधिक चुनिंदा प्रदर्शनी मंडप और लाइव प्रदर्शन होंगे जिन्हें तीन मुख्य विषयों - लोग, ग्रह और उन्नति - के आधार पर संरचित किया गया है। इसके अतिरिक्त, एक्सपो में 600 से अधिक उच्च क्षमता वाले स्टार्टअप शामिल होंगे जिनमें से कई वैश्विक स्तर पर प्रासंगिक और व्यापक जनसंचार समाधान कर रहे हैं। ये स्टार्टअप ऐसे उपयुक्त समाधानों का प्रदर्शन करेंगे जो पहले से ही वास्तविक दुनिया में उपयोग में हैं। इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 में अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों सहित 2.5 लाख से अधिक आगंतुकों के आने की उम्मीद है। इस आयोजन का उद्देश्य वैश्विक एआई तंत्र के भीतर नई साझेदारियों को बढ़ावा देना और व्यावसायिक अवसर उत्पन्न करना है।

इसमें 500 से अधिक सत्रों का आयोजन किया जाएगा जिनमें 3250 से अधिक दूरदर्शी वक्ता और पैनल सदस्य शामिल होंगे। इन सत्रों का मुख्य उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में एआई के परिवर्तनकारी प्रभाव को स्वीकार करना और यह सुनिश्चित करने के लिए भविष्य की कार्रवाइयों पर विचार-विमर्श करना होगा कि एआई से प्रत्येक वैश्विक नागरिक को लाभ मिले।

प्रधानमंत्री ने महान समाज सुधारक श्री संत सेवालाल महाराज को श्रद्धांजलि दी

समाज जागरण

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज श्री संत सेवालाल महाराज की जन्मजयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। श्री मोदी ने कहा, सत्य, अहिंसा और उच्च नैतिक मूल्यों का संदेश फैलाकर उन्होंने समाज में एक नई चेतना का संचार किया। उनका

प्रेरणादायी जीवन देशवासियों का सदैव मार्गदर्शन करता रहेगा। श्री मोदी ने कहा,

प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया:

महान समाज सुधारक श्री संत सेवालाल महाराज को उनकी जयंती पर शत-शत नमन। सत्य, अहिंसा और उच्च नैतिक मूल्यों का संदेश देकर उन्होंने समाज में नवचेतना का संचार किया। उनका प्रेरणादायी जीवन सदैव देशवासियों का मार्गदर्शन करता रहेगा।

युद्धभूमि से आगे: मानवीय सहायता और आपदा राहत के अग्रदूत भारतीय सशस्त्र बल

समाज जागरण

मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) अभियान भारत की वैश्विक भागीदारी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। भारत प्राकृतिक व मानव निर्मित आपदाओं की बढ़ती आवृत्ति एवं गंभीरता को देखते हुए आपदा प्रबंधन के अपने व्यापक अनुभव का उपयोग करते हुए आंतरिक रूप से और प्रभावित देशों को समय पर, समन्वित तथा सुव्यवस्थित सहायता प्रदान करता है। प्रतिकूल वातावरण में कार्य करने की क्षमता, संगठनात्मक कौशल व रसद संबंधी जानकारी सशस्त्र बलों को एचएडीआर अभियानों के लिए सबसे उपयुक्त बनाती है और वे अक्सर किसी भी आपदा की स्थिति में पहले प्रतिक्रिया देने वाले होते हैं। एचएडीआर का उद्देश्य आपदाओं के दौरान नागरिक क्षमताओं के चरमरा जाने पर "शीघ्र, कुशल, समन्वित और प्रतिक्रियाशील" प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना है। जब नागरिक क्षमताएं सीमित हो जाती हैं, तो भारत सरकार अक्सर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय राहत प्रयासों को बढ़ाने के लिए सशस्त्र बलों को तैनात करती है।

भारत द्वारा अपने सहयोगी देशों को दी जाने वाली मानवीय सहायता एवं आपदा राहत का उद्देश्य आपदा के दौरान और बाद में जीवन बचाने, पीड़ा कम करने व मानवीय गरिमा को बनाए रखने तथा उसकी रक्षा करने के लिए समय पर सहायता प्रदान करना है। भारतीय सेना बचाव एवं राहत कार्यों के लिए सैनिकों की तैनाती, क्षेत्रीय अस्पतालों की स्थापना, आवश्यक बुनियादी ढांचे की बहाली और मानवीय सहायता पहुंचाने का कार्य करती है। भारतीय नौसेना विदेशों से भारतीय नागरिकों को निकालने, राहत सामग्री के परिवहन और समुद्री एवं तटीय सहायता के लिए जहाजों तथा हेलीकॉप्टरों की तैनाती के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भारतीय वायु सेना प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री, चिकित्सा दल और आपदा प्रतिक्रिया कर्मियों को पहुंचाने के साथ-साथ निकासी एवं बचाव अभियान चलाकर रणनीतिक व सामरिक हवाई सहायता प्रदान करती है। इन प्रयासों के पूरक के रूप में, भारतीय तटरक्षक बल चक्रवात, सुनामी, भूकंप, तेल संयंत्रों में आग और तटीय क्षेत्रों में बाढ़ के दौरान सहायता प्रदान करता है, जिससे त्वरित प्रतिक्रिया तथा समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

उत्पत्ति, नीति और संस्थागत ढांचा

भारत की मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (एचएडीआर) नीति एक सुदृढ़ नीति और संस्थागत संरचना पर आधारित है, जो विदेशों तथा देश के भीतर दोनों जगह मानवीय संकटों के लिए समन्वित, समयबद्ध व विश्वसनीय प्रतिक्रियाएं सुनिश्चित करती है। यद्यपि एचएडीआर शब्द मुख्य रूप से अंतर्राष्ट्रीय कार्यों के लिए प्रयोग किया जाता है, घरेलू आपदा प्रतिक्रिया एक वैधानिक ढांचे के माध्यम से संचालित होती है, जो कूटनीति, रक्षा, आपदा प्रबंधन और सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षमताओं को एकीकृत करने वाले समग्र सरकारी दृष्टिकोण को दशार्ती है।

नीतिगत ढांचा

अंतर्राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण (एचएडीआर) अभियानों के लिए भारत का दृष्टिकोण माननीय प्रधानमंत्री के आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर 10 सूत्री एजेंडा के एजेंडा संख्या 10 (आपदाओं के प्रति अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया में अधिक सामंजस्य स्थापित करना) द्वारा निर्देशित है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा अक्टूबर 2024 में जारी अंतर्राष्ट्रीय एचएडीआर दिशानिर्देश विदेशों में आपदा प्रतिक्रिया को संस्थागत स्वरूप प्रदान करते हैं। ये प्रभावित देशों की संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान, अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून तथा मानवाधिकार मानकों के पालन और पारदर्शिता, जवाबदेही व नैतिक आचरण जैसे प्रमुख सिद्धांतों पर आधारित हैं। ये दिशानिर्देश संयुक्त राष्ट्र आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यालय की लैंगिक कार्य योजना (2024) के अनुरूप मानवीय प्रयासों में समावेशिता को भी सुदृढ़ करते हैं। साथ ही, इनमें भारतीय सशस्त्र बलों को त्वरित प्रतिक्रिया के प्रमुख प्रवर्तक के रूप में औपचारिक मान्यता दी गई है, जिनकी भूमिका रणनीतिक एयरलिफ्ट, रसद प्रबंधन, चिकित्सा सहायता, निकासी एवं इंजीनियरिंग कार्यों में अनिवार्य मानी गई है और ड्रोन तथा एआई आधारित पूर्वानुमान जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों के बढ़ते उपयोग पर विशेष जोर दिया गया है।

घरेलू स्तर पर, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 द्वारा शासित होती है, जो राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर पर एनडीएमए, एसडीएमए तथा यूडीएमए/डीडीएमए के माध्यम से एक त्रिस्तरीय संस्थागत ढांचा स्थापित करता है। भारत में, आपदा प्रतिक्रिया की प्राथमिक जिम्मेदारी राज्य सरकारों की होती है, जबकि केंद्र सरकार वित्तीय, रसद और तकनीकी सहायता प्रदान करते हुए सहायक व समन्वयकारी भूमिका निभाती है। राष्ट्रीय स्तर पर, प्रमुख आपदाओं के दौरान समग्र कमान, नियंत्रण और समन्वय की देखरेख कैबिनेट सचिव के अधीन राष्ट्रीय संकट प्रबंधन समिति (एनसीएमसी) द्वारा की जाती है, जिसमें गृह मंत्रालय (एमएचए) आपदा प्रतिक्रिया के लिए नोडल मंत्रालय के रूप में कार्य करता है। राष्ट्रीय कार्यकारी समिति (एनईसी) अंतर-मंत्रालयी कार्यों का समन्वय करती है, जबकि जमीनी स्तर पर प्रतिक्रिया का नेतृत्व जिला मजिस्ट्रेट के अधीन जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण करते हैं, जो घटना कमान टीमों (आईसीटी) के माध्यम से कार्य करते हैं। यह अधिनियम नागरिक प्राधिकरणों को सहायता के सिद्धांत के तहत नागरिक-सैन्य समन्वय के लिए कानूनी सहायता भी प्रदान करता है।

शामिल प्रमुख संस्थान

विदेश मंत्रालय (एमईए): भारत की विदेशी आपदा जोखिम न्यूनीकरण (एचएडीआर) गतिविधियों के लिए नोडल मंत्रालय, जो राजनयिक समन्वय, प्रभावित राज्यों से प्राप्त अनुरोधों और अंतरराष्ट्रीय संपर्क के उद्देश्य पूर्ति में जिम्मेदार है।

त्वरित प्रतिक्रिया प्रकोष्ठ (आरआरसी), विदेश मंत्रालयः 2021 में स्थापित, प्रारंभ में कोविड-19 समन्वय के लिए आरआरसी अब विदेशी आपदा जोखिम न्यूनीकरण (एचएडीआर) हेतु एक केंद्रीय समन्वय केंद्र के रूप में कार्य करता है, जो एनडीएमए, एनडीआरएफ, सशस्त्र बलों, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण और अन्य केंद्रीय मंत्रालयों के साथ समन्वय स्थापित करता है।

गृह मंत्रालय (एमएचए): गृह मंत्रालय का 24X7 कार्यरत एकीकृत आपातकालीन प्रतिक्रिया नियंत्रण कक्ष (आईसीआर-ईआर), एनडीएमए, एनडीआरएफ और विदेश मंत्रालय के समन्वय से आपदा जोखिम न्यूनीकरण (एचएडीआर) गतिविधियों का समन्वय करता है और विदेश मंत्रालय और अन्य हितधारकों के साथ घनिष्ठ सहयोग से भारत से अंतरराष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण मिशनों का समन्वय करता है।

गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के समन्वय से, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) आपदा जोखिम न्यूनीकरण (एचएडीआर) गतिविधियों के लिए केंद्रीय नियंत्रण कक्ष संचालन का प्रबंधन करता है और अन्य हितधारकों के साथ घनिष्ठ सहयोग से भारत से अंतरराष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण मिशनों का समन्वय करता है।

रक्षा मंत्रालय के अधीन एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय (एचक्यू आईडीएस): रणनीतिक परिवहन, रसद, चिकित्सा सहायता, इंजीनियरिंग क्षमताएं और त्वरित तैनाती संसाधन प्रदान करता है।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए): यह सर्वोच्च नीति निकाय है जो अंतरराष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण सहित आपदा प्रतिक्रिया के लिए दिशानिर्देश और समन्वय तंत्र तैयार करता है।

राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ): आवश्यकता पड़ने पर विशेष आपदा प्रतिक्रिया दल तैनात करता है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएच एंड एफडब्ल्यू): आपातकालीन चिकित्सा दल, रोग निगरानी, वैश्विक समन्वय और समावेशी स्वास्थ्य सेवा वितरण के माध्यम से आपदा जोखिम न्यूनीकरण (एचएडीआर) में चिकित्सा व जन स्वास्थ्य सहायता का नेतृत्व करता है। जन स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन और अन्य स्वास्थ्य एजेंसियों के साथ समन्वय करता है।

ये सभी संस्थाएं और दिशानिर्देश मिलकर यह सुनिश्चित करते हैं कि भारत की आपदा जोखिम न्यूनीकरण (एचएडीआर) प्रतिक्रियाएं सुनियोजित, त्वरित व रणनीतिक रूप से सुसंगत हों।

इस रूपरेखा के अंतर्गत त्वरित तैनाती में सशस्त्र बलों की भूमिका को अनिवार्य रूप से परिभाषित किया गया है, जिसमें ड्रोन तथा पूर्वानुमान आधारित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों के एकीकरण पर विशेष बल दिया गया है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिशानिर्देश आपदा राहत अभियानों में भारतीय सशस्त्र बलों की केंद्रीय भूमिका को औपचारिक मान्यता प्रदान करते हैं। इसके अंतर्गत भारतीय थल सेना को आवश्यकतानुसार सैनिकों की तैनाती एवं क्षेत्रीय अस्पताल स्थापित करने की जिम्मेदारी दी गई है; भारतीय वायु सेना राहत कर्मियों और चिकित्सा सहायता के त्वरित परिवहन तथा प्रभावित लोगों की निकासी का दायित्व निभाती है; भारतीय नौसेना जहाजों के माध्यम से निकासी व राहत सामग्री के परिवहन में योगदान देती है; जबकि भारतीय तटरक्षक बल चक्रवात और सुनामी जैसी समुद्री आपदाओं के दौरान महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करता है। यह समन्वित दृष्टिकोण आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए सेंडाई फ्रेमवर्क (2015 2030) के तहत आपदा तैयारी, लचीलापन, प्रभावी प्रतिक्रिया और समन्वित पुनर्प्राप्ति पर आधारित भारत की वैश्विक प्रतिबद्धताओं के अनुरूप है।

घरेलू मानवीय पहल

भारतीय सशस्त्र बलों को बाढ़, चक्रवात, भूकंप, भूस्खलन एवं औद्योगिक या परिवहन दुर्घटनाओं सहित राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया के लिए नियमित रूप से जुटाया जाता है और वे राष्ट्रीय आपदा जोखिम प्रबंधन (एचएडीआर) प्रणाली, राष्ट्रीय आपदा रक्षा बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा प्रतिक्रिया बलों तथा असैन्य प्रशासन के साथ मिलकर राष्ट्रीय आपदा जोखिम जोखिम प्रबंधन (एचएडीआर) ढांचे के अभिन्न अंग के रूप में कार्य करते हैं। ये मिशन बचाव, राहत, चिकित्सा सहायता, निकासी और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की बहाली के लिए वायु, भूमि तथा समुद्री संसाधनों को तेजी से तैनात करने की सेवाओं की क्षमता को प्रदर्शित करते हैं।

हिंद महासागर सुनामी (2004) वर्ष 2004 की हिंद महासागर सुनामी भारत के आपदा जोखिम निवारण (एचएडीआर) ढांचे के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई। इस आपदा के विशाल पैमाने और व्यापक भौगोलिक फैलाव के कारण अभूतपूर्व और समन्वित प्रतिक्रिया की आवश्यकता पड़ी। इसमें सेना, नौसेना, वायु सेना और तटरक्षक बल की संयुक्त तैनाती शामिल थी, जिसमें भूमि, समुद्र और वायु क्षेत्रों में भारी मात्रा में जनशक्ति, उपकरण और रसद जुटाए गए थे। ऑपरेशन सीवेव के तहत, भारतीय वायु सेना ने 26 दिसंबर 2004 को कार्निक हवाई अड्डे से एमआई-8 हेलीकॉप्टरों के साथ तत्काल खोज और बचाव अभियान शुरू करके महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में निरंतर दैनिक अभियानों में आईएल-76, एएन-32, एचएस-748 विमानों और हेलीकॉप्टरों का उपयोग किया गया, जिससे राहत सामग्री की बड़े पैमाने पर हवाई ढुलाई, जीवित बचे लोगों को निकालना तथा खोज एवं बचाव अभियान चलाना संभव हुआ। इस अभियान के तहत श्रीलंका और मालदीव को भी मानवीय सहायता प्रदान की गई, जिसमें एचएस-748 विमान तथा एमआई-8/एमआई-17 हेलीकॉप्टरों ने प्रतिदिन परिचालन करते हुए लगभग 17 टन राहत सामग्री का परिवहन किया और आवश्यकतानुसार कर्मियों को निकाला। इसने भविष्य में तीनों सेनाओं के बीच मानवीय सहायता और आपदा प्रबंधन (एचएडीआर) समन्वय के लिए एक आदर्श स्थापित किया।

राज्यों और भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए व्यापक राहत एवं बचाव अभियानों ने स्थिति को शीघ्र ही सामान्य करने में मदद की। सेना, नौसेना, वायु सेना, तटरक्षक बल और अर्धसैनिक बलों के लगभग 20,900 कर्मियों को तैनात किया गया था। 40 नौसेना/तटरक्षक जहाज, 34 विमान और 42 हेलीकॉप्टर इस व्यापक अभियान का हिस्सा थे। मुख्य भूमि पर 28,734 लोगों को बचाया गया तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के पर्यटकों सहित 6000 से अधिक फंसे हुए लोगों को मुख्य भूमि पर लाया गया। कुल मिलाकर 6.36 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया और उन्हें 930 राहत शिविरों में रखा गया।

मालदीव को सहायता (ऑपरेशन कैस्टर)

मालदीव के लिए तीन पोत रवाना किए गए। ये पोत आईएनएस मैसूर, आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस आदित्य थे। आईएनएस मैसूर में दो हेलीकॉप्टर थे और अन्य पोतों में एक-एक थे। आईएनएस आदित्य में पानी और एक जल शोधन संयंत्र था। चिकित्सा दल, चिकित्सा सामग्री और राहत उपकरण भी पोतों पर मौजूद थे। आईएनएस मैसूर 28 दिसंबर, 2004 को, आईएनएस उदयगिरि 29 दिसंबर, 2004 को और आईएनएस आदित्य 30 दिसंबर, 2004 को मालदीव पहुंचे।

श्रीलंका को सहायता (ऑपरेशन रेनबो)

समुद्र में लापता मछुआरों और नौकाओं की खोज में सहायता के लिए श्रीलंका के अनुरोध पर हमारी नौसेना ने कार्रवाई की। इसके अतिरिक्त, 26 दिसंबर, 2004 को एक डोर्नियर विमान ने कोलंबो में एक चिकित्सा दल और 600 किलोग्राम चिकित्सा सामग्री उतारी। श्रीलंका के लिए चार पोत रवाना किए गए थे। आईएनएस शारदा और आईएनएस सतलुज गाल की ओर रवाना हुए। वे 27 दिसंबर 2004 को त्रिंकोमाली पहुंचे। त्रिंकोमाली के लिए दो पोत रवाना किए गए थे और वे भी 27 दिसंबर 2004 को वहां पहुंचे। ये पोत आईएनएस संधायक और आईएनएस सुकन्या थे। सभी पोतों में हेलीकॉप्टर और गोताखोर मौजूद थे। चिकित्सा दल, चिकित्सा सामग्री और राहत उपकरण भी साथ थे।

उत्तराखंड में बाढ़ (जून 2013) वर्ष 2013 की उत्तराखंड आपदा में, विभिन्न सैन्य बलों (सेना, भारतीय वायु सेना, आईटीबीपी और एनडीआरएफ) ने बड़े पैमाने पर बचाव एवं निकासी अभियान चलाए; भारतीय वायु सेना (ऑपरेशन राहत) व सेना (ऑपरेशन सूर्य होप) ने हजारों उड़ानें भरीं तथा बड़ी संख्या में फंसे हुए लोगों को बचाया/निकाला। भारतीय वायु सेना ने विभिन्न स्थानों पर 730 मीट्रिक टन आवश्यक सामग्री गिराई। उत्तराखंड आपदा 2013 में बचाव अभियान के दौरान सी-130 जे "सुपर हरक्यूलिस", एमआई-26, एमएलएच, एएलएच, चीता और एमआई-17वी5 विमानों का उपयोग किया गया।

जम्मू और कश्मीर में बाढ़ (सितंबर 2014) भारतीय वायु सेना ने 2014 में जम्मू-कश्मीर में आई बाढ़ के दौरान बड़े पैमाने पर बचाव और राहत कार्यों में सहयोग के लिए ऑपरेशन मेघ राहत शुरू किया था। भारतीय सेना, राष्ट्रीय वायु सेना (एनडीआरएफ) और नागरिक एजेंसियों के समन्वय से लगभग 70 भारतीय वायु सेना के विमान तैनात किए गए थे, जिन्होंने 96,000 से अधिक लोगों को बचाया तथा प्रभावित क्षेत्रों में 3,500 टन से अधिक राहत सामग्री हवाई मार्ग से पहुंचाई। राहत कार्यों में लगभग 2,18,000 नागरिकों को चिकित्सा सहायता, आश्रय और भोजन प्रदान करना शामिल था। राहत कार्यों के लिए एक अधिकारी के नेतृत्व में 10 गोताखोरों वाली भारतीय नौसेना की एक गोताखोरी टीम, दो जेमिनी नौकाओं, गोताखोरी और बचाव उपकरणों के साथ तैनात की गई थी।

केरल में बाढ़ (अगस्त 2018) रक्षा बलों और राष्ट्रीय रक्षा बल/राष्ट्रीय संसाधनों ने इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिसमें 40 हेलीकॉप्टर, 31 विमान, 182 बचाव दल, रक्षा बलों के 18 चिकित्सा दल, 58 राष्ट्रीय रक्षा बल दल और 500 से अधिक नौकाओं का उपयोग किया गया; 60,000 से अधिक लोगों को बचाया गया या राहत शिविरों में पहुंचाया गया। भारतीय वायु सेना और नौसेना के वायु/समुद्री संसाधनों ने राहत सामग्री की व्यापक हवाई ढुलाई और हवाई-छिड़काव किया।

चक्रवात फानी (मई 2019) भारतीय नौसेना ने ओडिशा तट पर आपदा राहत एवं बचाव कार्यों के लिए जहाजों और टीमों (चिकित्सा दल, गोताखोर व राहत सामग्री) को पहले से तैनात कर दिया था। केंद्र सरकार की प्रतिक्रिया में कई राष्ट्रीय रक्षा बल (एनडीआरएफ) टीमों, सेना के इंजीनियरिंग दस्तों, विमानों/हेलीकॉप्टरों और नौसेना के जहाजों की तैनाती शामिल थी। चक्रवात 'फानी' के दौरान, सरकार ने राहत और बचाव कार्यों के लिए सेना के 19 दस्ते, इंजीनियरिंग टास्क फोर्स (ईटीएफ) के 9 दस्ते, 27 विमान/हेलीकॉप्टर तथा सशस्त्र बलों के 16 जहाज तैनात किए थे।

चक्रवात अम्फन (मई 2020) पूर्वी भारत, विशेष रूप से पश्चिम बंगाल और ओडिशा में, तूफान के आने से पहले व बाद में, भारतीय वायु सेना ने उच्च स्तर की तैयारी बनाए रखी तथा राहत कार्यों में सहयोग दिया, जबकि केंद्र/राज्य एजेंसियों ने निकासी एवं राहत कार्यों का समन्वय किया। भारतीय वायु सेना द्वारा कुल 56 भारी और मध्यम भार वहन सामग्री तैनात की गई थीं, जिनमें 25 स्थिर-पंख विमान तथा 31 हेलीकॉप्टर भी शामिल थे।

हिमनदी झील का विस्फोट, दक्षिण ल्होनक (अक्टूबर 2023) सिक्किम के सुदूर उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में स्थित दक्षिण ल्होनक में हिमनदी झील के फटने से तीस्ता नदी में लगभग 50-60 फीट का उफान आया। लाचुंग के बर्फ से ढके इलाकों और पूर्वी सिक्किम के अग्रिम क्षेत्रों में फंसे नागरिकों को बचाने के लिए हिमराहत अभियान शुरू किया गया। 1,247 पर्यटकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

एनएचआईडीसीएल सुरंग बचाव अभियान (नवंबर 2023) उत्तराखंड में निमार्णाधीन सिल्क्यारा-दंडलगांव सुरंग के 12 नवंबर 2023 को ढह जाने तथा 41 श्रमिकों के फंस जाने के बाद, भारतीय सेना ने बचाव कार्य में सहायता के लिए तुरंत इंजीनियर दल और सुरंग निर्माण विशेषज्ञों को तैनात किया। यह अभियान 29 नवंबर 2023 को सफलतापूर्वक समाप्त हुआ और सभी श्रमिकों को सुरक्षित बचा लिया गया।

चक्रवात मिचौंग, चेन्नई (दिसंबर 2023) भारतीय सेना ने 4 दिसंबर 2023 को भारी बारिश और अड्यार नदी और मनपक्कम नहर में आई बाढ़ के बाद, 230 नागरिकों को बचाया और 7 दिसंबर को अभियान समाप्त किया।

आरबीएसके के तहत दो बच्चे बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर

बाल हृदय रोग पर विशेष अभियान, 34 बच्चों का हो चुका सफल ऑपरेशन

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

19 फरवरी। जिले में जन्मजात बीमारियों से ग्रसित बच्चों के बेहतर उपचार को लेकर स्वास्थ्य विभाग सक्रिय है। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत बुधवार को दो बच्चों को उन्नत चिकित्सा के लिए पटना रेफर किया गया।

सदर अस्पताल किशनगंज से अल्फाज हुसैन (जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित) और अनीशा कुमारी (कटे होंठ एवं तालु की समस्या) को विशेषज्ञ इलाज के लिए इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (IGIMS), पटना भेजा गया।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, जिले में बाल हृदय रोग की समय पर पहचान और उपचार के लिए विशेष रणनीति के तहत कार्य किया जा रहा है। आरबीएसके टीमों द्वारा स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं समुदाय स्तर पर नियमित स्क्रीनिंग की जा रही है। अब तक जिले के 34 बच्चों का सफल हृदय ऑपरेशन कराया जा चुका है।

सिविल सर्जन डॉ. राज कुमार चौधरी ने बताया कि जन्मजात हृदय रोग एवं अन्य विकृतियों में समय पर जांच और उपचार अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि बच्चों में किसी भी असामान्य लक्षण को नजरअंदाज न करें। आरबीएसके के तहत जांच, रेफरल और इलाज की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध है। जिला पदाधिकारी विशाल राज ने कहा कि बच्चों का स्वास्थ्य प्रशासन की प्राथमिकता है। सरकार की योजनाओं का लाभ उठाकर नियमित स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित करें, ताकि कोई भी बच्चा उपचार से वंचित न रहे।

जिले में बाल स्वास्थ्य को लेकर यह अभियान निरंतर जारी है, जिससे जरूरतमंद बच्चों को समय पर बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सके।

आंगनवाड़ी कर्मियों की गरिमा व सुरक्षा को लेकर राष्ट्रीय महिला आयोग में शिकायत

POSH Act अनुपालन एवं प्रशासनिक पारदर्शिता पर उठे सवाल

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

राष्ट्रीय आरटीआई कार्यकर्ता सह मानवाधिकार कार्यकर्ता मोहम्मद अनसार खाँ द्वारा राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू), नई दिल्ली के समक्ष एक महत्वपूर्ण शिकायत प्रस्तुत की गई है। शिकायत में आंगनवाड़ी सेविका एवं सहायिका की गरिमा, मानसिक सुरक्षा तथा कार्यस्थल पर सुरक्षित वातावरण से जुड़े गंभीर मुद्दे उठाए गए हैं।

शिकायत के अनुसार, फरवरी 2026 के दौरान प्रकाशित विभिन्न मीडिया रिपोर्टों में पोठिया प्रखंड से संबंधित प्रशासनिक घटनाक्रम एवं आरोपों ने महिला कर्मियों की कार्यस्थल सुरक्षा पर प्रश्नचिह्न खड़े किए। साथ ही, जिला एवं प्रमंडलीय स्तर के आदेशों के बीच कथित प्रशासनिक असंगति से स्थिति में अनिश्चितता उत्पन्न होने का भी उल्लेख किया गया है।

POSH Act अनुपालन पर स्पष्टता की मांग शिकायत में कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013 (POSH Act) के प्रावधानों के अनुपालन को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की गई है। विशेष रूप से निम्न बिंदुओं पर जानकारी मांगी गई है–

आंतरिक शिकायत समिति (ICC) का गठन अधिनियम के तहत जांच प्रक्रिया जांच निष्कर्ष एवं कार्रवाई रिपोर्ट पीड़ित महिला कर्मियों के लिए संरक्षण उपाय शिकायतकर्ता ने आयोग से अनुरोध किया है कि यदि संबंधित मामले में कोई शिकायत दर्ज हुई है, तो उसकी निष्पक्ष एवं विधिसम्मत जांच सुनिश्चित की जाए।

महिला कर्मियों पर संभावित प्रभाव

शिकायत में यह भी रेखांकित किया गया है कि प्रशासनिक अनिश्चितता, विरोधाभासी आदेश एवं जांच प्रक्रिया में अस्पष्टता से महिला कर्मियों के बीच भय, मानसिक तनाव और असुरक्षा की भावना उत्पन्न हो सकती है, जिससे कार्यस्थल का वातावरण प्रभावित होने की आशंका है।

आयोग से हस्तक्षेप की मांग

मोहम्मद अनसार खाँ ने राष्ट्रीय महिला आयोग से संबंधित विभाग/प्रशासन से Action Taken Report (ATR) प्राप्त करने, POSH Act अनुपालन की समीक्षा करने तथा आंगनवाड़ी सेविका/सहायिका की गरिमा एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक सुधारात्मक निर्देश जारी करने का आग्रह किया है।

साथ ही, POSH अनुपालन एवं ICC कार्यवाही से संबंधित जानकारी के लिए दायर आरटीआई आवेदनों के उत्तरों में कथित अस्पष्टता का मुद्दा भी उठाया गया है, जिससे संस्थागत पारदर्शिता पर प्रश्न खड़े हुए हैं।

उल्लेखनीय है कि यह मामला महिला कर्मियों की गरिमा, मानसिक सुरक्षा एवं कार्यस्थल पर सुरक्षित वातावरण जैसे संवेदनशील विषयों से जुड़ा है। राष्ट्रीय महिला आयोग के समक्ष शिकायत प्रस्तुत होने के बाद अब संबंधित प्रशासनिक एवं वैधानिक प्रक्रियाओं पर ध्यान केंद्रित होने की संभावना है।

अनधिकृत अनुपस्थिति पर कड़ी कार्रवाई

अंचल कार्यालय दिघलबैंक के लिपिक सेवा से बर्खास्त

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

सरकारी कार्यों में अनुशासन और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। अंचल कार्यालय, दिघलबैंक में पदस्थापित निम्न वर्गीय लिपिक मो० फारूक को अनधिकृत अनुपस्थिति एवं कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही के आरोप में सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, संबंधित कर्मी बिना पूर्व अनुमति एवं सूचना के लगातार कार्यालय से अनुपस्थित रहे। इस संबंध में विभिन्न ज्ञापांकों के माध्यम से स्पष्टीकरण की मांग की गई, किंतु कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही प्रारंभ की गई। जांच के क्रम में यह प्रमाणित हुआ कि वे 09 अप्रैल 2024 से 22 अगस्त 2024 तक निरंतर अनधिकृत रूप से अनुपस्थित रहे। आरोप सिद्ध होने के उपरांत उन्हें द्वितीय कारण पृच्छा का अवसर भी दिया गया। साथ ही, समाचार पत्रों के माध्यम से सूचना प्रकाशित कर निर्धारित समयावधि में जवाब देने का अवसर प्रदान किया गया, परंतु कोई संतोषजनक उत्तर प्राप्त नहीं हुआ।

समीक्षा में यह स्पष्ट पाया गया कि संबंधित कर्मी द्वारा सरकारी दायित्वों के निर्वहन में शिथिलता एवं उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना की गई, जो बिहार सरकारी सेवक आचार नियमावली, 1976 के प्रावधानों के प्रतिकूल है।

अतः बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए जिला दण्डाधिकारी-सह-समाहर्ता, किशनगंज द्वारा आदेश निर्गत कर मो० फारूक को सेवा से बर्खास्त (Dismiss) किए जाने का दंड अधिरोपित किया गया है।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सरकारी सेवाओं में अनुशासनहीनता एवं लापरवाही किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह कार्रवाई प्रशासन की पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

भारत-नेपाल सीमा सुरक्षा एवं समन्वय को लेकर अहम बैठक

बिराटनगर में इंडोझ्नेपाल जिला समन्वय समिति की चर्चा, सीमा सील करने सहित कई मुद्दों पर सहमति

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो, किशनगंज।

भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में सुरक्षा, समन्वय एवं आपसी सहयोग को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से इंडोझ्नेपाल जिला समन्वय समिति की महत्वपूर्ण बैठक नेपाल के बिराटनगर में आयोजित की गई। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई, जिसमें सीमा से जुड़े विभिन्न सुरक्षा, प्रशासनिक एवं समन्वयात्मक मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में नेपाल में प्रस्तावित संसदीय चुनाव के मद्देनजर 02 मार्च 2026 की मध्यरात्रि 12:00 बजे से 05 मार्च 2026 की मध्यरात्रि 12:00 बजे तक भारत-नेपाल सीमा को पूर्णतः सील रखने के विषय पर चर्चा की गई। दोनों देशों के अधिकारियों ने सीमा-पार आतंकवादी गतिविधियों की रोकथाम, अवांछनीय तत्वों पर नियंत्रण तथा संयुक्त एवं समन्वित कार्रवाई को प्रभावी बनाने पर विशेष बल दिया।

इसके अतिरिक्त हथियार, गोला-बारूद, विस्फोटक, मादक एवं मनोदैहिक पदार्थों की तस्करी, मानव तस्करी, जाली मुद्रा के प्रचलन तथा अन्य सीमा-पार अपराधों की रोकथाम को लेकर सख्त एवं समन्वित कार्रवाई पर सहमति बनी। कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच नियमित खुफिया सूचनाओं के आदानझ्प्रदान को और अधिक सुदृढ़ करने पर भी जोर दिया गया।

बैठक में नो-मेन्स लैंड पर अतिक्रमण की जांच एवं रोकथाम, अनधिकृत मार्गों से वाहनों की आवाजाही के नियमन तथा सीमा क्षेत्र में आपसी समन्वय को मजबूत करने से जुड़े विषयों पर भी विस्तृत चर्चा हुई। जिला पदाधिकारी विशाल राज ने नेपाल की ओर से आने वाले हाथियों के कारण सीमावर्ती क्षेत्रों में फसलों को होने वाली क्षति, सीमा क्षेत्र में अतिक्रमण तथा नो-मेन्स लैंड से जुड़े स्थानीय मुद्दों को प्रमुखता से उठाया।

बैठक में जिला पदाधिकारी विशाल राज, पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार तथा सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के कमांडेंट सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। भारत की ओर से अररिया एवं सुपौल जिलों के जिला पदाधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं सुरक्षा एजेंसियों के प्रतिनिधि तथा नेपाल की ओर से मोरंग, झापा एवं सुनसरी जिलों के मुख्य जिला अधिकारी (सीडीओ), सहायक सीडीओ एवं पुलिस अधीक्षक समेत अन्य अधिकारी शामिल हुए।

बैठक को भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और समन्वय को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

पटना के पालीगंज में बिजली बिभाग की छापेमारी, बिजली चोरी करते छह पकड़े गए

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के पालीगंज अनुमंडल सह प्रखण्ड क्षेत्र में बिजली बिभाग की टीम ने बिजली चोरी के खिलाफ छापेमारी किया। इस दौरान अलग अलग गांवों के छह ब्यक्ति बिजली चोरी करते पकड़े गए। अभी पर जुमार्ना की राशि निर्धारित करते हुए पालीगंज थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

मामले की जानकारी देते हूए बिजली बिभाग के पालीगंज सहायक अभियंता बिपिन बिहारी लाल ने बताया कि महाबली पुर फीडर के कनीय अभियंता रोहित शर्मा के नेतृत्व में एक टीम की गठन की गई थी। यह टीम पालीगंज प्रखण्ड सह अनुमंडल क्षेत्र के घूरना बिगहा गांव में छापेमारी की। जिसके दौरान घूरना बिगहा गांव निवासी मुन्ना दास, राम इकवाल दास, महेंद्र दास व नवलेश कुमार को बाईपास कर बिजली आपूर्ति करते पाया गया। जिसके खिलाफ कनीय अभियंता रोहित शर्मा ने दोनो के विरुद्ध पालीगंज थाने में बिजली चोरी करने की प्राथमिकी दर्ज कराया है। वही मुन्ना दास पर 38272 (अड़तीस हजार दो सौ बेहतर रुपये), राम इकवाल दास पर 13439 (तेरह हजार चार सौ उनचालीस रुपये), महेंद्र दास पर 34836 (चौतीस हजार आठ सौ छतीस रुपये) तथा नवलेश कुमार पर 8883 (आठ हजार आठ सौ तिरासी रुपये) का जुमार्ना लगाई गई है। जबकि पालीगंज फीडर के कनीय अभियंता रंजीत कुमार की टीम ने पालीगंज स्थित पानी टँकी रोड मुहल्ला में छापेमारी कर बाईपास कर बिजली आपूर्ति करते रमेश सिंह तथा शकुंतला देवी को पाया। जिसके खिलाफ पालीगंज थाने में दोनो के खिलाफ बिजली चोरी करने का आरोप लगा प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। साथ ही रमेश सिंह पर 41438 (इकतालीस हजार चार सौ अड़तीस रुपये) तथा शकुंतला देवी पर 209362 (दो लाख नौ हजार तीन सौ बासठ रुपये) की जुमार्ना लगाई गई है।

इस सम्बंध में बिजली बिभाग के पालीगंज सहायक अभियंता बिपिन बिहारी लाल ने बताया कि सरकार की ओर से 125 यूनिट बिजली मुफ्त उपलब्ध कराई जा रही है। इसके बावजूद भी बिजली की चोरी करना अशोभनीय है। वही उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील किया है कि बिजली चोरी न करें तथा मुफ्त बिजली का आनन्द लें। वही उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि बिभाग के निर्णय के अनुसार मीटर सम्बंधित तथा कनेक्शन सम्बंधित सहित राजस्व वसूली के लिए 19 फरवरी से 30 मार्च के बीच क्षेत्र के अलग अलग गांवों में कैम्प का आयोजन किया जाएगा। जिसमे सभी उपभोक्ता अपनी शिकायतों को लेकर आएं। उनकी समस्या का समाधान शीघ्र ही कर दी जाएगी।

पटना यूनिवर्सिटी में वर्चस्व को लेकर दो पक्षो में तनाव

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ पीयू में छात्र संघ चुनाव की प्रक्रिया के बीच बुधवार देर रात विभिन्न छात्र संगठनों के समर्थक वर्चस्व को लेकर आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते मामूली नोकझोंक ने उग्र रूप ले लिया और पूरा परिसर तनाव की चपेट में आ गया। हालात बिगड़ते देख प्रशासन को तत्काल हस्तक्षेप करना पड़ा और देर रात तक विश्वविद्यालय परिसर में पुलिस की गतिविधियां तेज रहीं। घटना पटना विश्वविद्यालय के केंद्रीय परिसर और उससे जुड़े छात्रावास

क्षेत्रों में हुई, जहां छात्र संघ चुनाव को लेकर पहले से ही माहौल गर्म था। चुनावी गतिविधियों के बीच अचानक हुई इस भिड़ंत ने न सिर्फ छात्रों, बल्कि विश्वविद्यालय प्रशासन और अभिभावकों की भी चिंता बढ़ा दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चुनाव प्रचार और समर्थन को लेकर दो प्रमुख छात्र गुटों के बीच कहासुनी शुरू हुई। शुरूआत में मामला सिर्फ नारेबाजी और तीखी बहस तक सीमित था, लेकिन कुछ ही देर में दोनों पक्षों के समर्थक आमने-सामने आ गए। धक्का-मुक्की और हंगामे की खबर फैलते ही परिसर में अफरा-तफरी मच गई। कई छात्र अपने-अपने छात्रावासों में लौटने लगे, जबकि कुछ जगहों पर डर का माहौल बन गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस बल विश्वविद्यालय परिसर की ओर रवाना हुआ। देर रात तक कैंपस के कई हिस्सों में पुलिस की गश्त जारी रही, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके। इस पूरे घटनाक्रम पर सिटी पुलिस अधीक्षक, पटना मध्य, भानु प्रताप सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि हालात को काबू में रखने के लिए पीरबहोर थाना समेत आसपास के कई थानों की पुलिस को बुलाया गया। उन्होंने कहा कि प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना था कि किसी भी छात्र को चोट न पहुंचे और विश्वविद्यालय परिसर में शांति बनी रहे। पुलिस के अनुसार, देर रात विशेष सघन छापेमारी अभियान चलाया गया। इस दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न छात्रावासों की तलाशी ली गई, ताकि उपद्रव में शामिल लोगों की पहचान की जा सके और भविष्य में किसी भी तरह की हिंसा को रोका जा सके। छापेमारी के दौरान मिंटो छात्रावास से आठ छात्रों को हिरासत में लिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इन छात्रों पर उपद्रव में शामिल होने का संदेह है। हिरासत में लिए गए छात्रों से पूछताछ की जा रही है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि झड़प की शुरूआत कैसे हुई और इसके पीछे किन संगठनों की भूमिका रही। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार किए गए छात्रों में से एक का पहले से आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आया है। हालांकि, प्रशासन ने साफ किया है कि जांच पूरी होने के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जाएगा और निर्दोष पाए जाने पर छात्रों को राहत दी जाएगी।

पटना में दिनदहाड़े फायरिंग में पूर्व सैनिक की मौत

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के गोपालपुर थाना क्षेत्र के मानपुर बैरिया में जमीन विवाद में दिनदहाड़े हुई गोलीबारी में पूर्व सैनिक तेजनंदन राय 45 वर्ष की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और मौके पर भारी भीड़ जुट गई।

जानकारी के अनुसार वर्ष 2005 में तेजनंदन राय ने चोखा राय से एक जमीन की रजिस्ट्री कराई थी। अब उसी जमीन पर चोखा राय का नाती विकास कुमार अपना दावा कर रहा था। गुरुवार की सुबह तेजनंदन राय जमीन की नापी कराने के बाद बाउंड्री वॉल का निर्माण करवा रहे थे। इसी दौरान विकास कुमार अपने कुछ साथियों के साथ वहां पहुंचा और निर्माण कार्य का विरोध करने लगा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक दोनों पक्षों के बीच काफी देर तक कहासुनी और बहस होती रही। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि विकास कुमार ने कमर से पिस्तौल निकालकर तेजनंदन राय पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। गोली लगते ही वह खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़े। आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग दौड़ पड़े और परिजनों को सूचना दी गई। घायल अवस्था में तेजनंदन राय को तुरंत पास के निजी अस्पताल ले जाया गया। इधर खबर मिलते ही परिवार के लोग भी भागते हुए अस्पताल पहुंचे। लेकिन इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही अस्पताल परिसर में परिजनों का विलाप शुरू हो गया। परिवार में कोहराम मच गया और माहौल गमगीन हो गया। घटना से आक्रोशित लोगों की भीड़ घटनास्थल और अस्पताल दोनों जगह जमा हो गई। लोगों ने हंगामा करते हुए आरोपी की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। स्थिति को देखते हुए स्थानीय थाना पुलिस के साथ वरीय अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रंजन कुमार ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और जांच के निर्देश दिए। पुलिस ने मौके से गोली के तीन खोखे बरामद किए हैं। घटना की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया। फॉरेंसिक साइंस लैबोरेट्री की टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्रित किए और वैज्ञानिक तरीके से जांच शुरू की। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला जमीन विवाद का प्रतीत होता है। आरोपी विकास कुमार की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले नाना ने जमीन बेच दी थी, लेकिन अब नाती उसी जमीन पर दावा कर रहा था। इसी विवाद ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं. घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है और लोग दिनदहाड़े हुई इस वारदात से स्तब्ध हैं। पुलिस प्रशासन ने जल्द कार्रवाई और दोषियों की गिरफ्तारी का भरोसा दिलाया है।

सोन दियारा क्षेत्र में 3000 लीटर जावा महुआ घोल और 2 शराब भट्टी किया नष्ट

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार)नवीनगर प्रखंड के एनटीपीसी खैरा थाना पुलिस ने अवैध शराब निर्माण एवं तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र के झीकटिया गांव के समीप सोन दियारा इलाके में छापेमारी कर पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध शराब निर्माण से जुड़े सामानों को नष्ट किया।छापेमारी के दौरान पुलिस टीम ने मौके से कुल 3000 लीटर महुआ जावा घोल, 02अवैध शराब भट्ठी, तथा शराब बनाने के सामग्री को बरामद किया। पुलिस ने सभी जब्त जावा घोल, भट्ठी एवं उपकरणों को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया।थानाध्यक्ष परमजीत कुमार मंडल ने बताया कि क्षेत्र में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी पर पूर्ण रूप से रोक लगाने के उद्देश्य से लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। थानाध्यक्ष ने यह भी बताया कि इस संबंध में संबंधित धाराओं के तहत अग्रिम कार्रवाई की जा रही है । उन्होंने स्पष्ट किया कि अवैध शराब कारोबार में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध शराब कारोबारियों एवं तस्करों के बीच हड़कंप मच गया है।

पटना में शराब और गांजा कारोबार का भंडाफोड़, महिला समेत दो गिरफ्तार

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के गौरीचक थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब और गांजा कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महिला समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब और गांजा के साथ पैकेजिंग मशीन भी बरामद की गई है। विनय कुमार रंजन, पुलिस उपाधीक्षक सह थानाध्यक्ष, गौरीचक ने बताया कि बेलदारी चक इलाके में एक मकान में गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की गई। इस दौरान एक महिला को अंग्रेजी शराब बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। उसके पास से 20 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद की गई है, जिसमें रॉयल स्टैग और इंपिरियल ब्लू ब्रांड शामिल हैं। इसके अलावा बेलदारी चक बाजार में गांजा बेचने के आरोप में एक व्यक्ति को पकड़ा गया। पूछताछ के बाद पुलिस उसे उसके गांव बीबीपुर ले गई। जांच के दौरान बीबीपुर में उसकी एक गुमटी से 100 पुड़िया से अधिक गांजा, गांजा काटने और पैकेट करने वाली मशीन तथा अन्य उपकरण बरामद किए गए। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष ने कहा कि क्षेत्र में अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और किसी भी सूरत में इसे पनपने नहीं दिया जाएगा।

पटना में अर्धनिर्मित मकान से 3.5 किलो गांजा, पिस्टल और विदेशी शराब बरामद, तीन गिरफ्तार

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के गोपालपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर गांव में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए गांजा, विदेशी शराब और अवैध हथियार बरामद किया है। इस दौरान तीन लोगों को मौके से गिरफ्तार किया गया है। थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया की गुरुवार को सूचना मिली कि शाहपुर स्थित विक्की कुमार उर्फ विशाल के अर्धनिर्मित मकान में गांजा, शराब और अवैध हथियार की बिक्री की जा रही है। सूचना मिलते ही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पटना सदर को अवगत कराते हुए उनके निर्देश पर छापेमारी टीम गठित की गई। टीम में पुलिस पदाधिकारियों के साथ सशस्त्र बल और अनुसंधान किट शामिल था। अंचलाधिकारी संपतचक को भी कार्रवाई की जानकारी दी गई। पुलिस टीम गुप्तचर की निशानदेही पर बताए गए मकान पर पहुंची। पुलिस को देखते ही तीन लोग भागने लगे, जिन्हें घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। गिरफ्तार लोगों की पहचान विक्की कुमार उर्फ विशाल उम्र 31 वर्ष, सूरज कुमार उम्र 33 वर्ष और रंजीत कुमार उम्र 17 वर्ष, सभी निवासी शाहपुर थाना गोपालपुर, जिला पटना के रूप में हुई है। मौके की तलाशी में लाल पॉलिथीन में लिपटा 3.5 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसका वजन इलेक्ट्रॉनिक तराजू से किया गया। इसके अलावा एक मैगजीन लगा पिस्टल बरामद हुआ, जिसके बट पर पीतल का स्टार बना था और उस पर मेड इन यूएसए अंकित पाया गया। कमरे में छुपाकर रखी गई विदेशी शराब की बोतलें भी बरामद की गईं। पुलिस ने बताया कि बरामद सामान को जब्त कर लिया गया है और तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

नरारीकला खुर्द थाना का निरीक्षण, सर्किल इंस्पेक्टर ने दिए आवश्यक निर्देश

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर बिहार) नवीनगर प्रखंड अंतर्गत नरारी कला खुर्द थाना का निरीक्षण सर्किल इंस्पेक्टर नवीनगर सूरज कुमार द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर, कार्यालय अभिलेख, हाजत, मालखाना, एवं साफ सफाई की स्थिति का गहन अवलोकन किया गया। सर्किल इंस्पेक्टर ने थाना में दर्ज कांडों की समीक्षा की और थानाध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारियों के साथ लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन के निर्देश दिए ।उन्होंने फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी तेज करने, वारंट-इश्तेहार के त्वरित अनुपालन तथा रात्रि गश्ती को और प्रभावी बनाने के साथ ही अवैध शराब के निर्माण ,सेवन, परिवहन एवं भंडारण पर विशेष निगरानी रखने पर जोर दिया। इसके साथ ही संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित पेट्रोलिंग, अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ रखने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सर्किल इंस्पेक्टर ने आम जनता से बेहतर समन्वय स्थापित करने, पीड़ितों की शिकायतों को प्राथमिकता से सुनने और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने पुलिसकर्मियों को अनुशासन में रहते हुए जनहित में कार्य करने, समय पर रिपोर्टिंग और अभिलेखों के अद्यतन रखने का भी निर्देश दिया।

विधायक सविता महतो ने विधानसभा सत्र में उठाया चांडिल डैम के 84 मौजा, 116 गांव के विस्थापितों, व पुनर्वास स्थलो का मामला

समाज जागरण, संवाददाता, बिकाश

झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के द्वितीय दिन सविता महतो ने अल्प सूचित प्रश्न के माध्यम से चांडिल डैम परियोजना से प्रभावित 84 मौजा और 116 गांव के विस्थापितों का मामला प्रमुखता से उठाया। उन्होंने सदन में कहा कि वर्षों बीत जाने के बावजूद परियोजना से प्रभावित परिवारों को अब तक समुचित पुनर्वास सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई गई हैं। विधायक ने सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए कहा कि वर्तमान पुनर्वास नीति में आरएल से संबंधित कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है, जिससे प्रभावित परिवारों को भूमि संबंधी अधिकारों और सुविधाओं से वंचित होना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि विभागीय स्तर पर पिछले दो वर्षों से इस विषय पर कोई ठोस बैठक या पहल नहीं की गई है, जिससे विस्थापितों की समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। सविता महतो ने मांग की कि 116 गांवों के सभी प्रभावित विस्थापित परिवारों को पुनर्वास, आवास, मुआवजा, बुनियादी सुविधाएं, नियोजन तथा आजीविका के समुचित साधन उपलब्ध कराए जाएं। साथ ही उन्होंने चांडिल डैम अंतर्गत विभाग द्वारा पुनर्वास नीति के तहत चयनित 22 पुनर्वास स्थलों में से 13 पुनर्वास स्थलों का आंशिक रुप से विकास हुआ एवं 9 पुनर्वास स्थल को पूर्ण रुप से विकास करने का मांग किया। उन्होंने कहा कि विस्थापितों के साथ न्याय सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इस दिशा में शीघ्र ठोस कदम उठाए जाने का मांग किया।